●वर्ष : 16 ●अंक : 197 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08

RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

गुरुवार 07 नवम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस के जातिवाद पर भारी भाजपा का विकास का एजेंडाः मुख्यमंत्री शर्मा

नूना न्यूज एजेंसी

राजस्थान। में सात विधानसभा सीट पर उपचुनाव से पहले राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी का विकास का एजेंडा कांग्रेस के जातिवाद पर भारी है। अपनी सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दस महीने के छोटे समय में उन्होंने रिकॉर्ड काम किए हैं जिससे कांग्रेस की नींव हिल चुकी है और जनता का उनकी सरकार पर विश्वास मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर कार्यकताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात कर उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान शर्मा ने कहा, विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के जातिवाद के एजेंडे पर हमारी सरकार का विकास का एजेंडा भारी है। जिन मुद्दों पर कांग्रेस वर्षों तक राजनीति करती रही, हमारी डबल इंजन सरकार ने उनपर तेजी से काम किया।

हार्दिक बधाई मेरे दोस्त... ट्रंप की जीत पर आया पीएम मोदी का ये रिएक्शन

›› शपथ ग्रहण में करेंगे अमेरिका की यात्रा?

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी चुनाव में जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी। एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। आपके पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों की सफलता के क्रम में, मैं भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने के लिए सहयोग को बढ़ाने के वास्ते उत्सुक हूं। आइए, मिलकर अपने लोगों की भलाई के लिए और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करें। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश के इतिहास में सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी दर्ज करते हुए व्हाइट हाउस की दौड़ जीतने की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने चुनाव में अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को लगभग हरा दिया है। ट्रंप ने फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में अपने संबोधन में कहा कि यह अमेरिका का स्वर्णिम युग होगा। अमेरिका ने हमें अभूतपूर्व जनादेश दिया है। उन्होंने अमेरिकियों से कहा कि यह पल अमेरिका को बेहतर बनाने में मदद देगा। मतगणना के ताजा आंकड़ों के अनुसार, ट्रंप 270 निर्वाचक मंडल वोट जीतने के करीब हैं, जिससे उनकी जीत तय हो जाएगी। 78 वर्षीय रिपब्लिकन नेता पेंसिल्वेनिया, जॉर्जिया और उत्तरी कैरोलाइना जैसे तीन महत्वपूर्ण स्विंग राज्यों में जीत हासिल कर रहे हैं। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने 267 निर्वाचक मंडल वोट जबकि हैरिस ने 214 निर्वाचक मंडल वोट हासिल कर लिए हैं। ग़ौरतलब है कि अमेरिका में 50 राज्य हैं और उनमें से अधिकतर राज्य हर चुनाव में एक ही पार्टी को वोट देते रहे हैं, सिवायस्विंग राज्यों के। बताया जाता है कि चुनावी रूप से अहम माने जाने वाले इन स्विंग राज्यों में मतदाताओं का रुझान बदलता रहता है। जनसंख्या के आधार पर राज्यों को निर्वाचक मंडल वोट दिए जाते हैं। कुल 538 निर्वाचक मंडल वोट के लिए मतदान होता है। 270 या उससे अधिक निर्वाचक मंडल वोट पाने वाले उम्मीदवार को चुनाव में विजेता घोषित किया जाता है।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

महाराष्ट्र भी कहीं चल न पड़े हरियाणा की राह

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों में महाविकास अघाड़ी के हाथों मिली महायुति को शिकस्त के चलते यह उम्मीद लगाना बेमानी नहीं है कि कुछ ऐसे ही नतीजे विधानसभा चुनावों में भी आ सकते हैं। चूंकि लोकसभा चुनाव बीते ज्यादा वक्त नहीं बीता है, लिहाजा माना जा रहा है कि राज्य के मतदाताओं के मिजाज में बहुत बदलाव नहीं आया है। हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को लेकर कुछ ऐसी ही उम्मीद जताई जा रही थी। लेकिन नतीजे उम्मीदों के ठीक उलट रहे। हरियाणा का नतीजा गवाह है कि अतीत की बुनियाद पर लड़े जाने के बाद अगले चुनाव के नतीजे उम्मीदों के मुताबिक नहीं हो सकते। इसकी वजह नाकाम रहने वाली राजनीति की अपनी गलतियां भी हो सकती हैं और सफल होने वाली राजनीति की रणनीति भी। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के प्रमुख दल जिस तरह आपसी खींचतान में मसरूफ हैं, उसकी वजह से अघाड़ी खेमे में आशंका जताई जाने लगी है कि महाराष्ट्र भी कहीं हरियाणा न बन जाए ! इस सोच की वजह बन रही है महाविकास अघाड़ी की अंदरूनी खींचतान। कांग्रेस और एनसीपी के सहयोग से मुख्यमंत्री रह चुके उद्धव ठाकरे खुद को स्वाभाविक रूप से अघाड़ी का अगुआ मान रहे हैं। लेकिन अंदरखाने में अपने दल को आगे रखने की हर गोटी फिट कर रहे स्थानीय कांग्रेस नेतृत्व की कोशिश खुद को आगे रखने की है। गठबंधन में अपने दल को आगे रखना गलत नहीं है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसा किस कीमत पर हो रहा है? हकीकत तो यह है कि कांग्रेस कुछ वैसा ही कदम उठाने की सोच रही है, जैसा उसने 2005 के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद उठाया था। तब एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था और नतीजों में ज्यादा सीटें एनसीपी ने जीती थीं। लेकिन कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पद पर ना सिर्फ दावा ठोक दिया था, बल्कि विलासराव देशमुख को मुख्यमंत्री भी बनवा लिया था। जबकि ज्यादा सीटें हासिल करने के बावजूद एनसीपी सहयोगी की भूमिका में रह गई थी। अव्वल तो कांग्रेस इस बार ऐसी चालें चल रही हैं, ताकि उसके सबसे ज्यादा विधायक चुनाव जीतें। अगर ऐसा होगा तो उसके लिए मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोकना और उसे हासिल करना आसान होगा।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

बिजनौर : रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार किशोर समेत दो लोगों की मौत

नूना न्यूज एजेंसी

उत्तर प्रदेश। के बिजनौर जिले के धामपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार एक किशोर समेत दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) सर्वम सिंह के मुताबिक, धामपुर में खदाना की पुलिया के पास रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार रमेश (65) और लक्की (16) की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। सिंह के अनुसार, धामपुर में प्राथमिक उपचार के बाद घायल सुभाष को बिजनौर रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद बस चालक वाहन छोड़कर भाग गया और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

नियुक्ति के स्रोत के आधार पर न्यायाधीशों के साथ भेदभाव नहीं हो सकता : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि जिला न्यायपालिका से उच्च न्यायालय में भर्ती किये गये न्यायाधीश बार से पदोन्नत न्यायाधीशों के समान पेंशन सहित सभी लाभ पाने के हकदार होंगे। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जिन स्रोतों से भी उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई हो, उनके उनके पद पर कोई प्रभाव नहीं होगा, क्योंकि एक बार नियुक्त होने के बाद वे बिना किसी भेदभाव के एक समरूप वर्ग का हिस्सा होते हैं। इसमें कहा गया है कि न्यायाधीशों के बीच भेद करना मूलतः एकरूपता की भावना के विरुद्ध होगा। पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय संवैधानिक संस्थाएं हैं और उनकी संवैधानिक स्थिति को अनुच्छेद 216 द्वारा मान्यता प्राप्त है। अनुच्छेद 216 इस बात पर कोई भेद नहीं करता कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की भर्ती कैसे की जाती है। एक बार उच्च न्यायालय में नियुक्त होने के बाद प्रत्येक न्यायाधीश का दर्जा बराबर होता है...एक बार नियुक्त होने के बाद वेतन या अन्य लाभों को लेकर न्यायाधीशों के बीच कोई भेद नहीं किया जा सकता है।

ठंड कब पड़ना होगी शुरू

यूपी से लेकर बिहार तक की जानकारी मौसम विभाग ने दी

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। नवंबर का महीना शुरू हो चुका है। नवंबर के महीने में भी दिल्ली एनसीआर में सिहरन वाली ठंड नहीं पड़ रही है। कई पहाड़ी इलाकों में तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं मौसम विभाग ने भी संकेत दिए हैं को आठ से 15 नवंबर के बीच यहां ठंड हो सकती है। जानकारों का कहना है कि सर्दी का असर प्रदूषण के कारण कमजोर हो गया है। हवा की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। दिल्ली एनसीआर में हवा गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार हो गया है। आम जनता के लिए इस हवा में सांस लेना भी दूभर हो गया है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदूषण सर्दी को कमजोर कर रहा है। इसी कारण दिल्ली में न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है। वहीं अधिकतम तापमान 32 डिग्री तक जा सकता है। वहीं छह से 11 नवंबर के बीच तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। सुबह के समय धुंध और प्रदूषण में कोई फेरबदल नहीं होगा। माना जा रहा है कि जम्मू कश्मीर के अनंतनाक, कुकेरनाग, कुपवाड़ा और पहलगाम जैसे इलाकों में न्यूनतम तापमान एक से छह डिग्री तक जा सकता है। उत्तराखंड के देहरादून में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री तक होगा। वहीं कई इलाकों में तापमान आने वाले दिनों में माइनस होगा। हिमाचल प्रदेश में तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। यहां अधिकतम तापमान 18 से 20 डिग्री रह सकता है। उत्तर प्रदेश में भी अब सुबह के दौरान धुंध और हल्का कोहरा देखने को मिल रहा है। पश्चिमी और पूर्वी इलाकों में शुष्क मौसम रहने वाला है। यहां न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के नीचो रहने का अनुमान है। मौसम विभाग की मानें तो राजस्थान में मौसम सामान्य रहेगा। न्यूनतम तापमान यहां 20 डिग्री के आसपास होगा। अगले कुछ दिनों में हल्की ठंडक महसूस होगी। मौसम विभाग ने पंजाब और हरियाणा के लिए भी ठंड का अपडेट दिया है। इन जगहों पर अभी ठंड का असर देखने को नहीं मिल रहा है। यहां अधिकतम तापमान 31 डिग्री रहने वाला है। जानकारी के मुताबिक आगामी कुछ दिनों में सुबह और शाम की ठंड हो सकती है।

बीजेपी ने कर दिया साफ, माहिम सीट पर राज ठाकरे के बेटे अमित का नहीं करेगी समर्थन

नूना न्यूज एजेंसी

महाराष्ट्र। नवनिर्माण सेना (मनसे) के लिए एक झटका यह हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्पष्ट कर दिया है कि वह माहिम से विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे का समर्थन नहीं करेगी। दिलचस्प बात यह है कि बीजेपी केवल एक सीट पर राज ठाकरे की पार्टी एमएनएस का समर्थन कर रही है, जो राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे की सीट नहीं है, बल्कि मुंबई की शिवड़ी विधानसभा सीट है, जहां से एमएनएस नेता और राज ठाकरे के करीबी बाला नंदगांवकर चुनाव लड़ रहे हैं। इससे पहले बीजेपी ने माहिम सीट पर समर्थन देने की बात कही थी जहां से राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे अपना पहला चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, अब बीजेपी ने अपना रुख बदल लिया है। सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने माहिम से मौजूदा विधायक सदा सरवणकर को मैदान में उतारा है, जबकि महेश सावंत मुंबई की सीट से पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार हैं। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) महायुति का हिस्सा नहीं है, जिसमें भाजपा, शिवसेना और डिप्टी सीएम अजीत पवार की एनसीपी शामिल है, लेकिन इस साल की शुरूआत में हुए लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन किया था। बीजेपी के मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा कि मैं आप सभी को कार्यकताओं और मीडिया के माध्यम से बता रहा हूं कि (बीजेपी का समर्थन) केवल शिवडी विधानसभा सीट तक ही सीमित है। हाल ही में मैंने माहिम के बारे में बात की थी, आपने इसे पूरे महाराष्ट्र में फैलाया। अब मैं मैं केवल शिवड़ी के बारे में बोल रहा हूं, ऐसा मत सोचिए कि यह पूरे महाराष्ट्र के बारे में है। महाराष्ट्र चुनाव के लिए पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे मध्य मुंबई की माहिम विधानसभा सीट से चुनावी शुरूआत करेंगे। अमित विस्तारित ठाकरे परिवार से चुनाव लड़ने वाले तीसरे व्यक्ति होंगे। उनके पिता और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा।

दिल्ली में 3.5 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद, दो लोग गिरफ्तार

नूना न्यूज एजेंसी

दिल्ली। पुलिस ने बवाना इलाके में छापेमारी कर 3.5 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद की और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को सोमवार को सूचना मिली थी कि हेरोइन की आपूर्ति करने वाले बिलाल अहमद (23) और अनीस (22) बाहरी उत्तरी जिले में आ रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) भरत बी रेड्डी ने बताया कि सूचना के आधार पर छापेमारी करने वाले एक दल का गठन किया गया और उत्तर प्रदेश के बरेली के रहने वाले दोनों आरोपियों को बवाना सेक्टर-2 के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि अहमद के पास से कुल 698 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

गृह मंत्रालय ने एनडीएमसी में चार नए सदस्यों की नियुक्ति की

कुलजीत चहल उपाध्यक्ष बने

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) में चार नये गैर-आधिकारिक सदस्यों की नियुक्ति की, जिनमें कुलजीत चहल को उपाध्यक्ष नामित किया गया है। गजट अधिसूचना के अनुसार, अनिल वाल्मीकि, सरिता तोमर और दिनेश प्रताप सिंह गैर-आधिकारिक सदस्य के रूप में एनडीएमसी में शामिल होंगे। चहल, जिन्होंने सितंबर तक गैर-आधिकारिक सदस्य के रूप में कार्य किया, उपाध्यक्ष की भूमिका में सतीश उपाध्याय का स्थान लेंगे। वह भाजपा के नमो ऐप के राष्ट्रीय संयोजक भी हैं। नई दिल्ली के नागरिक मामलों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार एनडीएमसी में एक अध्यक्ष, आधिकारिक सदस्य, गैर-आधिकारिक सदस्य और निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल हैं। गृह मंत्रालय इन व्यक्तियों की नियुक्ति करता है जिनमें से प्रत्येक का कार्यकाल पांच साल का होता है। गृह मंत्रालय ने हाल ही में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी केशव चंद्र को एनडीएमसी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। परिषद के निर्वाचित सदस्यों में नई दिल्ली सीट से सांसद बांसुरी स्वराज, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री, नई दिल्ली के विधायक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली छावनी के विधायक वीरेंद्र सिंह कादियान शामिल हैं। नगर निकाय के पांच आधिकारिक सदस्यों में से चार को पिछले महीने नियुक्त किया गया था।

उप्र : वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार चाचा-भतीजे की मौत

नूना न्यूज एजेंसी

उत्तर प्रदेश। में बलिया जिले के रसड़ा क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद फहीम कुरैशी ने बुधवार को बताया कि रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के पहाड़पुर गांव के पास मंगलवार की शाम एक अज्ञात वाहन ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस घटना में मोटरसाइकिल सवार 40 वर्षीय विजेंद्र कन्नौजिया और उसके 20 साल के भतीजे रितेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के समय विजेंद्र और रितेश किसी रिश्तेदार के घर से अपने गांव गोपालपुर संवरा लौट रहे थे। कुरैशी ने बताया कि इस मामले में रितेश के भाई अभय ज्ञान की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। उधर, सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के मालदह-बिहरा मार्ग पर मंगलवार की शाम एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे बिजली के खंभे से जा टकराई। इस घटना में 26 वर्षीय जितेंद्र राजभर और 22 साल का पंकज गंभीर रूप से घायल हो गए। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने दोनों घायलों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां से जितेंद्र को, हालत गंभीर होने के कारण जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही जितेंद्र की मौत हो गयी। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

अंबाला के लोग भी होने लगे प्रदूषण से परेशान, सांस लेने में हो रही दिक्कत

अंबाला। शहर में कोहरे की मोटी चादर देखने को मिली है। बुधवार को कोहरा आने के कारण दृश्यता कम हो गई है। अंबाला में ये मौसम का पहला कोहरा था जो एक सप्ताह से अधिक समय के बाद आया है। शहर के निवासियों ने चिंता व्यक्त की कि कोहरे के कारण दृश्यता कम हो गई है, जिससे सांस लेना मुश्किल हो गया है तथा वायुमंडलीय प्रदूषण के साथ मिलकर दुर्गंध फैल रही है। सुबह की सैर पर निकले पंकज धीमान ने एएनआई से बात करते हुए कहा, "यह सीजन का पहला कोहरा है, इस बार यह देर से आया। कोहरे के साथ-साथ वातावरण में बदबू भी है, जिससे सांस लेने में दिक्कत हो रही है। यहां के निवासियों में खांसी और गले में खराश की समस्या भी है।

CMYK

एकेडमिक फेस्ट 24 का समारोह सम्पन्न

नोएडा – 7 नमम्बर 24 , संवाददाता
महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा के मीडिया विभाग, द्वारा आयोजित महर्षि मीडिया एकेडमिक फेस्ट exPRESSion - 2024 का भव्य समापन समारोह संपन्न हुआ। समापन समारोह में पत्रकारिता एवं जनसंचार जगत के प्रोफेसर (डॉ.) संजय सिंह बघेल और प्रिया सिंह ने शिरकत कर विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में मीडिया के अन्य संस्थानों से आए विषय विशेषज्ञों विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लगभग 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। समारोह की शुरूआत गुरु पूजा से हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप सभी विद्यार्थियों को चार मुख्य बातें नॉलेज, सूचना तकनीक, ज्ञान और संचार कौशल जरूर याद रखनी चाहिए तभी आपका आगे मार्ग सरल होगा। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अवकाश मिश्रा, डीन - महर्षि स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एन्ड टेक्नालॉजी और डॉ. शम्भू शरण गुप्ता, विभागाध्यक्ष, मीडिया विभाग द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) संजय सिंह बघेल और गेस्ट ऑफ हॉनर प्रिय सिंह, वरिष्ठ न्यूज एंकर को स्मृति चिह्न, शॉल और तुलसी पौधा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ हॉनर प्रिया सिंह ने कहा कि न्यूज एंकरिंग के समय हमें अपने फैक्ट चेक और फाइव सेंसेस हमेशा सक्रीय रखने की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम में

डॉ. विवेक कुमार और प्रसून नारायण, दोनों बाह्य विषय विशेषज्ञों ने भी फिल्म और थियेटर से जुड़े अपने विचार रखें। इस अवसर मीडिया विभाग के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों और विद्यार्थियों का ध्यान अपनी और आकृष्ट किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। विभिन्न सात प्रतियोगिताओं जिसमें न्यूज राइटिंग, न्यूज प्रेजेंटेशन, पीस टू कैमरा, स्पॉट फोटोग्राफी, पोस्टर डिजाइनिंग, स्नैप स्टोरी और नुक्कड़ नाटक के विजेताओं और उपविजेताओं को पुरस्कृत किया इस अवसर ऑडिटोरियम के साथ परिसर को मीडिया के कटआउट और रोलेक्स के द्वारा मीडिया विभाग के विद्यार्थियों ने सजाया गया था; जिसका अवलोकन कुलपति (डॉ.) बी. पी. सिंह, डीन एकेडमिक डॉ. तृप्ति अग्रवाल, डिप्टी डीन एकेडमिक स्मिता मिश्रा ने किया और इसके लिए विद्यार्थियों की खूब तारीफ भी किया। इस अवसर पर मीडिया विभाग के विभगाध्यक्ष डॉ. शम्भू शरण गुप्ता ने सभी अतिथियों, बाह्य विशेषज्ञों और विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों और सहयोगियों का धन्यवाद और आभार ज्ञापन किया। इस अवसर पर महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफार्मेशन टेक्नॉलजी के प्रोफेसर (डॉ.) के. बी. अस्थाना, डीन - महर्षि स्कूल ऑफ लॉ, डॉ. अवकाश मिश्रा, डीन - महर्षि स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एन्ड टेक्नालॉजी, प्रोफेसर (डॉ.) श्वेता बजाज, डीन - महर्षि स्कूल ऑफ फामेर्सी, संदीप शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार, रतीश गुप्ता, कार्पोरेट अफेयर उपस्थित थे।

संविधान सम्मान सम्मेलन में बोले राहुल- जातिगत जनगणना का असली मतलब न्याय है

भाजपा-आरएसएस कुछ भी कहें, जाति जनगणना होकर रहेगी और 50 प्रतिशत आरक्षण की दीवार को तोड़ा जाएगा

नई दिल्ली। 06 नवंबर जाति जनगणना पर कांग्रेस का रुख दोहराते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि जाति जनगणना का असली मतलब न्याय है और यह देश में विकास की नई दिशा तय करेगी। महाराष्ट्र के नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा-आरएसएस के लोग कुछ भी कहें या करें, लेकिन हिंदुस्तान में जातिगत जनगणना होकर रहेगी और 50 प्रतिशत आरक्षण वाली दीवार को तोड़ा जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर जी, महात्मा गांधी जी ने कभी अपना दर्द नहीं देखा, उन्होंने हमेशा सिर्फ लोगों के दर्द की बात की। जब हिंदुस्तान ने अंबेडकर जी से संविधान बनाने के लिए कहा, तो इसका मतलब था कि संविधान में देश के करोड़ों लोगों का दर्द और उनकी आवाज गूंजनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है, ये जिंदगी जीने का तरीका है। संविधान के पीछे की सोच हजारों साल पुरानी है। इसमें जो लिखा है, वही बात महापुरुषों ने कही है। इसमें लिखा है कि सभी के बीच समानता होनी चाहिए, हर धर्म, हर भाषा, हर जाति का आदर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भाजपा-आरएसएस के लोग संविधान पर आक्रमण करते हैं, तो वे हिंदुस्तान की आवाज पर आक्रमण करते हैं। उनके द्वारा जातिगत जनगणना की बात करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि राहुल गांधी देश को बांटने

की बात करते हैं। लेकिन वह (राहुल गांधी) देश को बताना चाहते हैं कि हिंदुस्तान के 90 प्रतिशत लोग देश की प्रगति में शामिल ही नहीं हो पाते हैं। एक अर्थशास्त्री का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने बताया कि उन्होंने (अर्थशास्त्री) ने अपने विश्लेषण में हिंदुस्तान को सबसे अधिक असमानता वाले देशों में से एक बताया था। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे देश में असमानता का सबसे बड़ा कारण जातिगत भेदभाव है। उन्होंने कहा कि यह दलित, पिछड़े या आदिवासी समुदायों के लोगों द्वारा हर रोज महसूस किया जा रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि संविधान से ही देश की अलग-अलग संस्थाएं बनी हैं। अगर संविधान नहीं होता तो चुनाव आयोग भी नहीं बनता। राहुल गांधी ने खुलासा किया कि जनता से संवाद के दौरान उनके पास जातिगत जनगणना की छोटी सी आवाज आई थी। फिर धीरे-धीरे ये आवाज बड़ी होती गई। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना का असली मतलब न्याय है। उनकी सोच है कि बिना शक्ति और धन के आदर का कोई मतलब नहीं है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने हाल ही में रायबरेली में हुई दिशा बैठक का हवाला देते हुए कहा कि इस बैठक में मौजूद अफसरों में कोई दलित, ओबीसी वर्ग का नजर नहीं आया। उन्होंने कहा कि उनका काम हिंदुस्तान के लोगों की आवाज उठाने का है। जनता ने कहा कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए, इसलिए इस आवाज को उन्होंने हर जगह उठाया। राहुल गांधी ने कहा कि कॉर्पोरेट से लेकर न्यायपालिका तक दलित, ओबीसी और आदिवासी समुदाय के लोग नजर नहीं आते। ये हालात हर जगह हैं। अधिकतर क्षेत्रों में 90 प्रतिशत हिंदुस्तान दिखता ही नहीं है। आदिवासी, दलित, पिछड़े वर्ग के लोग मजदूरी करते हुए या मनरेगा की लाइन में नजर आएंगे। जाति जनगणना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पता चलेगा कि देश की 90 प्रतिशत आबादी का व्यावहारिक रूप से सत्ता में कोई दखल नहीं है और उनके पास कोई संपत्ति नहीं है। सत्ता और देश की संपत्ति दोनों पर ही कुछ चुनिंदा लोगों का नियंत्रण है। जातिगत जनगणना से हिंदुस्तान के हर वर्ग को यह पता लग जाएगा कि देश में उनकी क्या भूमिका है, उनके पास कितनी शक्ति और कितना पैसा है।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सभागार में सर्वधर्म संवाद मीटिंग आयोजित

06 नवम्बर 2024 राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सभागार में सर्वधर्म संवाद मीटिंग आयोजित हुई जिसमें सभी धर्मों के बुद्धिजीवी लोग उपस्थित हुए। आयोग के चेयरमेंन इकबाल सिंह लालपुरा ने मीटिंग को संबोधित करते हुए कहा भारत धर्मनिर्पेक्ष देष है जहां विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। देष के विकास में सभी धर्मों का अतुल्य योगदान है। समाज में धार्मिक भाईचारा मजबूत करने के संबंध में आयोग के सोजन्य से सर्वधर्म संवाद मीटिंग आयोजित की जाती है ताकि सभी धर्मों के बुद्धिजीवी, धार्मिक, सामाजिक लोग एक मंच पर एक साथ बैठकर धार्मिक विचारों का आदान प्रदान करें जिस से समाज में फेल रही नफरत व बुराई समाप्त हो। डा. सलीम इंजीनियर ने कहा इस्लाम धर्म में सभी धर्मों का सम्मान करने की षिक्षा दी गई है इस्लाम में मानवता, देष प्रेम को

सर्वपरी रखा गया है। भारत की आजादी में देष के मुसलमानों ने कुबार्नी दी है जिसे आने वाली नसल इतिहास के माध्यम से जानेगी। फादर एम.डी. थोमस ने कहा सभी धर्मों में मानवता, प्रेम, षांती सदभाव की षिक्षा दी गई है मगर कुछ असमाजिक तत्व देष में धार्मिक नफरत फेलाकर देष की एकता व अखंडता को समाप्त करना चाहते हैं अगर इस तरह की सर्वधर्म संवाद मीटिंगें देष के सभी राज्यों व षहरों मे आयोजित की जाएं तो काफी हद तक समाज से धार्मिक नफरत खत्म हो जाएगी इसके लिए युवाओं को भी इस तरह के कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए। बाहय समुदाय की नीलाक्षी राजखोवा ने कहा बाहय समुदाय की बुनियाद ही षांति, प्रेम, मानवता पर है और इसी विषय में बाहय समुदाय के लोग कार्य करते हैं। आज की इस मीटिंग में बाहय समुदाय के कई बुद्धिजीवी लोग उपस्थित हुए हैं और सबका एक ही लक्ष्य है देष के विकास में सब मिलजुल कर कार्य करें। अंत में चेयरमेंन इकबाल सिंह लालपुरा ने कहा युवाओं में देष प्रेम की भावना बढ़ाने के लिए स्कूल, कॉलिज स्तर पर सर्वधर्म संवाद कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। देष के विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा किये गए कार्य सराहनीय हैं यही वजह है विष्व में भारत धर्म निरपेक्ष देष के रूप में पहचाना जाता है। मीटिंग में सम्मिलित लोग जो प्रकार हैं आयोग सदस्य डा. धन्यकुमार जनप्पा गुंडे, डा. अर्ष फाजली, डा. ख्वाजा इफ्तेखार अहमद, मधु खन्ना, डा. षेरनाज कामा डा. केसी जार्ज, सिस्टर हुसैन, लोकेष जिंदल, रब्बी ईजेकिल इत्यादी।

देश की प्रसिद्ध हस्तियों ने अभिनेत्री एवं कवयित्री कुसुम चौहान के दूसरे काव्य संग्रह "सुनो प्रियतम" का "स्पर्श हिमालय महोत्सव 2024" में भव्य लोकार्पण किया

राजू बोहरा / विशेष संवाददाता
देहरादून उत्तराखंड/ केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राज्य मंत्री श्री अजय टमटा, भारत के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', परमार्थ निकेतन के परमध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज, टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे एवं संकल्प फाउंडेशन की अध्यक्ष श्री संतोष तनेजा ने संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया। ज्ञात हो कि देहरादून के थानों गांव क्षेत्र मे लेखक गांव का नवनिर्माण हुआ है, इसी में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय साहित्य संस्कृति एवं कला महोत्सव में भारत भर की तमाम विद्वान जनों के साथ ही 25 से अधिक देशों के प्रवासी साहित्यकार भी उपस्थित उपस्थित थे। महोत्सव के अंतिम दिन अभिनेत्री एवं कवियत्री कुसुम चौहान की नव प्रकाशित काव्य

संग्रह 'सुनो प्रियतम' का विमोचन इस बड़े मंच पर किया गया। कुसुम चौहान की यह दूसरी कविता संग्रह है इससे पूर्व उनका एक काव्य संग्रह है दिल के कोने में विगत वर्ष प्रकाशित हो चुका है जो की बहुत चर्चित रहा। इसका विमोचन भारत के तत्कालीन शिक्षा मंत्री डॉ .रमेश पोखरियाल 'निशंक' द्वारा हिंदी के अनेक प्रमुख साहित्यकारों की उपस्थिति में दिल्ली में किया गया था। सुनो प्रियतम काव्य संग्रह में छोटी बड़ी कुल मिलाकर 76 कविताएं संकलित है, जो प्यार, प्रेम, प्रकृति, संस्कृति एवं पर्यावरण आदि पर आधारित है। कुसुम चौहान एक प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री एवं नाटककर्मी भी है। हिंदी की अनेक फिल्मों सहित क्षेत्रीय भाषा की दो दर्जन से अधिक फिल्मों में वह अभिनय कर चुकी है। 'सुनो प्रियतम' नव प्रकाशित यह काव्य संग्रह जल्द ही पाठको के लिए अमेजन पर उपलब्ध होगी। अभिनेत्री एवं कवयित्री कुसुम चौहान को पूरी उम्मीद है की उनका यह नया काव्य संग्रह "सुनो प्रियतम" भी उनके पिछले काव्य संग्रह "दिल के कोने में" की तरह लोगो को पसंद आएगा। देहरादून में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय साहित्य, संस्कृति एवं कला महोत्सव स्पर्श हिमालय महोत्सव-2024 में देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष गीतकार प्रशून जोशी,जैसी देश की बड़ी हस्तिया शामिल हुई।

दिल्ली सरकार चिटफण्ड और हाई रिटर्न निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर नकेल कसेगी

वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए नया नियम लेकर आई दिल्ली सरकार, सीएम आतिशी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। 06 नवंबर मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने धोखाधड़ी वाली वित्तीय योजनाओं पर रोक लगाने के लिए नए नियम बनाए हैं। ये नियम लोगों को उन फर्जी योजनाओं से बचाने के लिए हैं, जो झूठे वादे और हाई रिटर्न निवेश के नाम पर लोगों के पैसे हड़प लेती हैं। अब सरकार के पास ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई करने के अधिकार होंगे, जिसमें जांच और संपत्तियों की जब्ती भी शामिल है। इस विषय में मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, लंबे समय से लोग ऐसे झूठे वादों में फंसते रहे हैं जो उन्हें बड़ा मुनाफा देने का दावा करते हैं लेकिन अंत में उनका नुकसान होता है। इन नए नियमों के जरिए दिल्ली सरकार ऐसे धोखेबाजों पर कड़ी नजर रखेगी। बता दे कि, नए नियमों में सरकार ने स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के लिए एक सीमा तय की है ताकि उनके काम में कोई रुकावट न आए। अब किसी भी सदस्य द्वारा हर महीने 50,000 रुपये तक का योगदान और साल में 5 लाख रुपये तक का योगदान नियमों से बाहर रहेगा। इस तरह छोटे और वास्तविक समूहों की गतिविधियां चलती रहेंगी और बड़े जमा पर सरकार निगरानी रखेगी। इस सीमा से उनके काम

पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और साथ ही ये भी ध्यान रखा जाएगा कि, इनका गलत इस्तेमाल न हो। इन नियमों के साथ, अब सरकार को धोखाधड़ी के मामलों में जांच और संपत्तियों की जब्ती के लिए विशेष एजेंसियों को नियुक्त करने का अधिकार भी मिलेगा। इससे सरकार धोखाधड़ी का जल्दी पता लगा सकेगी और पीड़ितों के पैसे वापस दिला सकेगी। पहले सरकार के पास ऐसे मामलों में संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार नहीं था, जिससे कार्रवाई करना मुश्किल होता था। इससे पीड़ितों को न्याय मिलेगा और धोखाधड़ी का जड़ से सफाया होगा। सीएम आतिशी ने कहा कि, अब एजेंसियां सरकार के साथ मिलकर धोखाधड़ी करने वालो को पहचानने, जांच और सजा दिलाने में मदद करेंगी। दिल्ली सरकार का ये कदम वित्तीय लेनदेन को साफ-सुथरा रखने और नागरिकों के विश्वास को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नए नियम धोखाधड़ी वाली योजनाओं को खत्म करने और सुरक्षित वित्तीय माहौल बनाने में मदद करेंगे, खासकर उन छोटे समूहों के लिए जो ईमानदारी से काम कर रहे हैं।

दिल्ली में यमुना नदी में छठ पूजा करना है बैन, दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी हटाने से किया इनकार

दिल्ली। उच्च न्यायालय ने बुधवार को नदी में प्रदूषण के उच्च स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए श्रद्धालुओं को गीता कॉलोनी स्थित यमुना नदी तट पर छठ पूजा करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि यह आपके लिए बहुत हानिकारक होगा। तथ्य यह है कि नदी इतनी प्रदूषित है कि यदि आप इसमें डुबकी लगाते हैं, तो संभावना है कि व्यक्ति को नुकसान होगा। हम इसकी अनुमति नहीं दे सकते। नदी स्वयं अत्यधिक प्रदूषित है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली सरकार के वकील संतोष कुमार त्रिपाठी ने उच्च न्यायालय को बताया कि इस समय यमुना नदी अत्यधिक प्रदूषित है, और यदि भक्तों को नदी के किनारे छठ पूजा करने की अनुमति दी जाती है, तो उनके बीमार पड़ने की संभावना है। संतोष कुमार त्रिपाठी ने अदालत को यह भी बताया कि दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा करने के लिए 1,000 स्थान चिह्नित किए हैं और इसके लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। याचिका को खारिज करते हुए, उच्च न्यायालय ने शबनम बर्नी मामले में अपने हालिया आदेश पर गौर किया।

दिल्ली को औद्योगिक प्रदूषण से मुक्त कराने में जुटी 'आप' सरकार

नई दिल्ली। 6 नवंबर 2024 दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शहर में औद्योगिक प्रदूषण को लेकर दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक की। इस बैठक में डीपीसीसी , पर्यावरण विभाग, डीएसआईआईडीसी और एमसीडी के अधिकारी मौजूद रहे बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में औद्योगिक इकाइयों के लगातार निरीक्षण के लिए डीपीसीसी और डीएसआईआईडीसी की 58 टीमों का गठन किया गया है। औद्योगिक अपशिष्ट की डंपिंग की निगरानी के लिए पूरी दिल्ली में 3 विभागों की 191 पेट्रोलिंग टीम तैनात की गयी है। श्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली की 1901 पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों को पीएनजी में परिवर्तित कर दिया गया हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सर्दियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 25 सितम्बर को सरकार द्वारा 21 फोकस प्वाइंट पर आधारित विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की गई थी। दिल्ली में वायु प्रदूषण में और सुधार लाने के लिए विंटर एक्शन प्लान के तहत औद्योगिक प्रदूषण पर निगरानी और उसके अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य शुरू हो गया है। औद्योगिक प्रदूषण के खिलाफ अभियान के तहत पूरी दिल्ली में 3 विभागों की 191 पेट्रोलिंग टीम को औद्योगिक अपशिष्ट की डंपिंग के उचित निपटान की निगरानी के लिए तैनात करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही डीपीसीसी और डीएसआईआईडीसी की 58 टीमें औद्योगिक इकाइयों के लगातार निरीक्षण के कार्य में तैनात की गई है` यह सभी टीमें दिल्ली में सभी औद्योगिक इकाइयों पर निगरानी रखने और उनके द्वारा प्रदूषण को रोकने के लिए त्वरित कदम उठाने का कार्य करेगी` जिसकी रिपोर्ट समय समय पर पर्यावरण विभाग को प्रेषित की जाएंगी` डीपीसीसी की इस टीम को औद्योगिक इकाइयों द्वारा पर्यावरण नियमों के उल्लंघन करने पर , सख़्त कार्रवाई करने का भी आदेश जारी किया गया हैं *दिल्ली के 1901 पंजीकृत औद्योगिक इकाईयों को पीएनजी में परिवर्तित किया गया* पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि साथ ही दिल्ली की 1901 पंजीकृत औद्योगिक इकाईयों को पीएनजी में परिवर्तित कर दिया गया है और उद्योगों को केवल अनुमोदित ईंधन पर संचालित करना अनिवार्य है। यदि कोई भी औद्योगिक इकाई पर्यावरण के नियमों का उलंघन करते पाई जायेगी, उसपर सम्बंधित विभाग द्वारा उचित और सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। गोपाल राय ने डीपीसीसी और अन्य सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए की वो औद्योगिक क्षेत्रों से औद्योगिक कचरे का नियमित उठान और उचित वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित करें साथ ही औद्योगिक इकाई केवल अनुमोदित ईंधन से संचालित हो।

दिल्ली में अब तेजी से हो सकेगी बिजली की हाई-टेंशन लाइनों की शिफ्टिंग

सीएम आतिशी के निर्देश पर हाई-टेंशन लाइन शिफ्टिंग की नीतियां आसान बनेंगी

नई दिल्ली। 06 नवंबर दिल्ली में अब बिजली की हाई टेंशन लाइनें तेजी से शिफ्ट हो सकेंगी। सीएम आतिशी के निर्देश पर हाई-टेंशन लाइन शिफ्टिंग की नीतियों को आसान किया जाएगा। इस बाबत दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (डीईआरसी) नए दिशा निर्देश जारी करेगी। जिसका उद्देश्य लाइन शिफ्टिंग के लिए बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) को भुगतान में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना है।

बता दे कि, नीति के अंतर्गत, उन योजनाओं के लिए फंड आवंटन का प्रावधान है जिनमें 11‘श, 33‘श एवं 66‘श हाई टेंशन (एचटी) तथा 400 वोल्ट लो टेंशन (एलटी) लाइनें शामिल हैं, जो लोगों की सुरक्षा के लिए शिफ्ट की जानी हैं। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों, किसान, सार्वजनिक भवनों एवं अनधिकृत कॉलोनियों के लिए सरकार द्वारा शिफ्टिंग की पूरी लागत का वहन किया जाता है। वर्तमान में बिजली कंपनियाँ 100% अग्रिम भुगतान के बाद ही हाई टेंशन लाइनें शिफ्ट करती थी। जिसमें काफी समय लगता था लेकिन अब 30% अग्रिम भुगतान के साथ हाई टेंशन लाइनें शिफ्ट हो सकेंगी। इस बाबत डीईआरसी द्वारा जल्द दिशानिर्देश जारी किए जाएँगे। सरकार का यह कदम दिल्लीवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जिससे बिजली लाइनों के शिफ्टिंग की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। इससे बुराड़ी, किरारी और बवाना विधानसभा में बिजली की 9 हाई-टेंशन लाइनें जल्द शिफ्ट हो सकेंगी। साथ ही दिल्ली भर में और भी स्थान जहाँ हाई-टेंशन लाइनें शिफ्ट करने की आवश्यकता है उसमे भी तेजी आएगी।

देश में विचारधारा की लड़ाई है।

एक तरफ BJP-RSS है। दूसरी तरफ INDIA गठबंधन है।

महाराष्ट्र। एक तरफ आंबेडकर जी का संविधान है, जिसमें एकता, समानता, मोहब्बत और सम्मान है। दूसरी तरफ BJP-RSS के लोग हैं, जो संविधान को खत्म करना चाहते हैं। लेकिन ये बात वो सामने से नहीं कहते हैं, क्योंकि खुलकर बोलेंगे तो पूरा देश उनके सामने खड़ा हो जाएगा। मोदी सरकार चुनाव आयोग पर दबाव डालती है और CBI, ED, IT का इस्तेमाल कर सरकार गिराती है। पिछली महाराष्ट्र की सरकार आपकी सरकार थी, लेकिन उस

सरकार को मोदी जी ने चोरी कर हटा दिया। हिंदुस्तान की संस्थाएं हैं, ब्यूरोक्रेसी है, शिक्षा का सिस्टम है, स्वास्थ्य का सिस्टम है। लेकिन संविधान में कहीं नहीं लिखा कि एक पार्टी और एक विचारधारा को अपने लोग हिंदुस्तान की हर संस्था में डालने हैं। आज देश की यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर की लिस्ट देखेंगे तो उसमें आपको मेरिट नहीं दिखाई देगी। क्योंकि क्वालिफिकेशन सिर्फ RSS की सदस्यता है। अगर आपको वाइस चांसलर बनना है तो RSS की सदस्यता लेनी होगी। पूरा महाराष्ट्र जानता है कि धारावी की एक लाख करोड़ रुपए की जमीन आपसे छीनकर एक अरबपति को दी जा रही है। महाराष्ट्र के सारे बड़े प्रोजेक्ट्स यहां से बाहर जा रहे हैं, जिनसे लाखों युवाओं को रोजगार मिल सकता था। ये BJP की सरकार है। कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी की सरकार है। दोनों प्रदेशों में हमने जातिगत जनगणना का काम शुरू कर दिया है। तेलंगाना में हमने ऐतिहासिक कदम लिया जिसमें जातिगत जनगणना में पूछे गए सवाल जनता तय करेगी। हमने पूरे राज्य में सभाएं कर जनता से पूछा कि कौन से सवाल पूछे जाने चाहिए? इसी तरह महाराष्ट्र में जैसे ही हमारी सरकार आएगी, हम जातिगत जनगणना कराएंगे। संविधान सिर्फ किताब नहीं है। इसमें देश के महापुरुषों की सोच और हिंदुस्तान की आवाज है। नरेंद्र मोदी, BJP-RSS देश के संविधान को खत्म करने में लगे हुए हैं। लेकिन हिंदुस्तान की जनता और INDIA गठबंधन हर कीमत पर संविधान की रक्षा करता रहेगा।

लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र में 50 लाख 33 हजार के लागत से स्थाई छठ घाट का होगा निमार्णः अभय वर्मा

दिल्ली। छठ महापर्व के शुभ अवसर पर गणेश नगर कॉम्प्लेक्स के धोबी घाट के बगल में स्थाई छठ घाट के निर्माण कार्य के शिलान्यास लक्ष्मी नगर के लोकप्रिय विधायक अभय वर्मा द्वारा किया गया। इस ऐतिहासिक

अवसर पर विधायक अभय वर्मा ने बताया कि स्थाई छठ घाट के निर्माण कार्य बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई विभाग द्वारा लगभग 50 लाख 33 हजार रुपए के लागत से किया जाएगा। इस स्थान पर पूरे वर्ष जंगल और झाड़ी होते थे जिसका लाभ उठा कर असामाजिक तत्व अवैध कार्य करते थे साल में एक बार छठ पूजा के अवसर पर अभ्युदय एकता मंच साफ सफाई करके छठ महापर्व मनाते रहे है। अब स्थाई छठ घाट बन जाने से पूर्वांचल समाज को महापर्व मनाने मे काफी सहूलियत होगी। इस अवसर पर अभ्युदय एकता मंच के संरक्षक सुनील सिंह और अध्यक्ष हंसराज भारद्वाज अपने सभी पदाधिकारीयों के साथ उपस्थित रहे और लक्ष्मी नगर विधानसभा के सभी छठ घाटों से संबंधित संस्था के प्रमुख कमलेश झा, योगेश गोला, विमलेश झा, बीरबल, संजीव तिवारी, संतोष शाह, संजीव रॉय, भी उपस्थित रहे, जिन्हें विधायक अभय वर्मा जी ने माला पहनाकर उनके योगदान को लेकर अभिनंदन किया। अभ्युदय एकता मंच के अध्यक्ष हंसराज भारद्वाज ने कहा कि हम सभी पूर्वांचलवासियों के लिए यह ऐतिहासिक क्षण है पक्के घाट का निर्माण करवाने के लिए विधायक अभय वर्मा जी को हृदय से धन्यवाद करते है और लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र में पहले पक्के घाट बनाए जाने के शुरूआत होने पर समस्त पूर्वांचल समाज में खुशी और उत्साह का संचार हुआ है छठी मईया सब पर अपनी कृपा बनाए, इस अवसर पर पत्रकार श्री अवधेश सिंह जी की गरिमामई उपस्थिति के साथ पूर्वांचल समाज से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

CMYK

गजरौला में दिनदहाड़े हुई कैशियर से लूट मामले में एस पी ने दरोगा सहित चार पुलिसकर्मियों को किया सस्पेंड

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

गजरौला। बता दे कि सोमवार को नेशनल हाईवे 9 पर भारत पैट्रोलियम पंप के कैशियर और सुरक्षा गार्ड से पंप की बिक्री के रुपए 6 लाख की लूट हो गई थी, तथा दो दिन बीतने पर भी आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है मामले में एस पी द्वारा पांच टीम गठित करके जल्द ही खुलासे के लिए लगाया था लेकिन दो दिन बीतने के बाद भी अभी तक घटना का खुलासा नहीं हो पाया, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बड़ी कार्रवाई की है एसपी ने हल्का दरोगा संजय कुमार तथा डायल 112 के मुख्य आरक्षी प्रमोद कुमार और हलके के दो सिपाही प्रदीप कुमार, जितेंद्र कुमार को सस्पेंड कर दिया, वहीं एस पी की इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है, उधर दो दिन बाद भी पुलिस इस लूट कांड के आरोपियों को नहीं खोज पाई है, वही घटना के दौरान घायल हुए पंप के गार्ड को भी गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया है, बता दे कि सोमवार की दोपहर नेशनल हाईवे 9 के किनारे स्थित भारत पेट्रोलियम पंप के कैशियर जबर सिंह और पंप के सुरक्षा गार्ड सोमपाल सिंह बाइक से बैंक में पंप की बिक्री के रुपए लगभग 6 लाख जमा करने जा रहे थे, इस दौरान वह लोग नेशनल हाईवे पर जैसे ही भानपुर फाटक के पास हाईवे के अंडरपास से गुजरे तभी बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और रूपों से भरा बैग लूट लिया, वहीं विरोध करने पर गार्ड के ऊपर भी जानलेवा हमला कर दिया और बैग छीन कर फरार हो गए, घटना के बाद मौके पर भारी पुलिस पहुंच थी और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया था, उधर मामले में लापरवाही सामने आने पर बुधवार की सुबह 11 बजे एस पी कुंवर अनुपम सिंह ने हल्का दरोगा सहित चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया, उधर पुलिस की टीमें आसपास के जनपदों में भी बदमाशों की तलाश में लगी हुई है, हालांकि अभी तक पुलिस इंस लूट कांड में शामिल बदमाशों की पहचान तक नहीं कर पाई है।

भारतीय किसान संघ अमरोहा की मासिक बैठक गंगेश्वरी में हुई संपन्न, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/ गंगेश्वरी। बुधवार को भारतीय किसान संघ जनपद अमरोहा की एक मासिक बैठक विकासखंड गंगेश्वरी के पंचायत घर रहरा में संपन्न हुई, जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा हुई तथा एक ज्ञापन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नाम संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी के कार्यालय पर पहुंचकर सोपा गया, ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि विद्युत विभाग के मीटररीडरो द्वारा घरेलू बिल में गड़बड़ करके अत्यधिक बिल निकाला जा रहा है जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी अति आवश्यक है, वही जिले में किसानों को गेहूं की बुवाई के लिए जरूरी खाद नहीं मिल पा रही है अतः सहकारी समितियां द्वारा विक्रय किए गए एनपीके खाद की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, साथ ही ग्राम रहरई में मां सरस्वती विद्या मंदिर से कर्म स्थल तक जाने वाले मार्ग को पक्का किया जाए, एवं ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि प्रदेश में गन्ने का मूल्य 500रूपए प्रति कुंतल घोषित किया जाए, साथ ही निराश्रित गोवंशीय पशुओं को गौशाला में भिजवाया जाए, इस मौके पर भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा ने कहा कि यदि जल्द ही किसानों को समस्याओं से छुटकारा नहीं दिलाया गया तो भारतीय किसान संघ आंदोलन को वाद्य होगा, इस मौके पर मुख्य रूप से भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य महिपाल सिंह, जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह, शिवचरण सिंह सैनी, अखिलेश शर्मा, दिव्यांशु यादव, राजेश सैनी, राजेश कुमार शर्मा, नीरज सैनी आदि सहित दर्जनों किसान संघ के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

हसनपुर में नहीं रुक रही स्टंट बाजी, दो ट्रैक्टरों को रस्सी से बांधकर खींचा, दिखाएं स्टंट

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। क्षेत्र में स्टंट वाली रुकने का नाम नहीं ले रही है जहां एक और मोटरसाइकिल सवार युवाओं द्वारा स्टंट बाजी दिखाई जा रही थी वहीं अब ट्रैक्टर चालको द्वारा सड़क पर अपने-अपने ट्रैक्टरों की ताकत आजमाने को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुई है जिसमें दो ट्रैक्टर चालक रस्सी से दोनों ट्रैक्टरों को बांधकर विपरीत दिशा में खींचते हुए स्टंट करते हुए दिखाया दिखाई पड़ रहे हैं वीडियो हसनपुर के लोहारी गांव की बताई जा रही है जहां दोनों ही ट्रैक्टर चालकों ने यातायात के नियमों की जमकर धज्जिया, ऊड़ाई और इस बीच यातायात भी प्रभावित हुआ इस दौरान सड़कों पर भारी संख्या में लोग स्टंट बाजी का तमाशा देखने के लिए एकत्र हो गए, वही स्टंट के कारण सड़क पर गुजर रहे अन्य वाहन चालकों और सवारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि ट्रैक्टर चालक पूरी तरह से यातायात के नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है और दूसरी ट्रैक्टर चला को और स्टंट वालों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी, पुलिस क्षेत्राधिकारी ने कहा वायरल वीडियो की उनके द्वारा गहन जांच की जा रही है, यातायात के नियमों का उल्लंघन करना एवं पाबंदी होने के बाद भी स्टंट बाजी करना एक अपराध की संज्ञा में आता है अतः उचित कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ नगर निगम स्वच्छ घाट छठ प्रतियोगिता 2.0 हेतु नगर निगम की लगभग सभी तैयारियां हुई पूर्ण

जीरो वेस्ट छठ पूजा का आयोजन कर पर्व को सफल बनाने हेतु किये गए व्यापक इंतजाम

लोकतंत्र की शान
देवेंद्र शर्मा

लखनऊ। "स्वच्छ घाट छठ प्रतियोगिता 2.0" के अंतर्गत लखनऊ नगर द्वारा जीरो वेस्ट छठ पूजा का आयोजन किये जाने से संबंधित लगभग सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। उक्त के अंतर्गत लोगों के बैठने की, वस्त्र बदलने हेतु चेंजिंग रूम एवं टॉयलेट व शौंचालय इत्यादि की व्यवस्थाएं कराई गई हैं।वहीं छठ पूजा स्थलों/घाटों की सुंदरता को और अधिक बढ़ाने के लिए घाटों का सुन्दरीकरण करवाने के साथ ही वृहद रूप से लाइटिंग की व्यवस्था भी करवाई गई है। साथ ही पर्व को जीरो वेस्ट बनाने एवं घाटों को नो प्लास्टिक जोन बनाने हेतु नगर वासियो/श्रद्धालुओं से प्रतिबंधित प्लास्टिक/पॉलिथीन का इस्तेमाल न किये जाने की अपील कर उन्हें जागरूक भी किया गया है। साथ ही घाटों पर मौजूद वेंडरों को अपने स्टॉल व ठेलों पर दोने पत्तल के बजाय स्टील के बर्तनों को इस्तेमाल किये जाने के सख्त निर्देश भी दिए गए हैं।

दि किसान सहकारी चीनी मिल हसनपुर का सांसद, विधायक एवं डीएम ने किया शुभारंभ

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को क्षेत्र की दि किसान सहकारी चीनी मिल काला खेड़ा के पेराई सत्र 2024 /25 का शुभारंभ सांसद चौधरी कंवर सिंह तवर, विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी तथा जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने विधिवत रूप से पंडित पंडित श्री कृष्णा शर्मा द्वारा किए जा रहे मंत्रोउच्चारण के बीच किया, पूजा अर्चना के साथ अखंड रामचरितमानस का पाठ संपन्न हुआ, वही सर्वप्रथम गन्ना लेकर आए किसानों को जिलाधिकारी ने तिलक लगाया एवं सोल उड़कर तथा उपहार देकर सम्मानित किया, इस अवसर पर चौधरी कंवर सिंह तंवर ने कहा कि चीनी मिल किसानों के गन्ना पेराई करने के लिए पूरी तरह से तैयार है किसानों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी तथा उन्होंने कहा कि सरकार किसान हित में लगातार काम कर रही है, वहीं विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने बोलते हुए कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी, इस मौके पर मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, विधायक राजीव तरारा, नगर पालिका हसनपुर के अध्यक्ष राजपाल सैनी, हसनपुर ब्लॉक अध्यक्ष ममता गुर्जर, उपसभापति राम किशोर सिंह चौहान, मिल के जी एम राहुल यादव, उप जिलाधिकारी सुनीता सिंह, अभिनव कौशिक, रिशिपाल नागर, महेश खड़कवंशी, देवेंद्र खड़कवंशी, चौधरी दिवाकर सिंह, हसीन अहमद गफ्फारी, काले सिंह, धीरज सिंह, कृष्ण कुमार शर्मा, पूजा चौधरी, उदयवीर सिंह, मनोज शर्मा, पिंटू भाटी, लोकेश बिधूड़ी, चौधरी सैंमरपाल सिंह, सीता आर्य आदि सहित भारी संख्या में किसान एवं गढ़माननीय लोग मौजूद रहे।

जिन्हें बजरंग बली पसंद नहीं, जो पसंद है, वहीं जाएं: सीएम योगी

महाराष्ट्र में तीन रैली कर खूब गरजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

वाशिम/अमरावती/अकोला, 6 नवंबर: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को महाराष्ट्र के चुनावी दौरे पर रहे। महाअघाड़ी पर बरसते हुए उन्होंने इसे 'महाअनाड़ी' गठबंधन बताया। अमरावती की जनसभा में सीएम योगी ने दो टूक कहा कि नवनीत राणा यहां हनुमान चालीसा के लिए भी संघर्ष कर रही थीं। त्रेतायुग में जब बजरंग बली रहे होंगे, तब इस्लाम नाम की वस्तु ही नहीं रही होगी। उन्होंने कहा कि किन कारणों से रामनवमी की शोभायात्रा निकालने और हनुमान चालीसा पढ़ने से रोका जाता है। जिन्हें बजरंग बली पसंद नहीं है, उन्हें जो पसंद हैं, वे वहीं जाएं। आखिर भारत में कौन भारतीय है, जो राम व बजरंग बली को नहीं मानता है।

महाविकास अघाड़ी के लिए सत्ता भ्रष्टाचार व लूट-खसोट का जरिया

सीएम योगी ने कहा कि चुनाव में दो महागठबंधन लड़ रहे हैं। एक तरफ पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा, शिवसेना व एनसीपी का महायुति गठबंधन है तो दूसरी तरफ महाअघाड़ी के रूप में महाअनाड़ी गठबंधन है। जिसे देश, धर्म, राष्ट्रीयता, समाज-राष्ट्र में मूल्यों-आदर्शों के मयार्दाओं की चिंता न हो, वह अनाड़ी होता है। महाअनाड़ी गठबंधन यही कार्य कर रहा है। महाविकास अघाड़ी के लिए सत्ता भ्रष्टाचार, लूट-खसोट का जरिया है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए आतंकवाद-नक्सलवाद को बढ़ावा देना इनका उद्देश्य है। महायुति गठबंधन मोदी जी के नेतृत्व में कहता है- तेरा वैभव अमर रहे मां- हम दिन चार रहें न रहें, महाअघाड़ी वाले कहते हैं कि मेरा वैभव अमर रहे मां- चाहे तुम रहो न रहो।

भारत-भारतीयता के सम्मान व स्वाभिमान से खेलने वाला गठबंधन है महाविकास अघाड़ी

सीएम योगी ने कहा कि सत्ता आएगी और जाएगी, लेकिन हमारा भारत रहना चाहिए और मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनना चाहिए। महाअनाड़ी गठबंधन भारत और भारतीयता के सम्मान व स्वाभिमान के साथ खेलने वाला है। कांग्रेस और एनसीपी के लोग कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। राम का विरोध करने वालों को भी अब राम याद आने लग गए। सीएम ने कहा कि 500 वर्ष बाद रामलला ने अपनी जन्मभूमि पर दीपावली व दीपोत्सव के साथ आनंद लिया है।

आगरा में मुगल नहीं अब शिवाजी की स्मृति में म्यूजियम

सीएम योगी ने कहा कि शिवाजी महाराज का संघर्ष भारत के स्वाभिमान व सम्मान का संघर्ष था। औरंगजेब की सत्ता को चुनौती देने के लिए शिवाजी महराज आगरा गए थे। वहां म्यूजियम बन रहा था, जब मैं मुख्यमंत्री बना तो आगरा गया। वहां बताया गया कि यह मुगल म्यूजियम है और इसमें औरंगजेब से जुड़ी हुईं स्मृतियां रहेंगी। मैंने कहा कि औरंगजेब तो विदेशी आक्रांता था, उससे तुम लोगों का क्या संबंध है। इस म्यूजियम का नाम बदलो, इसका नाम छत्रपति शिवाजी की स्मृति में होगा।

महाकुंभ में हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी

प्रयागराज, 06 नवंबर : महाकुंभ 2025 के वृहद आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में परिंदा भी पर न मार सके, इसके लिहाज से स्वास्थ्य कर्मियों के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कई टीमें मिलकर काम कर रही हैं। महाकुंभ से पहले केमिकल, बायलॉजिकल, रेडिएशनल और न्यूक्लियर प्रॉब्लम से निपटने के लिए भी टीम को तैयार कर लिए जाने की योजना है। इसके लिए बाकायदा कर्मचारियों को हर आपदा से निपटने की विधिवत ट्रेनिंग दी जाएगी। यही नहीं योगी सरकार के निर्देश पर श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट के लिए भी प्रयागराज के अस्पतालों को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अपग्रेड करने में लगे हैं।

श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट की भी व्यवस्था

संयुक्त निदेशक (चिकित्सा स्वास्थ्य) प्रयागराज वीके मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ के दौरान स्वास्थ्य विभाग सभी इंतजाम पुख्ता करने में जुटा है। इसके तहत कर्मचारियों को महाकुंभ में हर आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग दी जाएगी। महाकुंभ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट के लिए टीबी सप्रू और स्वरूपरानी अस्पताल को तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम के साथ स्वास्थ्य कर्मियों के मिलकर काम करने की योजना बनाई गई है। सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन के दौरान हर एक श्रद्धालु को केमिकल, बायलॉजिकल, रेडिएशनल और न्यूक्लियर संबंधी हर प्रॉब्लम से सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

अनुभवी चिकित्सकों की ही तैनाती

महाकुंभ के दौरान देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की देखरेख के लिए 291 एमबीबीएस व स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती रहेगी। इसके अलावा 90 आयुर्वेदिक और यूनानी विशेषज्ञ भी इस अभियान में सहयोग के लिए मौजूद रहेंगे। साथ ही 182 स्टॉफ नर्स इन चिकित्सकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जरूरतमंदों के स्वास्थ्य की देखभाल करेंगी। इस प्रक्रिया में ज्यादातर अनुभवी चिकित्सकों को ही महाकुंभ के दौरान तैनाती दी जा रही है।

योगी सरकार कर रही महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित

लखनऊ, 6 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 9 नवंबर 2024 को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होने वाले "आकांक्षा हाट 2024" का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल है, जिसका उद्देश्य महिला उद्यमियों और स्व-सहायता समूहों (SHGs) को अपने उत्पादों और कौशलों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। आकांक्षा समिति, उत्तर प्रदेश के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की पत्नी संघ (कअरडहअ) का एक विकासशील अंग है, जो राज्य की महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। राज्य के सभी 75 जिलों में कार्यरत इस समिति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्व-रोजगार और स्व-सहायता समूहों को आर्थिक अवसर प्रदान करना है। आकांक्षा हाट 2024 के माध्यम से यह समिति महिलाओं को अपने उत्पादों, कौशल, और शिल्प को प्रदर्शित करने का अवसर देगी, जिससे वे अपने परिवार और समाज को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकेंगी।

आकांक्षा हाट 2024 के आयोजन से स्थानीय उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

आकांक्षा हाट 2024 का आयोजन स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने और महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस आयोजन में हर जिले को एक समर्पित स्टॉल प्रदान किया जाएगा, जहां विभिन्न जिलों की महिला उद्यमी अपने क्षेत्रीय उत्पादों और शिल्प का प्रदर्शन करेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार का यह प्रयास है कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अधिक से अधिक आर्थिक अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र बन सकें और समाज में अपनी एक मजबूत पहचान बना सकें।

जम्मू-कश्मीर के साथ सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान

आकांक्षा हाट 2024 में "ट्विन स्टेट इनिशिएटिव" के तहत जम्मू और कश्मीर से महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों को भी आमंत्रित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य दोनों राज्यों की महिला उद्यमियों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। इससे उत्तर प्रदेश की महिला उद्यमियों को न केवल नए कौशल और विचारों को सीखने का अवसर मिलेगा, बल्कि उन्हें अपने व्यवसाय को व्यापक स्तर पर विस्तार देने में भी सहायता मिलेगी।

योगी सरकार कर रही महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित

लखनऊ, 6 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 9 नवंबर 2024 को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होने वाले "आकांक्षा हाट 2024" का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल है, जिसका उद्देश्य महिला उद्यमियों और स्व-सहायता समूहों (SHGs) को अपने उत्पादों और कौशलों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। आकांक्षा समिति, उत्तर प्रदेश के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की पत्नी संघ (IASOWA) का एक विकासशील अंग है, जो राज्य की महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। राज्य के सभी 75 जिलों में कार्यरत इस समिति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्व-रोजगार और स्व-सहायता समूहों को आर्थिक अवसर प्रदान करना है। आकांक्षा हाट 2024 के माध्यम से यह समिति महिलाओं को अपने उत्पादों, कौशल, और शिल्प को प्रदर्शित करने का अवसर देगी, जिससे वे अपने परिवार और समाज को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकेंगी।

आकांक्षा हाट 2024 के आयोजन से स्थानीय उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

आकांक्षा हाट 2024 का आयोजन स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने और महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस आयोजन में हर जिले को एक समर्पित स्टॉल प्रदान किया जाएगा, जहां विभिन्न जिलों की महिला उद्यमी अपने क्षेत्रीय उत्पादों और शिल्प का प्रदर्शन करेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार का यह प्रयास है कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अधिक से अधिक आर्थिक अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र बन सकें और समाज में अपनी एक मजबूत पहचान बना सकें।

जम्मू-कश्मीर के साथ सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान

आकांक्षा हाट 2024 में "ट्विन स्टेट इनिशिएटिव" के तहत जम्मू और कश्मीर से महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों को भी आमंत्रित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य दोनों राज्यों की महिला उद्यमियों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। इससे उत्तर प्रदेश की महिला उद्यमियों को न केवल नए कौशल और विचारों को सीखने का अवसर मिलेगा, बल्कि उन्हें अपने व्यवसाय को व्यापक स्तर पर विस्तार देने में भी सहायता मिलेगी।

केजीबीवी की बालिकाओं में आत्मविश्वास का संचार कर रही योगी सरकार

लखनऊ, 06 नवंबर। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार शैक्षणिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। इस क्रम में, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) एक बड़ा माध्यम साबित हो रहा है जिसके जरिए प्रदेश की हजारों बेटियां शिक्षा, खेल और प्रशासनिक क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। इन प्रयासों के बल पर बेटियां न केवल पढ़ाई में बल्कि खेलकूद व प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। इससे उनमें गुणों का संचार और आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है तथा वह समाज में एक नई भूमिका निभाने के लिए तैयार हो रही हैं।

प्रगति की सीढ़ियां चढ़ रहीं केजीबीवी की बेटियां

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। इसी के परिणामस्वरूप केजीबीवी में पढ़ाई कर रही बालिकाएं अब प्रगति की सीढ़ियां चढ़ रही हैं और न केवल खेलकूद, क्विज बल्कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अपनी योग्यता साबित कर प्रशासनिक पदों पर भी चयनित हो रही हैं।

अमरोहा की बेटी बनी एसडीएम

राज्य स्तर पर भी चमक रही हैं बालिकाएं योगी सरकार के प्रयास का ही प्रतिफल है कि अमरोहा की निधि ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 39वीं रैंक हासिल कर एसडीएम के रूप में चयनित हुई हैं और अपनी कार्यशैली से प्रदेश का मान बढ़ा रही हैं। उन्नाव की केजीबीवी में पढ़ाई करने वाली अर्चना देवी ने अंडर-19 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। महोबा की केजीबीवी की छात्रा निदा खातून ने भी नीट परीक्षा पास कर एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की और अब चिकित्सा क्षेत्र में लगातार आगे की ओर अपना कदम बढ़ा रही हैं।

कोई फुटबॉल तो कोई गतका मार्शल आर्ट में लिख रही इतिहास

वर्ष 2024-25 की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में केजीबीवी की बालिकाओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। अंडर-14 फुटबॉल में उपविजेता का खिताब जीता। वहीं, राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग में चार-चार बालिकाओं का चयन हुआ है। इसके अलावा, गतका मार्शल आर्ट में बालिकाओं ने 2 रजत और 2 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं। इसी तरह जूडो और कुश्ती में भी एक-एक रजत और कांस्य पदक जीते गए। थांगता मार्शल आर्ट में 2 स्वर्ण पदक जीतकर बालिकाओं ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई है।

आत्मनिर्भरता और नेतृत्व की नई इबारत लिख रहीं हैं बेटियां

केजीबीवी की बालिकाओं को गाइड का प्रशिक्षण देकर उनमें आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा रहा है। उच्चीकृत केजीबीवी विद्यालयों में एनसीसी यूनिट स्थापित करने के लिए एनसीसी निदेशालय से भी अनुरोध किया गया है, ताकि बालिकाएं सेना और अन्य रक्षा सेवाओं में करियर बना सकें।

कुमारी निधि, एसडीएम

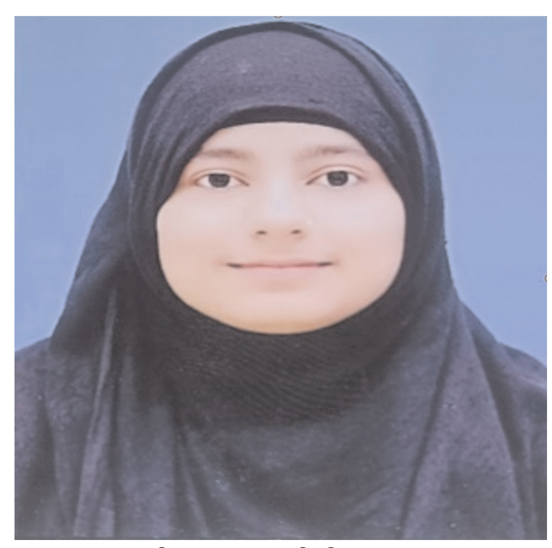

निदा खातून, चिकित्सक

खेलकूद और शारीरिक विकास में उत्कृष्टता के लिए हो रहे प्रयास

शारीरिक और मानसिक विकास के लिए केजीबीवी की बालिकाओं को खेलकूद में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। केजीबीवी को राज्य स्तरीय खेल यूनिट के रूप में मान्यता दी है। यहां बालिकाएं फुटबॉल, जूडो, कुश्ती, गतका जैसे खेलों में भाग लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं।

इस उद्देश्य से शुरू हुआ केजीबीवी0

वर्ष 2004-05 में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की स्थापना गरीब परिवारों की बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा और आवासीय सुविधा प्रदान करने के लिए की गई थी। इसका उद्देश्य वंचित वर्गों की बालिकाओं को शिक्षा का अधिकार देना था।

योगी सरकार ने दी नई गति

योगी सरकार के गठन के साथ 2017 में इस योजना को और अधिक गति मिली। अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक समुदाय और अन्य पिछड़े वर्गों की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रयास तेज किए गए। गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों की उन बालिकाओं को भी शिक्षा की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया गया, जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया या कभी स्कूल नहीं गईं।

सभी केजीबीवी को कक्षा 12 तक उच्चीकृत करने का है लक्ष्य

योगी सरकार के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह का कहना है कि केजीबीवी में पढ़ाई करने वाली गरीब परिवारों की बेटियों के उन्नयन के लिए सरकार कृत-संकल्पित है। अब सरकार ने 2025-26 तक सभी केजीबीवी को कक्षा 12 तक उच्चीकृत करने का लक्ष्य रखा है। अब तक 680 विद्यालयों का उच्चीकरण हो चुका है, जहां कक्षा 6 से 12 तक की बालिकाओं के लिए निःशुल्क शिक्षा और आवासीय सुविधा प्रदान की जा रही है। वर्तमान में यूपी में 746 केजीबीवी हैं, जिनमें कुल 81,280 बालिकाएं नामांकित हैं, जो अपने करियर को आगे बढ़ाने में सक्षम हो रही हैं।

हरियाणा

हरियाणा के खिलाड़ियों को मिल सकती है खुशखबरी : प्रदेश सरकार ग्रुप सी के सभी विभागीय पदों में खिलाड़ियों को तीन फीसदी आरक्षण कर सकती है बहाल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने खेल विभाग, एचएसएससी के साथ बैठक में की चर्चा

हरियाणा: उद्योगों को शुरू करने से लेकर अनुमति लेने तक की प्रक्रिया को बनाया जाए सरल: राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने एचएसआईडीसी, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागों की कार्यप्रणाली पर समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्योगों को शुरू करने से लेकर सभी प्रकार की अनुमति लेने तक की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए ताकि प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा उद्योग लगे जिससे रोजगार को भी बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि देश में उद्योग स्थापित करने के लिए हरियाणा से बेहतर कोई राज्य नहीं है। उन्होंने औद्योगिक रूप से पिछड़े ब्लॉक-सी और डी में नए औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने पर जोर दिया। मंत्री ने कहा कि औद्योगिक टाउनशिप और एचएसआईडीसी की औद्योगिक संपदा में निवेशकों की बजाय निर्माता उद्यमी आए। जल्द उत्पादन शुरू हो इस पर काम करना चाहिए, क्योंकि कई बार निवेशक निवेश करके औद्योगिक प्लॉट को खाली छोड़ देता है और समय पर विकास नहीं हो पता। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी विकास कार्य चल रहे हों, वहां संबंधित अधिकारी समय-समय पर दौरा कर गुणवत्ता की जांच जरूर करें। इसके अलावा जहां भी औद्योगिक टाउनशिप स्थापित है, वहां भी दौरा कर समस्याओं का जल्द समाधान करें। एचएसआईडीसी अपने इंजीनियरिंग विंग को और मजबूत करें। स्वयं की लैब बनाकर अपने स्तर पर गुणवत्ता की जांच करें।

सात विभागों तक आरक्षण सीमित करने का खिलाड़ी कर रहे हैं विरोध

राजेश खुल्लर, मुख्य प्रधान सचिव

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा के खिलाड़ियों को खुशखबरी मिल सकती है। प्रदेश सरकार ग्रुप सी के सभी विभागीय पदों में तीन फीसदी आरक्षण बहाल कर सकती है। अभी तक सात विभागों में ही खिलाड़ियों की ग्रुप सी पदों पर भर्ती किए जाने का प्रावधान है। जिसका खिलाड़ी पहले दिन से ही विरोध कर रहे हैं। प्रदेश सरकार ने पहले तो ग्रुप ए, बी, सी पदों में खेल कोटे का आरक्षण समाप्त कर दिया था। बाद में जब इसे बहाल किया तो सभी ग्रुप सी के एक साल में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की तरफ से चयनित पदों का तीन फीसदी पदों की संख्या के बराबर कोटा तो बहाल कर दिया मगर उसे पहले तो चार विभागों तक सीमित किया और बाद में उसे बढ़ाकर सात विभागों तक सीमित किया। जब इसे चार विभागों गृह, सेकंडरी शिक्षा, प्राइमरी शिक्षा और खेल तक सीमित कर दिया था। तब खेल, खिलाड़ी बचाओ संघर्ष समिति हरियाणा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल को मांग पत्र सौंपा था। मुख्यमंत्री के नाम लिखे पत्र में कहा गया था, 'मुख्यमंत्री महोदय, आपसे अनुरोध है कि भाजपा सरकार ने जो ग्रुप सी की भर्तियों में तीन फीसदी स्पोर्ट्स कोटा बहाल किया था, उसके बारे में मुख्य सचिव की तरफ से भेजे पत्र में कहा गया था कि ग्रुप सी पदों के लिए सीईटी के अंदर जो भर्ती होगी, उसमें स्पोर्ट्स कोटे की ग्रुप सी में कोई भी पद नहीं आएगा और तीन फीसदी स्पोर्ट्स कोटे को अप्रत्यक्ष तरीके से खत्म करने के लिए इसे सिर्फ पुलिस, बिजली, जेल, खेल, सेकेंडरी शिक्षा, प्राइमरी शिक्षा और वन विभाग तक सीमित कर दिया है। इन विभागों में पैरा खिलाड़ी गृह विभाग (पुलिस) में नहीं जा सकते। इसी तरह स्कूल शिक्षा विभाग में एचटेट और बीएड पास नहीं कर सकते। खेल विभाग में एनआईएस कोर्स नहीं कर पाते। इसलिए इन विभागों में खिलाड़ियों के लिए नौकरी न के बराबर है। खेल नीति 2018 के अनुसार सभी ग्रुप सी पदों में तीन फीसदी पद आपकी सरकार ने जो तय किए थे, वह सभी खिलाड़ियों के लिए वरदान था। आपसे निवेदन है कि आपका इसका संज्ञान लेकर जल्द से जल्द लिखित में जारी करवाएं ताकि हरियाणा के युवा पथभ्रष्ट होने से बचें।' खिलाड़ियों ने दैनिक सवेरा को बताया कि ग्रुप सी पदों में कैटेगरी अनुसार खिलाड़ियों को आरक्षण मिलता था। इससे अलग-अलग पदों पर चयन हो जाता था। मगर अब सात विभागों तक सीमित करने से न तो सभी के पास एचटेट पास प्रमाण पत्र होगा, न बीएड प्रमाण पत्र होगा, जिससे वे टीचर नहीं बन पाएंगे। पैरा खिलाड़ी पुलिस में भर्ती नहीं हो सकेंगे। ग्रुप सी के अन्य पदों की सामान्य योग्यता होती है, वे इन खिलाड़ियों के पास भी होती हैं इसलिए उन पदों पर चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकते थे। मगर सात विभागों तक सीमित करने से उन्हें नौकरी नहीं मिलेगी।

30 अप्रैल, 2019 को ग्रुप ए, बी, सी में 3 फीसदी, ग्रुप डी में 10 फीसदी कोटा दिया, 14 मार्च, 2022 को ग्रुप ए, बी, सी में कोटा समाप्त किया, ग्रुप डी में 10 फीसदी जारी रखा, ग्रुप सी में कोटा बहाल किया गया

हरियाणा सरकार ने 30 अप्रैल, 2019 को निर्देश जारी किए ग्रुप ए, बी, सी कैटेगरी के पदों पर सीधी भर्ती में खिलाड़ियों को तीन फीसदी आरक्षण रोस्टर अनुसार दिया जाएगा जबकि ग्रुप डी पदों में 10 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। सरकार ने तीन साल बाद 14 मार्च, 2022 फिर निर्देश जारी कर दिए कि ग्रुप ए, बी, सी कैटेगरी के पदों पर सीधी भर्ती में खिलाड़ियों का तीन फीसदी आरक्षण समाप्त किया जाता है जबकि ग्रुप डी पदों पर 10 फीसदी आरक्षण पहले की तरह जारी रहेगा। प्रदेश सरकार ने फिर 24 नवंबर, 2022 को निर्देश जारी किए कि ग्रुप सी पदों में खिलाड़ियों के लिए तीन फीसदी पद होंगे मगर ये पद सिर्फ चार विभागों गृह, सेकंडरी शिक्षा, प्राइमरी शिक्षा और खेल विभाग में ही भरे जाएंगे। फिर 22 अप्रैल, 2023 को निर्देश जारी किए ग्रुप सी पदों पर खिलाड़ियों की भर्ती तीन अन्य विभागों जेल, वन और ऊर्जा विभाग में भी की जाएगी। मगर पदों की संख्या हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की तरफ से एक साल में ग्रुप सी के चयनित पदों का तीन फीसदी होगी।' हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने 09 मार्च, 2024 को सात विभागों के लिए 447 पदों का विज्ञापन जारी किया था, जिसमें विज्ञापन संख्या 03/2024 के तहत आवेदन की तिथि बढ़ाकर 09 मई, 2024 कर दी गई थी। मगर 04 मई, 2024 को शिक्षा विभाग ने 76 टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन) पद वापस ले लिए थे। बाद में आयोग ने विज्ञापन संख्या 12/2024 और 13/2024 विज्ञापित कर दिए। अब खिलाड़ियों ने 24 अक्तूबर, 2024 को खेल राज्य मंत्री से अनुरोध किया कि सभी सातों विभागों में ग्रुप सी के स्वीकृत दों पर खेल कोटे का तीन फीसदी आरक्षण दिया जाए।

सभी विभागों में पहले की तरह आरक्षण देंगे तो खिलाड़ियों को योग्यता अनुसार नौकरी मिल सकती है

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने बुधवार को खिलाड़ियों की मांग पर बैठक की। इस बैठक में मानव संसाधन विभाग के प्रधान सचिव विजेंद्र कुमार, खेल विभाग के प्रधान सचिव विजेंद्र कुमार, खेल विभाग के निदेशक यशेंद्र सिंह, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह और सचिव विनय कुमार भी उपस्थित थे। बैठक में चर्चा हुई कि किस तरह ग्रुप सी के सभी विभागों के सभी पदों में खिलाड़ियों का आरक्षण समाप्त किया गया था। बाद में कैसे ग्रुप सी पदों पर बहाल हुआ मगर सात विभागों तक सीमित हुआ। यह भी जानकारी ली गई कि अभी तक इस पॉलिसी के तहत कितने पदों को भरा जा चुका है। इस बिंदू पर भी विचार विमर्श हुआ कि सभी विभागों के ग्रुप सी के सभी पदों पर खेल आरक्षण बहाल किया जाए। अंतिम फैसला तो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लेना है।

जिन विभागों में उम्र 42 साल से कम है, उनके लिए खिलाड़ियों को उम्र में छूट मिल सकती है

खिलाड़ियों ने मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर से आग्रह किया था कि जिन विभागों में आवेदन की उम्र 42 साल से कम है, उनमें खिलाड़ियों को तीन साल की छूट दी जाए। इस पर भी विचार विमर्श हुआ है और संभावना है कि यह छूट मिल जाए।

हरियाणा में किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा गया : नायब सिंह सैनी

गांव बीड़ मथाना में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित करते ग्रामीण।

गांव दबखेड़ा में बुजुर्गों से आशीर्वाद लेते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

लाडवा, नवम्बर : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधानसभा चुनावों के दौरान भी हरियाणा प्रदेश में किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा गया और किसी भी मंडी में कोई दिक्कत नहीं आने दी, जबकि पंजाब में कोई चुनाव नहीं थे फिर भी पंजाब सरकार ने किसानों की फसल नहीं खरीदी और ना ही फसलों का निर्धारित मूल्य देने का काम किया। भाजपा सरकार ने चुनावों से पहले ही किसानों की फसल खरीदने के लिए व्यवस्था तय कर ली थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने गरीब व्यक्ति का निवाला छीनने का काम किया, जबकि भाजपा सरकार ने गरीबों को उनका हक घर जाकर देने का काम किया। इस हरियाणा प्रदेश में गरीबों ने ही तीसरी बार सरकार बनाने का काम किया है। इसलिए इस सरकार में गरीब नागरिकों को रत्ती भर भी दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। इस सरकार ने मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत 14 शहरों में 15 हजार 430 लोगों को 30-30 गज के प्लाट देने के लिए ऑफर लेटर दिए है और बड़े गांवों में 10 हजार लोगों को 50-50 गज के प्लाट देने की योजना को अमलीजामा पहनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण वर्ष 2029 में भी भाजपा सरकार बनाएंगी और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा। इस सरकार ने 1 लाख 80 हजार रुपए से कम आय वाले परिवारों को 500 रुपए में सिलेंडर देने के वायदे को भी पूरा किया है।

जब मुख्यमंत्री ने सड़क पर काफिल रूकवा कर सुनी आम नागरिक के मन की बात

जब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सड़क पर काफिले को रूकवा कर आम नागरिक की मन की बात को सुना और नागरिकों को ना केवल हाथ जोड़कर आभार व्यक्त किया अपितु लोगों को गले भी लगाया। इस हलका में मुख्यमंत्री नायब सिंह के इस सहज स्वभाव से लोगों को मिलना चर्चा का विषय बना रहा और लोगों ने मुख्यमंत्री से मिलकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लाडवा हल्का में पहली बार चुनाव जीतने पर लोगों का धन्यवाद करने के लिए 9 गांवों में पहुंचे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पहले ही धन्यवादी दौरे ने आम नागरिकों का दिल जीतने का काम किया। हुआ यूं कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बीड मथाना के कार्यक्रम से गांव दबखेडा में लोगों से मिलने के लिए जा रहे थे। इसी बीच गांव मथाना के बस स्टैंड पर आम नागरिक एक समूह में खडे हुए थे और मुख्यमंत्री के काफिले की तरफ निहार रहे थे। इन नागरिकों के चेहरे की खुशी को देखकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एकाएक अपने काफिले को रूकने के आदेश दिए और मुख्यमंत्री ने गाड़ी से उतरकर लोगों को सबसे पहले हाथ जोडकर आभार व्यक्त किया और इतना ही नहीं लोगों से गले भी मिले। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर लोग अपने आप को गदगद महसूस कर रहे थे। यहां पर करीब 2 से 3 मिनट मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से बातचीत की और लोगों के साथ अपने मन की बात को साझा किया। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष सुशील राणा, प्रदेश सचिव राहुल राणा, हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर भी मौजूद रहे।

पंजाब हेल्थ सेक्रेटरी ने क्लियरमेडी बहरा अस्पताल का शुभारंभ किया

चंडीगढ़: सुखविंदर सोही

पंजाब। हेल्थ सेक्रेटरी कुमार राहुल ने आज क्लियरमेडी बाहरा मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ,खरड़ का शुभारंभ किया। कुमार राहुल ने कहा, "अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से लेकर रोगी-केंद्रित देखभाल पर ध्यान केंद्रित करने तक, इस अस्पताल के हर पहलू को हमारे समुदाय की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। अस्पताल ऑन्कोलॉजी, इंटरनल मेडिसन, नेफ्रोलॉजी, क्रिटिकल केयर, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, पल्मोनोलॉजी, ईएनटी, बाल रोग और नियोनेटोलॉजी, गाइनकालजी , हड्डी रोग और जॉइन्ट रिप्लेसमेंट और 24*7 आपातकालीन और ट्रॉमा देखभाल में नैदानिक विशेषज्ञता प्रदान करेगा। क्लियरमेडी हेल्थकेयर के सीईओ कमोडोर नवनीत बाली ने कहा, "हमारा मिशन नवीनतम तकनीक और चिकित्सा पेशेवरों की एक असाधारण टीम से लैस सभी को व्यापक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना है। हम स्वास्थ्य सेवा के मानक को ऊंचा करने और उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल को सुलभ और सस्ती बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह अस्पताल सिर्फ एक सुविधा नहीं है, बल्कि पूरे समुदाय के लिए स्वास्थ्य, आशा और उपचार का प्रतीक है। अस्पताल के क्लस्टर हेड और फैसिलिटी डायरेक्टर विवान सिंह गिल ने कहा, "हम मोहाली में इस अत्याधुनिक अस्पताल को खोलने के लिए रोमांचित हैं जो समुदाय को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है।

करनाल मिल्क फूड प्रा.लि.के सी.एम.डी विपिन गुप्ता, डायरेक्टर समर्थ गुप्ता ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को मिलकर दीपावली की दी शुभकामनाएं

बोले: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मिलनसार, सकारात्मक सोच और अच्छे व्यक्तित्व के धनी: विपिन गुप्ता

करनाल: सुखविंदर सोही

करनाल। मिल्क फूड प्रा.लि.के सी.एम.डी विपिन गुप्ता ने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार ने जनता के आशीर्वाद से कमल खिलाया है,जो की सभी के लिए बड़े ही हर्ष और गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी वर्गों की हितेषी सरकार है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मिलनसार, सकारात्मक सोच और अच्छे व्यक्तित्व के धनी है। डायरेक्टर समर्थ गुप्ता ने कहा भाजपा सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है,गरीब, व्यापारी, किसान, मजदूर सभी तक भाजपा की नीतियां जन-जन तक पहुंच रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया।

प्रदेश सरकार जमीन से...

कार्यक्रम में प्रदेश की महिलाओं को यह सौगात दी जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को लाडवा हल्के के गांव उमरी, बीड़ मथाना, दबखेडा, बड़ाचपुर व छलौंदी में धन्यवादी दौरे को लेकर आयोजित कार्यक्रमों में पहुंचे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ग्राम पंचायत उमरी, बीड़ मथाना, दबखेडा, बड़ाचपुर और छलौंदी की सभी मांगों को पूरा करते हुए 21-21 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा की है। वहीं सीएम सैनी ने गांव दबखेड़ा में बड़े सामुदायिक केन्द्र की सौगात देने के साथ-साथ बीसी चौपाल के नवीनीकरण की भी मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों को प्रदेश में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लाडवा विधानसभा के साथ-साथ प्रदेश में तेज गति के साथ विकास कार्य किए जाएंगे और प्रदेश में सभी सडकों के नवीनीकरण और रिपेयर करने के आदेश अधिकारियों को जारी कर दिए गए है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी विकास कार्यो को पूरा करने के लिए समय निर्धारित करे अगर निर्धारित समय अवधि के अंदर विकास कार्य पूरे नहीं होंगे तो सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

इससे पहले अधिकारी विकास कार्यो का एस्टीमेट बनाने तक ही सीमित रह जाते थे। अब अधिकारी विकास कार्यो को पूरा करने के लिए पहले से ही पूरी योजना बनाएंगे। इस कार्य प्रणाली से प्रदेश में तेज गति के साथ विकास कार्य पूरे किए जाएंगे। इस प्रदेश में अब दिन रात डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छोटी और बड़ी परियोजनाओं को पूरा करने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले सरकारी नौकरियां बिकती थी, लेकिन भाजपा सरकार ने युवाओं को बिना खर्ची बिना पर्ची सरकारी नौकरियां देने का काम किया। इस सरकार ने अपनी चुनावी वायदे को पूरा करते हुए शपथ लेने से पहले एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए एक कलम से 25 हजार युवाओं को घर बैठे बिना सिफारिश के सरकारी नौकरियां देने का काम किया।

इस मौके पर उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला, जिलाध्यक्ष सुशील राणा, राहुल राणा, धर्मवीर मिजार्पुर, डीपी चौधरी, प्रवीण चौधरी, नवाब सिंह संधू, नायब पटाकमाजरा, गुरनाम सिंह सैनी, मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, मेघराज सैनी, शेर सिंह, सरपंच मीना देवी, सरपंच प्रतिनिधि बसंत लाल, हरमेश सैनी, गुरनाम मंगौली, डा. गणेश दत्त, परमजीत कौर कश्यप, सरपंच जसविन्द्र कौर, स्वर्ण सिंह, नरेन्द्र सिंह, सरपंच सतीश कुमार, अरुण सैनी, जसविन्द्र कश्यप आदि मौजूद थे।

रातों-रात बुलडोजर...

करने के लिए समय नहीं देते। घर में रखे घरेलू सामान का क्या?' शीर्ष कोर्ट की पीठ ने यूपी के के मुख्य सचिव से कहा कि महाराजगंज जिले में मकान गिराने से संबंधित मामले में जांच कराई जाए और उचित कार्रवाई की जाए।

पीठ ने उन कदमों के बारे में भी विस्तार से बात की जो किसी राज्य को सड़क चौड़ी करने की परियोजना के संदर्भ में कार्रवाई से पहले उठाने चाहिए। तदनुसार, शीर्ष कोर्ट ने राज्यों से कहा कि वे अभिलेखों या मानचित्रों के आधार पर सड़क की मौजूदा चौड़ाई का पता लगाएं तथा सर्वेक्षण करें, जिससे सड़क पर यदि कोई अतिक्रमण है तो उसका पता चल सके। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि यदि सड़क पर अतिक्रमण का पता चलता है तो राज्य को इसे हटाने से पहले अतिक्रमण करने वाले को नोटिस जारी करना होगा और यदि नोटिस की सत्यता और वैधता पर आपत्ति जताई जाती है तो राज्य प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए 'स्पीकिंग ऑर्डर' (कारण सहित आदेश) जारी करेगा।

पीठ ने कहा कि यदि आपत्ति को खारिज कर दिया जाता है तो संबंधित व्यक्ति को अतिक्रमण हटाने के लिए एक तर्कसंगत नोटिस दिया जाएगा। इस मामले में याचिकाकर्त्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ भटनागर और अधिवक्ता शुभम कुलश्रेष्ठ पक्ष रख रहे थे। सुनवाई के दौरान पीठ को संबंधित क्षेत्र में 123 ढांचों को गिराए जाने के बारे में सूचित किया गया।

एलएमवी लाइसैंस धारक...

गया है। पीठ की ओर से फैसले के अंश पढ़ते हुए न्यायमूर्ति रॉय ने कहा कि लाइसैंसिंग व्यवस्था हमेशा एक जैसी नहीं रह सकती, क्योंकि उसे (पीठ को) उम्मीद है कि मौजूदा खामियों को दूर करने के लिए कानून में उपयुक्त संशोधन किए जाएंगे। शीर्ष कोर्ट ने सड़क सुरक्षा को वैश्विक स्तर पर एक गंभीर सार्वजनिक मुद्दा बताते हुए कहा कि भारत में सड़क दुर्घटनाओं की वजह से 1.7 लाख लोग मारे गए हैं।

पीठ ने अपने फैसले में सीट बैल्ट नियमों का पालन न करने, मोबाइल का उपयोग करने, नशे में होने आदि जैसे कारणों का जिक्र करते हुए यह भी बताया कि वाहन चलाने के लिए विशेष कौशल की आवश्यकता होती है, लेकिन 'यह कहना कि यह (दुर्घटना) हल्के मोटर वाहन चालकों के कारण हुआ, निराधार है।' पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि सड़क सुरक्षा को कानून के सामाजिक उद्देश्य के साथ संतुलित किया जाना चाहिए और वह संविधान पीठ में सामाजिक नीति के मुद्दों पर फैसला नहीं कर सकती है। इस परिप्रेक्ष्य में अदालत ने केंद्र से पूछा कि क्या इस कानूनी सवाल पर कानून में बदलाव की आवश्यकता है कि क्या हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) ड्राइविंग लाइसैंस रखने वाला व्यक्ति किसी विशेष वजन के परिवहन वाहन को चलाने का हकदार है।

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना...

शुल्क और अन्य खर्चों की पूरी राशि को कवर करने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों से बिना किसी जमानत या गारंटर के ऋण प्राप्त करने के लिए पात्र होगा। यह योजना राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ) रैंकिंग द्वारा निर्धारित सरकारी और निजी सभी शीर्ष क्यूएचईआई पर लागू होगी जो समग्र, श्रेणी-विशिष्ट और विषय-विशिष्ट रैंकिंग में एनआईआरएफ में शीर्ष 100 में स्थान रखते हैं। इसमें एनआईआरएफ में 101-200 रैंक पर आने वाले राज्य सरकार के उच्च शिक्षा संस्थान और केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी संस्थान भी शामिल हैं। यह सूची हर साल नवीनतम एनआईआरएफ रैंकिंग का इस्तेमाल करके अद्यतन की जाएगी और शुरुआत में 860 योग्य क्यूएचईआई के साथ 22 लाख से अधिक छात्रों को शामिल किया जाएगा, ताकि वे चाहें तो पीएम-विद्यालक्ष्मी का लाभ उठा सकें।

एफसीआई में होगा...

आमद ज्यादा हुई है और एफसीआई का कामकाज बढ़ गया है। इसको देखते हुए सरकार ने एफसीआई को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने का फैसला किया है। यह निवेश एफसीआई में वित्तीय वर्ष 2024-25 में होगा।

CBSE ने 'डमी' विद्यालयों...

सचिव हिमांशु गुप्ता ने कहा, 'डमी या बिना-उपस्थित प्रवेश की प्रथा स्कूली शिक्षा के मूल उद्देश्य के विपरीत है तथा इससे छात्रों के आधारभूत विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस मुद्दे के समाधान के लिए हम डमी विद्यालयों के प्रसार को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठा रहे हैं तथा सभी संबद्ध संस्थानों को स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि वे डमी या बिना-उपस्थित प्रवेश स्वीकार करने के प्रलोभन का विरोध करें।' उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के संबंध में औचक निरीक्षण समितियों की महत्वपूर्ण टिप्पणियां संबंधित विद्यालयों को प्रेषित की गई। अधिकारियों ने बताया कि जिन 21 विद्यालयों की संबद्धता रद्द की गई है, उनमें से 16 दिल्ली में हैं, जबकि 5 राजस्थान के कोचिंग केंद्र कोटा और सीकर में हैं।

अमरीका : फिर एक बार...

करने वाले वह पहले रिपब्लिकन बन गए थे। वह 2020 में डैमोक्रेट जो बाइडेन से यहां चुनाव हार गए थे। हैरिस और ट्रंप दोनों ने ही विस्कोन्सिन को अपने प्रचार अभियान के केंद्र में रखा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने 277 निर्वाचक मंडल वोट जबकि डैमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस ने 224 निर्वाचक मंडल वोट हासिल कर लिए हैं।

ट्रंप ने फ्लोरिडा के वैस्ट पाम बीच पर अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए इस जीत को अमरीका में 'स्वर्णिम युग' की वापसी बताया। ट्रंप ने कहा, 'यह अमरीका के लिए वाकई स्वर्णिम युग होगा। यह शानदार जीत है जो हमें अमरीका को फिर से महान बनाने में मदद करेगी।' उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा आंदोलन था जैसा पहले कभी किसी ने नहीं देखा था, और सच कहूं तो, मेरा मानना है कि यह अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक आंदोलन है। इस देश में और शायद इससे परे भी ऐसा कुछ कभी नहीं हुआ है, और अब यह एक नए स्तर पर पहुंचने जा रहा है क्योंकि हम अपने देश को उबरने में मदद करेंगे।' उन्होंने कहा, ''हम अपनी सीमाओं को दुरुस्त करने जा रहे हैं, हम अपने देश के बारे में सब कुछ ठीक करने जा रहे हैं।' ट्रंप ने कहा, 'मैं अमरीका का 45वां राष्ट्रपति चुने जाने के बाद अब 47वां राष्ट्रपति चुने जाने के अत्यधिक सम्मान के लिए अमरीकी जनता का शुक्रिया अदा करता हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं प्रत्येक नागरिक के लिए, आपके परिवार और आपके भविष्य के लिए लड़ूंगा। हर एक दिन, मैं आपके लिए लड़ूंगा। और अपने शरीर की हर सांस के साथ, मैं तब तक आराम नहीं करूंगा जब तक कि हम मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध अमरीका नहीं बना लेते, जिसके हमारे बच्चे और आप हकदार हैं। यह वास्तव में अमरीका का स्वर्णिम युग होगा।'

ट्रंप की इस जीत को 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद एक शानदार वापसी माना जा रहा है। पिछले राष्ट्रपति चुनाव में वह जो बाइडेन से हार गए थे जिसे उनके राजनीतिक कैरियर का अंत कहा जा रहा था। ये नतीजे कमला हैरिस के लिए बहुत निराशाजनक हैं। राष्ट्रपति बाइडेन ने जुलाई में चुनाव अभियान से नाम वापस ले लिया था और हैरिस को मौका मिला। अमरीका में 50 राज्य हैं और 'स्विंग राज्यों' को छोड़कर उनमें से ज्यादातर ने हर चुनाव में एक ही पार्टी को वोट दिए हैं। अमरीका में, कुल 538 निर्वाचक मंडल वोट के लिए मतदान होता है। 270 या उससे अधिक निर्वाचक मंडल वोट पाने वाले उम्मीदवार को चुनाव में विजेता घोषित किया जाता है।

6 भारतवंशियों ने जीता...

प्रतिनिधित्व करने वाले रो खन्ना और वाशिंगटन राज्य के 7वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमिला जयपाल ने भी जीत दर्ज की। पेशे से चिकित्सक डॉ. अमी बेरा 2013 से कैलिफोर्निया के छठे कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय मूल के सबसे वरिष्ठ अमरीकी सांसद हैं। उन्हें लगातार सातवीं बार फिर से चुना गया। एरिजोना में डैमोक्रेटिक पार्टी के शाह रिपब्लिकन पार्टी के मौजूदा उम्मीदवार डेविड श्वीकेट से थोड़ा आगे चल रहे हैं।

अमरीकी पॉवर जोन से...

चले गए थे। उषा सान डियागो में ही पली-बढ़ी हैं। उनकी स्कूली शिक्षा यहां के माउंट कार्मेस स्कूल में हुई। इसके बाद उषा ने येल यूनिवर्सिटी से इतिहास में बीए और कैंब्रिज से माडर्न हिस्ट्री में एमफिल किया है। उषा के पिता और दादा दोनों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से पढ़ाई की। उनकी छोटी बहन सान डियागो में मैकेनिकल इंजीनियर हैं। उनकी चाची चेन्नई में मैडिकल व्यवसाय में हैं।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सत्याग्रह का 57 वां दिन, देश के कोन कोने से पहुंच रहे है प्रतिनिधि

19 सितम्बर तक चलेगा 100 दिन का सत्याग्रह, सर्व सेवा संघ पर से जबरन कब्जा हटाने की माँग तेज हुई।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

उत्तर प्रदेश। गांधी विरासत को बचाने के लिए वाराणसी स्थित राजघाट परिसर के सामने चल रहे सत्याग्रह का बुधवार को 57 वां दिन है। इस सत्याग्रह में अब तक उड़ीसा,पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र,राजस्थान और मध्य प्रदेश की भागीदारी हो चुकी है। 1 से 5 नवंबर 2024 तक आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सर्वोदय साथी सत्याग्रह में भाग लिये और आज से 10 नवंबर तक तेलंगाना की टीम सत्याग्रह में शामिल होगी। इस विरासत बचाने के लिए उपवास पर बैठे तेलंगाना के हैदराबाद जिले से पेरूमल शिवरामकृष्णा एवं एस महेश कुमार, शिवराम कृष्ण अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने दोस्त के माध्यम से सर्वोदय के संपर्क में आए। उनके दोस्त ने इन्हें कई सर्वोदय की बैठकों और कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। धीरे-धीरे इनका भी मन इसमें रमता गया और आज वे सर्वोदय मंडल से पूरी तरह जुड़ गए हैं। अभी ये सर्वोदय मंडल में पूर्णक्लिक कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय हैं। शिवरामकृष्ण को जब खबर मिली कि बनारस के सर्व सेवा संघ परिसर को बुलडोजर से गिरा दिया गया है तो काफी आहत हुए। तब से उनके मन में था कि इसका प्रतिवाद होना चाहिए। आज जब सत्याग्रह प्रारंभ हुआ है तो वे अपने टीम के साथ बनारस पहुंचे और उपवास पर बैठ गए। इसी प्रकार एस महेश कुमार भी अपने मित्र के जरिए सर्वोदय से जुड़े।उन्होंने कई बैठकों और कार्यक्रमों में भाग लिया। इसी बीच अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और फिलहाल सर्वोदय के कार्यालय को संभालने में लगे हैं। वे सोचते हैं की किसी भी युवा को अन्याय सहन नहीं करना चाहिए और यहां सरकार ने खुद अन्याय किया है। जबकि सरकार का दायित्व है कि वह न्याय की व्यवस्था करें। भारत के महान संतों और स्वतंत्रता आंदोलन में विकसित हुए

सेकुलर फेडरल और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की विरासत को बचाने के लिए 11 सितंबर (विनोबा जयंती) से सर्व सेवा संघ के आह्वान पर "न्याय के दीप जलाए जलाए - 100 दिवसीय सत्याग्रह जारी है जो 19 दिसंबर 2024 को संपन्न होगा। उत्तर प्रदेश सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष राम धीरज ने कहा कि भारत की विविधता लोकतंत्र की बुनियाद है और धर्मनिरपेक्षता अल्पमत के प्रति बहुमत की जवाबदेही को सुनिश्चित करता है। इसलिए सेक्युलरिज्म और फेडरल संरचना के बिना लोकतंत्र जीवित नहीं रह सकता। सर्व सेवा संघ भारत की इसी संकल्पना का हिमायती है। इसलिए सरकार इस पर आघात कर रही है। सरकार के इस अन्याय का शांतिपूर्ण सत्याग्रह के द्वारा सामना किया जाएगा। आज के सत्याग्रह में उपवासकर्ता पेरूमल शिव रामकृष्णा और इस महेश कुमार के अलावा सर्व सेवा संघ के मंत्री अरविंद कुशवाह, उत्तर प्रदेश सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष राम धीरज ,वरिष्ठ गांधीवादी अलख भाई, लेखक एवं पत्रकार शक्ति कुमार, तारकेश्वर सिंह, सुरेंद्र नारायण सिंह, लोक चेतना समिति की पूनम, वंदना, निशा, पूर्वांचल बहुजन मोर्चा के अनूप श्रमिक, गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता जागृति राही,तेलंगाना से भास्कर, गिरीप्रसाद, प्रवीण गोविंदम्मा,आजमा शमी रेड्डी, अनवर पाशा, श्रीधर रेड्डी, पुष्पमा अन्तम्मा सहित बिहार पश्चिम चंपारण सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष डॉ अमानुल हक, प्रतिनिधि आलमगीर हुसैन शामिल रहे।

डीएपी खाद की किल्लत सें जूझ रहे किसानों ने लगाया जाम

■ महोबा

जिले में आज कल डीएपी खाद के लिए मारामारी मची हुई है। खाद न मिलने से जगह जगह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। कबरई क्षेत्र के किसानों को खाद न मिलने से परेशान किसानों ने भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रामखिलावन शुक्ला के नेतृत्व में कस्बा कबरई में कानपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग में जाम लगा दिया, जिससे तीन घंटे तक यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। बाद में अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर किसानों को समझा बुझाकर जाम खुलवाया। जाम खुलने के बाद वाहनों में बैठे यात्रियों ने राहत की सांस ली।

हाईवे पर जाम लगाए किसान।

साधन सहकारी समिति कबरई में एक सप्ताह से खाद न मिलने से किसान समिति के चक्कर काट रहे थे। समिति के कर्मचारियों द्वारा एक दो दिन में खाद आने वाली कहकर किसानों को टहला दिया जाता, जिससे किसान अपने सारे कामकाज छोड़कर आएदिन साधन सहकारी समिति के चक्कर काटते रहते थे। एक सप्ताह तक चक्कर लगाने के बाद भी मंगलवार को भी समिति से खाद नहीं मिली, जिससे समिति में मौजूद सैकड़ों किसानों का गुस्सा फूट पड़ा और भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सभी किसानों ने करीब साढ़े बारह बजे हाईवे पहुंचकर जाम लगा दिया।

जाम लगने पर महोबा से कानपुर, लखनऊ आने जाने वाले तमाम वाहन जाम में फंस गए। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस और अधिकारी मौके पर पहुंचे। किसानों को काफी सझाने के बाद भी बात नहीं बनी और किसान हाईवे में बैठकर नारेबाजी करते रहे। बाद में अधिकारियों ने किसानों को जल्द ही खाद की समस्या से निजात दिलाए जाने का आश्वास दिया, इसके बाद किसान माने और साढ़े तीन बजे जाम खोल दिया।

जाम खुलने के बाद महोबा कानपुर मार्ग की यातायात व्यवस्था बहाल हो सकी। किसानों ने आरोप लगाया कि समिति के कर्मचारियों द्वारा मनमाने तरीके से खाद का वितरण किया जा रहा है, जिससे किसानों को खाद की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जानकीकुण्ड मे 114 वें तारा नेत्रयज्ञ का शुभारम्भ

चित्रकूट। नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड में मंगलवार को 114 वें तारा नेत्रयज्ञ का गुरु पादुका पूजन के साथ शुभारम्भ ट्रस्ट अध्यक्ष विशद भाई मफ़तलाल एवं उनकी धर्म पत्नी रूपल मफ़तलाल ने किया। नेत्रयज्ञ का ध्वजारोहण, पूजन एवं उद्घाटन का कार्यक्रम हुआ। इसके बाद ऑपरेशन थियेटर में मोतियाबिंद जनित अंधत्व से पीड़ित रोगियों को ऑपरेशन हेतु ले जाया गया। इस मौके पर डा पूनम अडवाणी, डा कुलदीप श्रीवास्तव, डॉ आलोक सेन, डा राजेश जोशी, डॉ गौतम सिंह परमार, डॉ एबीएस राजपूत उपस्थित रहे।

एसडीएम ने खेलकूद प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

चित्रकूट। खंड स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ स्टेडियम पंकज अग्रवाल चेयरमैन कॉपरेटिव बैंक बांदा तथा उप जिला अधिकारी कर्वी पूजा साहू, विजय कुमार क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। विषेष कार्यक्रम में यूपीएस मऊ ब के बच्चों ने दीवारी नृत्य एवं बलिकों ने डांडिया नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। खंड शिक्षा अधिकारी अतुल दत्त तिवारी ने अतिथियों का बैज कैप तथा माला पहना कर स्वागत किया। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी विजय कुमार ने कहा कि हमारे यहां कक्षा 5 पास कर जो भी बच्चे खेलकूद में इंटरेस्ट रखते हो हम उनको फॉर्म भरवा कर उनका ट्रायल करा कर आगे की कक्षाओं के लिये खेलकूद में नाम रोशन करने के लिए स्पोर्ट्स कॉलेज में एडमिशन दिलाएं। प्राथमिक स्तर 50 मीटर की दौड़ बालिका संवर्ग की मुख्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर बृजेश सिंह, दिलीप सिंह, ओम प्रकाश सिंह, अशर्फीलाल सिंह, अभिषेक केशरवानी, राज किशोर सिंह, शशिकांत पांडे, राजेश सिंह, दयानंद सिंह, महेंद्र सिंह, लवलेश सिंह, प्रेमचन्द्र शिवहरे, राम प्रकाश सिंह, अरुण श्रीवास्तव मौजूद रहे।

त्यौहारों पर रहेगा अवकाश

चित्रकूट। अपर जिला मजिस्ट्रेट उमेश चन्द्र निगम ने बताया कि 7 नवम्बर छठ पूजा पर्व, 11/12 नवम्बर देवोत्थान एकदशी, 15 नवम्बर गुरुनानक जयन्ती/कार्तिक पूर्णिमा, 24 नवम्बर गुरू तेगबहादुर शहीद दिवस, 23 दिसम्बर चौधरी चरण सिंह जयन्ती, 25 दिसम्बर को क्रिसमस डे का पर्व पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त दिनांक 1 दिसम्बर को अग्रहायण मास की अमावस्या तथा दिनांक 30 दिसम्बर को पौष मास की सोमवती अमावस्या का पर्व पडेगा। प्रतिबन्धों का उल्लंघन प्राविधानों के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से जनपद चित्रकूट की सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में लागू होगा।

एडीएम ने धान की करायी क्राफ्ट कटिंग

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी उमेश चंद्र निगम ने तहसील कर्वी के ग्राम पंचायत कर्वी माफी में धान क्राफ्ट कटिंग कराया। जिसमें कृषक मालिक संतोष कुमार पुत्र सुरिजपाल के खेत के गाटा संख्या 440 में 10 गुणे 3 त्रिभुजाकार, रकबा 0.543 हेक्टर में धान की क्रॉप कटिंग कराई गई जिसमे 15 किलो धान निकला। क्रॉप कटिंग के दौरान उप जिलाधिकारी आलोक सिंह, सहायक सांख्यिकी अधिकारी संतोष कुमार, कानूनगो सुधीर सिंह, लेखपाल महेंद्र सिंह मौजूद रहे।

कैंप लगाकर खोले गए सुकन्या समृद्धि खाते

बांदा। मिशन शक्ति अभियान के तहत मंगलवार को पुलिस लाइन में कैम्प लगाकर पुलिस कर्मियों की 10 वर्ष से कम आयु की बच्चियों के सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाए गए। एएसपी शिवराज ने पुलिस लाइन में कार्यरत पुलिस कर्मी की एक वर्षीय बालिका का सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया और प्रथम किशत खुद ही जमा की। शासन द्वारा महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति-5.ह्र के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में जनपद में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है । मंगलवार को डाक विभाग के सहयोग से पुलिस लाइन कैम्प लगवाया गया जिसमें पुलिसकर्मियों की 10 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाए गए। इस दौरान पोस्ट मास्टर नरेन्द्र पाण्डेय व उनकी टीम द्वारा पुलिसकर्मियों को महिलाओं व बालिकाओं लिए डाक विभाग की ओर से चलाई जा रही विभिन बचत व बीमा योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर एएसपी शिवराज द्वारा पुलिस लाइन में नियुक्त कर्मचारी धीर सिंह की एक वर्षीय पुत्री आरवी को प्रथम किशत का उपहार देते हुए सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया गया। कैम्प के दौरान महिला पुलिस कर्मियों ने महिला सम्मान बचत पत्र भी लिए।

भवन मानचित्र पर आज होगी सुनवायी

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी न्यायिक/सचिव विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण राजेश प्रसाद ने बताया कि प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत स्वीकृत भवन मानचित्रों के त्वरित निस्तारण बृहस्पतिवार को मानचित्र समाधान दिवस का आयोजन अपरान्ह: 1 बजे से 5 बजे तक प्राधिकरण कार्यालय में किया जायेगा। नवम्बर में 7, 14, 21 एवं 28 को आयोजित समाधान दिवस लगाया जायेगा।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपियों को 20-20 वर्ष की सजा

■ बांदा

पिता के डांट देने से नाराज किशोरी अपनी बड़ी बहन के यहां जा रही थी। तभी रास्ते में दो युवकों ने उसे खींचकर अपनी बाइक में बैठा लिया और सिक्स लेन के पास ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। विशेष न्यायाधीश पाक्सो हेमंत कुमार कुशवाहा ने मंगलवार को मामले की सुनवाई करते हुए दोषी पाए जाने पर दोनो अभियुक्तों को 20-20 वर्ष के कारावास और 12-12 हजार रुपये जुर्माने की सजा से दंडित किया। दोनो दोषियों को सजायावी वारंट बनाकर जेल भेज दिया गया।

आपरेशन कन्विशन के तहत कड़ी सजा दिलाये जाने के क्रम में वर्ष-2023 में थाना बिसण्डा क्षेत्र अन्तर्गत एक गांव में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दो अभियुक्तों को 20-20 वर्ष के कठोर कारावास व जुर्माने से दण्डित कराया गया। गौरतलब हो कि थाना बबेरु क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले व्यक्ति ने 8 जुलाई 2023 को थाना बिसण्डा पर सूचना दी कि 7 जुलाई 2023 को उनकी नाबालिग पुत्री घर से नाराज होकर अपने दीदी-जीजा के घर थाना खन्ना जनपद महोबा जा रही थी। रात करीब 08.00 बजे ग्राम सया थाना बिसण्डा के पास उससे दो युवक मोटरसाइकिल से मिले जिन्होने लड़की को उसके दीदी के घर पहुंचाने की बात कहीं । लड़की ने दोनों की जरिए फोन अपनी दीदी से बात कराई जब उसकी दीदी आश्वस्त हो गई तो लड़की दोनों के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर चल दी। दोनों युवकों ने ग्राम घूरी थाना बिसण्डा के पास सूनसान स्थान पर जान से मारने की धमकी देकर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस मामले पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की थी। विवेचना तत्कालीन बिसंडा थानाध्यक्ष कृष्णदेव त्रिपाठी ने की। विवेचना के दौरान विवेचक द्वारा गहनता एवं प्रभावपूर्ण तरीके से तकनीकि एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों का संकलन करते हुए दोनों अभियुक्तों बाबूलाल पुत्र रामपाल निवासी सया थाना बिसण्डा व सुरेन्द्र पुत्र राममनोहर निवासी भरखरी थाना कोतवाली नगर की पहचान करते हुए दोनों अभियुक्तों को 11 जुलाई 2023 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। 15 जुलाई को आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया गया। लोक अभियोजक कमल सिंह ने न्यायालय में प्रभावी पैरवी की। साथ ही कोर्ट मोहर्रिर महिला आरक्षी पुनीत भदौरिया व आरक्षी जितेन्द्र सिंह और पैरोकार आरक्षी राजन अग्निहोत्री के प्रयासों से न्यायालय स्पेशल पॉक्सो एक्ट के तहत 20-20 वर्ष के कठोर कारावास व 12-12 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया।

यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित करें यात्रा-डीएम

यातायात माह नवंबर का हुआ शुभारंभ

चित्रकूट। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक जिला अध्यक्ष भाजपा लवकुश चतुर्वेदी, अध्यक्ष कोऑपरेटिव बैंक पंकज अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने ट्रैफिक चौराहा से हरी झंडी दिखाकर यातायात माह नवंबर का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की छोटी-छोटी बातें हैं जो लोग इग्नोर करते हैं जैसे हेलमेट लगाना, सीट बेल्ट, ड्रिंक कर वाहन चलाना, पैदल चलते समय फुटपाथ का प्रयोग, मुडते समय इंडिकेटर का प्रयोग, स्टंट (कलाबाजी) वाहन चलाते समय प्रयोग न करें छोटी-छोटी बातें को ध्यान में रखें जिससे की दुर्घटना नहीं होगी। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस यातायात जागरूकता के रूप में आज से पहले यातायात सप्ताह मनाया जाता था उसकी सफलता को देखते हुए यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी ने कहा कि यातायात माह इसलिए मनाया जाता है कि दुर्घटना में कमी हो, कहा किजो चालान किया जाता है इसका उद्देश्य दंडात्मक नहीं है इसमें सुधार के रूप में किया जाता है। इस मौके पर पुलिस क्षेत्र अधिकारी ट्रैफिक राजेश द्विवेदी, ट्रैफिक इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पॉलिथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के बर्तनों के बहिष्कार के साथ मनाए सामाजिक सद्भावना का त्यौहार छठ।

स्वच्छता एवं पर्यावरण को समर्पित है सामाजिक सद्भावना का त्यौहार छठ।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

चंपारण। सामाजिक सद्भावना का त्योहार छठ के अवसर पर सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन, मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन के सभागार सत्याग्रह भवन में एक बैठक का आयोजन किया गया?। जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों एवं छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ,डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक, डॉ शाहनवाज अली, डॉ अमित कुमार लोहिया, सामाजिक कार्यकर्ता नवीदूं चतुवेर्दी, अतिथियों एवं बुद्धिजीवियों ने आम जनमानस से अपील करते हुए कहा कि पॉलिथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग सामाजिक सद्भावना का त्योहार छठ के अवसर पर न करें क्योंकि पॉलिथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के बर्तनों से कैंसर जैसे अनेक घातक बीमारियों होने के लक्षण पाए जा रहे हैं। जो चिंता का विषय है। अवसर पर वक्ताओं ने छठ के त्यौहार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता एवं

स्वच्छता एवं पर्यावरण को समर्पित है समर्पित है सामाजिक सद्भावना का त्योहार छठ। छठ पर्व, छइठ या षष?ठी पूजा कार्तिक शुक्ल पक्ष के षष्ठी को मनाया जाने वाला एक महान पर्व है।सूयोर्पासना का यह अनुपम लोकपर्व मुख्य रूप से बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। कहा जाता है यह पर्व मैथिल,मगध एवं भोजपुरी लोगो का सबसे बड़ा पर्व है ये उनकी संस्कृति है। छठ पर्व बिहार मे बड़े धुम धाम से मनाया जाता है। ये एक मात्र ही बिहार या पूरे भारत का ऐसा पर्व है जो वैदिक काल से चला आ रहा है। छठ बिहार की संस्कृति का हिस्सा हैं। यहा पर्व बिहार कि वैदिक आर्य संस्कृति की एक झलक हैं। ये पर्व मुख्यः रुप से ॠषियो द्वारा लिखी गई ऋग्वेद मे सूर्य पूजन, उषा पूजन एवं आर्य परंपरा के अनुसार बिहार एवं भारत के विभिन्न हिस्सों मे यहा पर्व मनाया जाता हैं। धीरे-धीरे यह त्योहार प्रवासी भारतीयों के साथ-साथ विश्वभर में प्रचलित हो गया है।छठ पूजा सूर्य, प्रकृति,जल, वायु और उनकी बहन छठी म?इया को समर्पित है ताकि उन्हें पृथ्वी पर जीवन की देवतायों को बहाल करने के लिए धन्यवाद है, छठी मैया, जिसे मिथिला में रनबे माय भी कहा जाता है, भोजपुरी में सबिता माई और बंगाली में रनबे ठाकुर बुलाया जाता है। पार्वती का छठा रूप भगवान सूर्य की बहन छठी मैया को त्योहार की देवी के रूप में जाना जाता है। यह चंद्र के छठे दिन काली पूजा के छह दिन बाद छठ मनाया जाता है। मिथिला में छठ के दौरान मैथिल महिलाएं, मिथिला की शुद्ध पारंपरिक संस्कृति को दशार्ने के लिए बिना सिलाई के शुद्ध सूती धोती पहनती हैं। त्यौहार के अनुष्ठान कठोर हैं और चार दिनों की अवधि में मनाए जाते हैं। इनमें पवित्र स्नान, उपवास और पीने के पानी (वृत्ता) से दूर रहना, लंबे समय तक पानी में खड़ा होना, और प्रसाद (प्रार्थना प्रसाद) और अर्घ्य देना शामिल है। परवातिन नामक मुख्य उपासक (संस्कृत पार्व से, जिसका मतलब 'अवसर' या 'त्यौहार') आमतौर पर महिलाएं होती हैं। हालांकि, बड़ी संख्या में पुरुष इस उत्सव का भी पालन करते हैं क्योंकि छठ लिंग-विशिष्ट त्यौहार नहीं है। छठ महापर्व के व्रत को स्त्री - पुरुष - बुढ़े - जवान सभी लोग करते हैं। कुछ भक्त नदी के किनारों के लिए सिर के रूप में एक प्रोस्टेशन मार्च भी करते हैं। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरणविदों का दावा है कि छठ सबसे पर्यावरण-अनुकूल त्यौहार है।यह त्यौहार नेपाली एवं भारतीय लोगों द्वारा श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

समस्याओं का समाधान न होने पर भाकियू ने शुरू किया धरना

मुख्य चौराहे पर धरना देते हुए किसान नेताओं ने की नारेबाजी

बबेरू। किसानों की समस्याओं का समाधान न किए जाने को लेकर मंगलवार को भाकियू पदाधिकारियों ने बबेरू मुख्य चौराहे पर धरना शुरू कर दिया। नारेबाजी करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि अधिकारियों की ओर से सिर्फ आश्वासन ही दिए जा रहे हैं, जबकि किसान परेशान नजर आ रहा है। कहीं सड़कों की मरम्मत नहीं कराई जा रही है तो कहीं किसानों को खाद के लिए हलाकान होना पड़ रहा है। किसान नेताओं ने कहा कि जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जाएगा, तब तक धरना जारी रहेगा।

भारतीय किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष अजय कुमार सिंह के नेतृत्व मे मैन चौराहा अदभुत शिव मदिर मे 12 सूत्रीय मांगो को लेकर अनिश्चित कालीन धरना मे बैठे गये। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अवधेश सिह पटेल ने बताया बबेरू तहसील के अंतर्गत जल जीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायत बबेरू मिलाथू निलाथू बड़ागांव मुसीवा दफ्तरा साथी कोरम आदि में पाइप लाइन डालने में खराब हुई सीसी रोड व खडजा खराब होने तथा टोटियों में पानी आना इन समस्याओं को तत्काल प्रभाव से ठीक कराया जाए। बबेरू तहसील की सभी सहकारी समितियों में डीएपी व यूरिया खाद का पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जाए। बबेरू-कमासिन राजकीय कृषि बीज भंडार प्रदर्शन में मिनी किट वितरण में भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। अधिकतर बीज बाजारों में बेचा जा रहा है। प्रदर्शन व मिनीकिटो का स्थलीय निरीक्षण कर जांच की जाए और तहसील क्षेत्र के किसानो ने केसीसी ऋष्ट ले रखा है, उनकी वसूली पर रोक लगाई जाए। इन्हीं सभी मांगों को लेकर अनिश्चित कालीन धरने में बैठ गए। कहा कि जब तक हमारी मांगे नहीं मान जाएंगे तब तक धरना जारी रहेगा। इस दौरान बृजराज सिंह यादव जिला संगठन मंत्री ,अश्विनी कुमार, मधुकांत, राहुल यादव रामविष्णु मोहनलाल वर्मा, ओमप्रकाश पटेल, शिवम रस्तोगी संतराम सहित किसान मौजूद रहे।

हत्या का खुलासा नहीं कर सकी पुलिस, आरोपी पकड़ से बाहर

नरैनी कोतवाली क्षेत्र के पड़मई गांव में हुई थी महिला की हत्या

पुलिस की मौजूदगी में किया गया शव का अंतिम संस्कार

बांदा। नरैनी कोतवाली क्षेत्र के पड़मई गांव में शनिवार की रात को महिला की ईंट पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति बन रही थी, लेकिन पुलिस अधिकारियों ने मामले को किसी तरह से संभाल लिया। घटना के तीन दिन गुजर जाने के बावजूद अभी तक हत्यारोपियों का सुराग पुलिस नहीं लगा सकी है। मंगलवार को पुलिस की मौजूदगी में गांव में ही महिला के शव का अंतिम संस्कार

किया गया। काफी संख्या में ग्रामीण अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

गौरतलब हो कि पड़ई गांव निवासी 30 वर्षीय गुड़िया उर्फ आशा पत्नी शारदा प्रसाद की शनिवार की रात को निर्मम हत्या कर दी गई थी। उसका शव घर से कुछ दूरी पर रक्त रंजित अवस्था में पाया गया था। शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद मंगलवार को दोपहर महिला के शव का अंतिम संस्कार गांव में ही खेतों में किया गया। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस भी मौजूद रही। ग्रामीणों का कहना था कि पुलिस तीन दिन गुजर जाने के बाद हत्यारों का सुराग अभी तक नहीं लगा सकी है। कोतवाली प्रभारी राममोहन राय का कहना है कि तेजी के साथ हत्यारोपियों की सुरागरसी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द हत्या का खुलासा किया जाएगा। महिला की निर्मम हत्या करने वालों को किसी दशा में नहीं बख्शा जाएगा।

औषधि निरीक्षक ने टीम सहित मेडिकल स्टोर का किया निरीक्षण

महोबा। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी के निर्देश पर मंगलवार को औषधि निरीक्षक और जिला आबकारी निरीक्षक ने पुलिस टीम के साथ डाक्टर परिचय पर दावों की बिक्री निर्धारण कराने, टिंचर एवं नशीले पदार्थों का विक्रय के संबंध में शहर के संचालित मेडिकल स्टरों की जांच की। जांच दौरान मेडिकल स्टोरों पर टिंचर और नशीले पदार्थों की बिक्री करते नहीं पाया गया। निरीक्षण टीम ने डाक्टरों के पर्चों द्वारा दवाओं की बिक्री किए जावे पर्चों को छह दिनों के अंदर प्रेषित कर सत्यापित कराने के निर्देश दिए गए।

मिशन शक्ति : सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में किया गया जागरूक

महोबा। मिशन शक्ति फेज-5 के तहत जिले के समस्त थानों की पुलिस टीमों द्वारा अपने अपने क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं, छात्राओं और युवतियों को जागरूक किया जा रहा है। पुलिस टीम भीड़ वाले इलाकों, सुनसान क्षेत्रों, कोचिंग संस्थानों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टॉप आदि पर पहुंचकर महिलाओं को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की जा रही है। इसी क्रम मे चरखारी, कुलपहाड़, पनवाड़ी और कबरई थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को चौपाल के माध्यम से जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल क निर्देश पर जनपद के थानों की पुलिस टीम ने मिशन शक्ति फेज-5 के तहत गोष्ठी के माध्मय से महिलाओं को जागरुक करते महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा के गुर बताए साथ ही गुड टच व बैड टच, बाल यौन हिंसा व बाल यौन शोषण की भी जानकारी मुहैया कराई।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत से क्या चिढ़ गया चीन?

दिया कुछ इस अंदाज में रिएक्शन

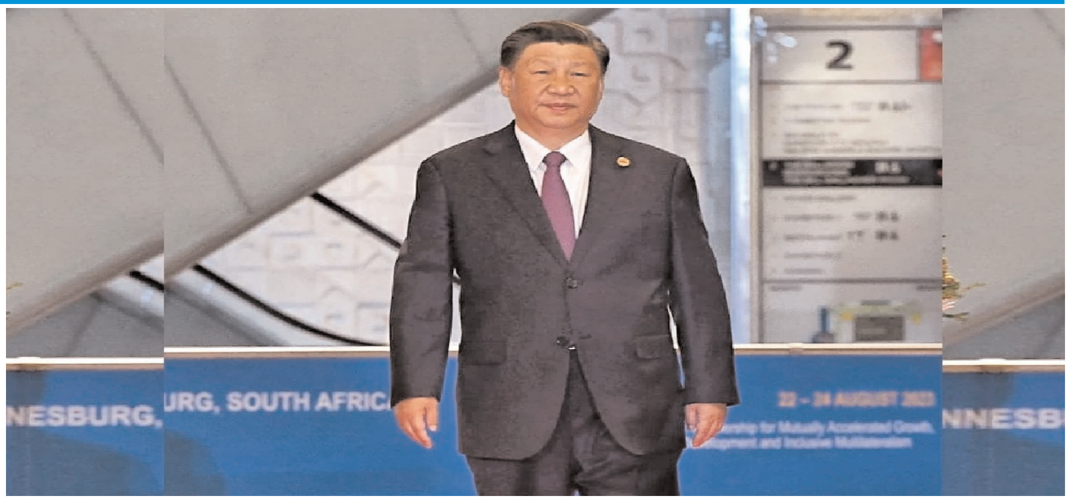

नूना न्यूज एजेंसी/चीन

डोनाल्ड जे ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दूसरा कार्यकाल सुनिश्चित कर अमेरिका के इतिहास में अभूतपूर्व और जोरदार राजनीतिक वापसी की है। वह भी, एक गंभीर अपराध के मामले में दोषी करार दिये जाने और उनकी हत्या की दो नाकाम कोशिशों के बाद। ट्रंप की जीत के बाद चीन की तरफ से भी बयान सामने आया है। चीन की तरफ से कहा गया कि आपसी सम्मान के आधार पर अमेरिका के साथ काम करेगा, यह बुधवार को कहा गया जब डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति चुनाव में जीत के करीब थे, लेकिन रणनीतिकारों ने कहा कि बीजिंग व्यापार, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा मुद्दों पर कड़वी महाशक्ति प्रतिद्वंद्विता के लिए तैयार था।

जब उनसे पूछा गया कि ट्रम्प के ओवल कार्यालय में लौटने से अमेरिका-चीन संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ेगा तो विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिका के प्रति हमारी नीति सुसंगत है। उन्होंने कहा कि आपसी सम्मान, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और जीत-जीत सहयोग के सिद्धांतों के अनुसार हम चीन-अमेरिका को देखना और संभालना जारी रखेंगे। कानेर्गी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के वरिष्ठ साथी टोंग झाओ ने कहा कि बीजिंग को अमेरिकी चुनाव में करीबी मुकाबले की आशंका थी। हालांकि ट्रम्प की जीत चीन का पसंदीदा परिणाम नहीं है और चिंताएं पैदा करती है, लेकिन यह पूरी तरह से अप्रत्याशित नहीं है। वहीं ट्रम्प की अनुमानित जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रूस ने उनके दावे को खारिज कर दिया। लेकिन कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि कोई भी राष्ट्रपति पद जीतेगा। हालाँकि, रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर अमेरिकी नीति में कुछ भी बदलाव होता है और हमारे सामने कोई प्रस्ताव आता है, तो हम रूस के हितों से मेल खाने के संदर्भ में उनकी जांच करने के लिए तैयार होंगे। आम तौर पर हमारे देश के प्रति टकराव के संबंध में संयुक्त राज्य अमेरिका में उभरी दो-पक्षीय सहमति को देखते हुए, रूस के लिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि चुनाव परिणाम क्या होगा।

विदेश समाचार

स्पेन: पीड़ितों ने राजा-रानी पर कीचड़ फेंका

मेड्रिड। स्पेन में विनाशकारी बाढ़ ने तबाही मचा दी है। इसमें अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और सैंकड़ों लोग लापता हैं। इस आपदा से लोगों में भारी गुस्सा है। स्पेन के राजा फेलिम षष्टम और रानी लेटिजिया जब बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित इलाके पायोपोर्टा का दौरा किया तो लोगों को गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने उनके ऊपर कींचड़ फेंका। राजा-रानी के साथ प्रधानमंत्री पेट्रो सांचेज भी थे और कींचड़ से उनकी गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया। पायपोर्ता में 70 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

पाक: 5 साल होगा सेना प्रमुखों का कार्यकाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने काफी तत्परता दिखाते हुए तीनों सेनाओं के प्रमुखों के कार्यकाल को तीन से बढ़ाकर पांच साल करने के लिए संबंधित कानूनों में संशोधन कर दिया। वहीं, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के विरोध के बीच सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या दोगुनी करने के लिए भी संबंधित कानून में बदलाव किया गया। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सदन में पाकिस्तान अधिनियम संशोधन, 2024 पेश किया, ताकि सैन्य प्रमुखों का कार्यकाल बढ़ाया जा सके।

ज्वालामुखी धमाके में कई घर खाक, 10 मरे

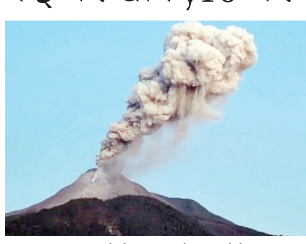

जकार्ता। इंडोनेशिया के फ्लोरेस द्वीप में ज्वालामुखी विस्फोटों के कारण 10 लोगों की मौत हो गई। माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी के अधिकारी फिरमान योसेफ ने कहा, सोमवार को आधी रात के बाद हुए धमाके के कारण 2,000 मीटर ऊंचाई तक राख हवा में फैल गई और गर्म राख ने पास के एक गांव को अपनी चपेट में ले लिया। इससे कैथोलिक नन के एक कॉन्वेंट सहित कई मकान जल गए। जान-माल के नुकसान की जानकारी अभी जुटाई जा रही है, क्योंकि स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में ढहे मकानों के नीचे और लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई है।

बांग्लादेश में वरिष्ठ पत्रकार मोल्ला जलाल गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश फेडरल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (बीएफयूजे) के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार मोल्ला जलाल को गिरफ्तार किया गया है। शाहबाग पुलिस ने उन्हें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। शाहबाग थाना प्रभारी मोहम्मद खालिद मंसूर ने मोल्ला जलाल की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मोल्ला जलाल को सोमवार को राजधानी के सेगुनबागीचा इलाके से हिरासत में लिया गया और बाद में जेल भेज दिया गया। जलाल के खिलाफ चार दिन पहले शाहबाग पुलिस स्टेशन में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

गूगल मैप्स से अब और आसान होगी ड्राइविंग

न्यूयॉर्क। गूगल मैप्स एक बड़ा अपडेट ला रहा है। इससे खासकर शहरों में ड्राइविंग को आसान बनाया जा सकेगा। अगले महीने से लेन गाइडेंस का यह अपडेट यह दिखाएगा कि मोड़ के लिए आपको किस लेन में रहना चाहिए। इसके साथ ही अहम विवरण जैसे कि जेब्रा क्रॉसिंग, ट्रैफिक साइन, और लेन के नियम दिखाएगा। यह फीचर शुरू में नवंबर से अमेरिका के 30 बड़े शहरों में एंड्रॉइड और आईओएस पर उपलब्ध होगा। यह नया फीचर ड्राइवरों को अनजान जगहों पर ड्राइविंग के दौरान तनाव कम करने में मदद करेगा।

मृतकों में महिलाएं और बच्चे शामिल

इजराइल ने गाजा पर फिर दागे राकेट, 30 की मौत

नूना न्यूज एजेंसी/गाजा

फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने दावा किया है कि इजराइल द्वारा गाजा में किये गए हवाई हमले में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के हुए हमले में गाजा पट्टी में चार बच्चों और दो महिलाओं समेत 10 लोगों की मौत हो गई जबकि सोमवार देर रात के हमले में बेत लहिया शहर में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। हताहतों को नजदीकी अस्पताल में लाया गया। अस्पताल के निदेशक हुस्साम अबू सफिया ने बताया कि सोमवार को बेत लहिया शहर की इमारत पर इजराइल ने हमला किया जिसमें कई परिवार शरण लिये हुए थे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय की आपात सेवा द्वारा जारी मृतकों की सूची में आठ महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। इजराइल की सेना की ओर से इस मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। इजराइल करीब एक महीने से बड़े पैमाने पर उत्तरी गाजा को निशाना बना रहा है और उसने बेत लहिया, नजदीकी शहर बेत हुनान और शहरी जाबलिया शरणार्थी शिविर को पूरी तरह से खाली करने की चेतावनी दी है। उसने पिछले एक महीने से लगभग न के बराबर मानवीय सहायता पहुंचाने की अनुमति दी है।

इजराइल के हमले से तबाह गाजा के मुद्दे पर हमास व फतह करीब आए

इजराइल के हमले से तबाह गाजा के मसले पर आतंकवादी संगठन हमास और फिलिस्तीन का राजनीतिक व सैन्य संगठन फतह करीब आए हैं। हमास ने मिस्र की राजधानी काहिरा में फतह के नेताओं के साथ गाजा से संबंधित मसलों के प्रबंधन के लिए एक समिति बनाने पर चर्चा की। चाइना डेली की खबर में यह जानकारी दी गई। खबर के अनुसार, हमास नेता ओसामा हमदान ने एक वीडियो संबोधन में सोमवार में कहा, "विभिन्न फिलिस्तीनी गुटों से चर्चा के बाद हमने मिस्र के आह्वान पर फतह के अपने भाइयों के साथ बैठक की।" हमदान ने कहा, इस दौरान गाजा में युद्ध और फिलिस्तीनी आम सहमति के आधार पर एकीकृत राष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। हमास नेता हमदान ने कहा कि फिलिस्तीनी मामलों का प्रबंधन चाहे गाजा में हो या वेस्ट बैंक में, उसे राष्ट्रीय समझौते के माध्यम से निर्धारित किया जाना चाहिए।

फतह का मकसद: फतह, अरब फिलिस्तीनियों का राजनीतिक और सैन्य संगठन है। इसकी स्थापना 1950 के दशक के अंत में हुई। इसके माध्यम से यासिर अराफात और खलील अल-वजीर (अबू जिहाद) का उद्देश्य कम तीव्रता वाले गुरिल्ला युद्ध के माध्यम से इजरायल के नियंत्रण से फिलिस्तीन को छीनना था। बाद में अराफात व उनके साथी अब्बास जैसे लोग दूसरे संगठन में चले गए। शुरुआत में इस संगठन को जॉर्डन और लेबनान से सहयोग मिला। 1968 में यह संगठन फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन में मिल गया।

ईरान लेजर उत्पादन में आत्मनिर्भर बन गया

ईरान। 6 नवंबर बुधवार को कैबिनेट मीटिंग के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए मोहम्मद इस्लाम ने कहा कि लेजर तकनीक हर दिन लोगों के सामने आ रही है और अन्य तकनीकों के साथ तालमेल बिठाकर उद्योगों की मदद करेगी। उन्होंने कहा, "लेजर प्रदर्शनी में हमने जो अनावरण किए हैं, उसके साथ ही हम लेजर उत्पादों के आत्मनिर्भर उत्पादन की क्षमता तक पहुंच गए हैं।" इस्लाम ने यह भी कहा कि देश के उद्योगों को लेजर तकनीक से लैस करने के लिए प्रदर्शनी में औद्योगिक फर्मों के साथ कई अनुबंध किए गए हैं। रविवार को राजधानी तेहरान में 5वीं ईरान लेजर, फोटोनिक्स और क्वांटम स्पेशलाइज्ड प्रदर्शनी शुरू हुई, जिसमें लेजर तकनीक के क्षेत्र में ईरान की नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित किया गया। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए इस्लाम ने विभिन्न क्षेत्रों में लेजर की भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि लेजर तकनीक के वर्तमान में मानव सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे विविध अनुप्रयोग हैं।

रूस के सहयोग से ईरान द्वारा मंगलवार को प्रक्षेपित किए गए दो घरेलू निर्मित उपग्रह

तेहरान, इरना। 6 नवंबर रूस के सहयोग से ईरान द्वारा मंगलवार को प्रक्षेपित किए गए दो घरेलू निर्मित उपग्रहों ने संकेत प्रेषित करना शुरू कर दिया है, जो उनकी सही स्थिति और परिक्रमा का संकेत देते हैं। संकेतों को प्राप्त करने के कई अर्थ हैं। सबसे पहले, प्रक्षेपण पूरी तरह सफल रहा, और दूसरा, उपग्रह का संचालन और वाहक से इसका सफल पृथक्करण, दो उपग्रहों के निर्माण और प्रक्षेपण के पीछे एक निजी ईरानी कंपनी ओमिदफजा के सीईओ होसैन शाहराबी ने कहा। हमारे लिए, इस प्राप्ति का अर्थ है उपग्रह एंटेना का पूरी तरह से खुलना और वाहक से उनका सफलतापूर्वक बाहर निकलना, उन्होंने कहा। कोसर और होधोद नामक उपग्रहों को मंगलवार की सुबह सोयुज रॉकेट वाहक का उपयोग करके पूर्वी रूस से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया और उन्हें सफलतापूर्वक पृथ्वी की 500 किमी की कक्षा में स्थापित किया गया। दोनों उपग्रहों से प्राप्त डेटा और चित्र कृषि, भूमि सर्वेक्षण, परिवहन और पर्यावरण में उपयोग के लिए उपयुक्त होंगे। होधोद उपग्रह का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय कवरेज के साथ-साथ जंगलों, पहाड़ों सहित दूरदराज के क्षेत्रों में संकीर्ण बैंड इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) सेवाएं प्रदान करने के लिए एक मंच तैयार करना है। यह प्रक्षेपण मास्को और तेहरान के बीच बढ़ते अंतरिक्ष सहयोग के साथ-साथ एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी में इस्लामिक गणराज्य की एक और उपलब्धि को दशार्ता है।

हाइफा सहित कब्जे वाले फिलिस्तीन के कई शहरों में अराजक स्थिति की सूचना

तेहरान इरना। 6 नवंबर जायोनी मीडिया स्त्रोतों ने तेल अवीव और हाइफा सहित कब्जे वाले फि लिस्तीन के कई शहरों में अराजक स्थिति की सूचना दी है, क्योंकि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके दूर-दराज मंत्रिमंडल के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे इजरायलियों ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया है। इजरायली मीडिया का हवाला देते हुए इरना की बुधवार सुबह की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू द्वारा अपने युद्ध मंत्री योआव गैलेंट को बर्खास्त करने के विरोध में तेल अवीव में कुछ सड़कें बंद कर दी गईं।

सभी सार्वजनिक कार्यक्रम किए रद्द

ब्रिटिश क्वीन कैमिला की संक्रमण से तबीयत बिगड़ी

नूना न्यूज एजेंसी/लंदन

ब्रिटिश क्वीन कैमिला के स्वास्थ्य को लेकर एक महत्वपूर्ण सूचना सामने आई है। बकिंघम पैलेस ने आज बताया कि रानी एक छाती के संक्रमण से ग्रस्त हैं और इस कारण उन्होंने इस सप्ताह के अपने सभी सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द का निर्णय लिया है। 77 वर्षीया कैमिला, किंग चार्ल्स III की पत्नी के रूप में यूनाइटेड किंगडम और 14 अन्य राष्ट्रमंडल क्षेत्रों की रानी हैं। पैलेस के एक प्रवक्ता ने बताया, क्वीन कैमिला वर्तमान में छाती के संक्रमण से पीड़ित हैं, जिसके लिए उनके डॉक्टरों ने उन्हें थोड़े समय के लिए विश्राम की सलाह दी है।" उन्होंने यह भी कहा, "इसलिए, रानी को इस सप्ताह के कार्यक्रमों से हटना पड़ा है, जिससे उन्हें बहुत दुख हुआ है। हालांकि, क्वीन कैमिला ने आशा व्यक्त की है कि वह इस सप्ताहांत हो रहे रिमेंबरेंस कार्यक्रमों में सामान्य रूप से भाग लेने में सक्षम होंगी। प्रवक्ता ने कहा, "रानी इस बात की आशा करती हैं कि वह जल्दी ठीक हो जाएं ताकि वह रिमेंबरेंस कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकें।" अपने स्वास्थ्य समस्या के कारण रानी ने उन सभी लोगों के प्रति खेद व्यक्त किया है जो उनके कार्यक्रमों में शामिल होने की उम्मीद कर रहे थे।

मिसाइल कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र में गिरीं

उत्तर कोरिया ने दिखाये तेवर, मिसाइल दागकर जापान-द. कोरिया को धमकाया

नूना न्यूज एजेंसी/सियोल

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की सरगर्मियां तेज हैं। डेमोक्रेट पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को वोटिंग शुरू होने से पहले जोर-शोर से चुनाव प्रचार में जुटे हैं। इस बीच अमेरिका से करीब 10 हजार किलोमीटर दूर उत्तर कोरिया ने इस मौके के बीच अपने पड़ोसियों को धमकाना जारी रखा है। मंगलवार को ही उत्तर कोरिया की तरफ से छोटी रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं। इन मिसाइलों से किसी देश को निशाना नहीं बनाया गया, हालांकि यह सभी कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र में गिरीं। इसके चलते जापान को अलर्ट तक जारी करना पड़ा। जापान के रक्षा मंत्री ने उत्तर कोरिया की इस हरकत पर बयान भी जारी किया है। उन्होने कहा कि उत्तर कोरिया की सात मिसाइलें करीब 100 किमी की ऊंचाई पाकर 400 किलोमीटर दूर तक गिरीं।

बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

उत्तर कोरिया की तरफ से हाल ही में देश की सबसे नई इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया गया था। कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक दावा किया गया था कि यह बैलिस्टिक मिसाइल अमेरिका तक पहुंच सकती है। इसके जवाब में अमेरिका ने दक्षिण कोरिया और जापान के साथ मिलकर रविवार को बी-1बी बॉम्बर विमान उड़ाए थे।

हालांकि, यह जापान तक नहीं पहुंचीं। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया की इन हरकतों से जापान की शांति और सुरक्षा पर खतरा पैदा होता है और यह क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चेतावनी जैसा है। दक्षिण कोरिया ने भी उत्तर कोरिया की तरफ से इन बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च पर करीब से निगाह रखी और अपने निगरानी तंत्र को अलर्ट कर दिया। दक्षिण कोरिया को चिंता है कि उत्तर कोरिया की मिसाइलें उसके क्षेत्र में कई अहम केंद्रों को निशाना बना सकती हैं, जिनमें अमेरिकी सैन्य अड्डे भी हो सकते हैं।

पेन्नी वोंग से विदेश मंत्री जयशंकर की मुलाकात

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ रही रणनीतिक साझेदारी

नूना न्यूज एजेंसी/सिडनी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेन्नी वोंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार बढ़ रही है। दोनों नेताओं ने अपने-अपने पड़ोस, हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया, यूक्रेन और वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य पर भी चर्चा की। जयशंकर 15वें ऑस्ट्रेलिया-भारत विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता के लिए कैनबरा में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'आज कैनबेरा में 15वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता के लिए अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेन्नी वोंग से मुलाकात की। इस दौरान हमने इस पर चर्चा की। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार बढ़ रही है। यह मजबूत राजनीतिक संबंधों, मजबूत रक्षा और सुरक्षा सहयोग, विस्तारित व्यापार, अधिक गतिशीलता और गहरे शैक्षिक संबंधों में परिलक्षित होता है। उन्होंने आगे कहा, 'हमने अपने-अपने पड़ोस, हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया, यूक्रेन और वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य पर चर्चा की। वहीं, वोंग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'ऑस्ट्रेलिया और भारत की साझेदारी हमारे साझा क्षेत्र की शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। आज, मैंने अपने अच्छे दोस्त का स्वागत किया।'

कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहे

उन्होंने यह भी एलान किया कि ऑस्ट्रेलिया अगले साल पहली बार भारत में 'प्रथम राष्ट्र व्यापार मिशन' भेजेगा। यह मिशन भारत के साथ जुड़ने के इच्छुक प्रथम राष्ट्र व्यवसायों के लिए नई वाणिज्यिक साझेदारी का समर्थन करेगा और प्रथम राष्ट्र व्यवसायों को विदेशों में नए बाजारों में बढ़ावा देगा। उन्होंने आगे कहा, 'हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, कृषि, शिक्षा और कौशल, और पर्यटन सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। आज, मैंने घोषणा की कि अल्बानियाई सरकार ऑस्ट्रेलिया-भारत साइबर और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी भागीदारी के तहत छह प्रभावशाली परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रही है। दोनों नेता भारत के रायसीना डायलॉग के ऑस्ट्रेलियाई संस्करण 'रायसीना डाउन अंडर' में भी भाग लेंगे।

हर साल 215 से 387 बिलियन डॉलर की आवश्यकता जाहिर की थी

जलवायु परिवर्तन से निपटने विकसित देशों ने दिए 27.26 अरब रु.

नूना न्यूज एजेंसी/जिनेवा

जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करने के लिए विकसित देशों ने विकासशील देशों को 2022 में 27.26 अरब रुपये (32.4 बिलियन डॉलर) प्रदान किए, जिसमें सार्वजनिक वित्त पोषण के रूप में 24.31 अरब रुपये (28.9 बिलियन डॉलर) भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) में विकसित देशों के एक समूह की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, यह राशि 2021 की तुलना में लगभग 23 प्रतिशत और 2019 की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक थी। हालांकि, पिछले साल नवंबर में जारी संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बचने के लिए हर साल 215 से 387 बिलियन डॉलर की आवश्यकता जाहिर की थी।

प्रगति रिपोर्ट देने को कहा था

ग्लासगो में 2021 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में विकसित देशों से 2019 को आधार रेखा के रूप में इस्तेमाल करते हुए 2025 तक विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्तपोषण को दोगुना करने का आग्रह किया गया था। पिछले साल दिसंबर में दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन ने इस आह्वान को दोहराया गया और विकसित देशों से 2024 में प्रगति की रिपोर्ट देने को कहा गया था।

अनुदान में 2019 की तुलना में हुई वृद्धि

यूएनएफसीसीसी वेबसाइट पर सोमवार को प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में 11.6 बिलियन डॉलर का अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त अनुदान के रूप में प्रदान किया गया। इसके अलावा 17.2 बिलियन डॉलर ऋृण के रूप में और 100 मिलियन डॉलर इक्विटी के रूप में प्रदान किए गए। अनुदान में 2019 की तुलना में 63 प्रतिशत और ऋृण में 48 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 में जुटाए गए कुल 32.4 बिलियन डॉलर में से 10.6 बिलियन डॉलर द्विपक्षीय सहायता, जबकि 18.3 बिलियन डॉलर विकास बैंकों और जलवायु कोष जैसे बहुपक्षीय चैनलों के माध्यम से दिए गए। इसके अलावा सार्वजनिक पहलों के माध्यम से वित्तपोषण में अतिरिक्त 3.5 बिलियन डॉलर भी जुटाए गए। बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) के माध्यम से वित्त में 57 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

संपादकीय

मदरसा एक्ट संवैधानिक

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक बड़ा फैसला सुनाते हुए उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड एक्ट को संवैधानिक करार दिया है। इस कानून को साल 2004 में मुलायम सिंह यादव के मुख्यमंत्री रहते राज्य सरकार ने पास किया था। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी मदरसा बोर्ड एक्ट को असंवैधानिक बताया था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को पलट दिया है। अंशुमान सिंह राठौड़ नाम के एक शख्स ने मदरसा बोर्ड कानून के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिस पर हाईकोर्ट ने मदरसा एक्ट को असंवैधानिक बताया था। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अंजुमन कादरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिस पर आज फैसला आया है। इस फैसले से मदरसा छात्रों को राहत तो जरूर मिली है, लेकिन मदरसों से एक अधिकार भी छिन गया है। अब मदरसे बच्चों को डिग्री नहीं दे सकेंगे। इसका मतलब यह है कि मदरसों में छात्र बारहवीं तक की तालीम हासिल कर सकेंगे और अंडर ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए फाजिल और कामिल नाम से दी जाने वाली डिग्री नहीं ले सकेंगे क्योंकि यह यूजीसी नियम के खिलाफ है। यह सही है कि सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट को संवैधानिक करार दे दिया है, लेकिन अब मदरसों को भी अपने अंदर सुधार करने की जरूरत है। जरूरत यह है कि मदरसों में आधुनिक शिक्षा को भी तरजीह दी जाए। हालांकि कुछ मदरसों ने आधुनिक शिक्षा देना शुरू की है, लेकिन यह नाकाफी है। सभी मदरसों को अपने आप को अपडेट करना चाहिए। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने भी मदरसा बोर्ड की ग्रेजुएशन और पोस्ट-ग्रेजुएशन की पढ़ाई पर सवाल खड़े किए कहा कि इसके आधार पर युवाओं को राज्य और केंद्र सरकार में नौकरी नहीं मिल पाती है। जब दुनिया जदीद तालीम की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है तो ऐसे में मदरसों को भी जदीद तालीम पर ध्यान देना चाहिए। तालीम वही होती है, जिससे रोजगार मिल सके। कुछ मदरसे तो सिर्फ धार्मिक शिक्षा तक ही सीमित है। ठीक है, धार्मिक शिक्षा दी जानी चाहिए, लेकिन साथ साथ आधुनिक शिक्षा भी वक्त की जरूरत है। फैसला देते समय सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को समझना जरूरी है कि मदरसा एक्ट से संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है। न ही ये धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का किसी भी तरह से उल्लंघन करता है। न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालय ने इस एक्ट को ठीक से समझे बिना ही रद्द कर दिया।

यह सही है कि सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट को संवैधानिक करार दे दिया है, लेकिन अब मदरसों को भी अपने अंदर सुधार करने की जरूरत है। आधुनिक शिक्षा भी जरूरी है।

दुश्वार जीवन जीते अर्धसैनिक बल

शाहीन सबा

गत 26 अक्टूबर 24 को बस्तर के बीजापुर जिले के पातरपारा, भैरमगढ़ में तैनात हरियाणा निवासी सीआरपीएफ जवान पवन कुमार ने दिन में ही खुद को गोली मार कर मौत को गले लगा लिया। बीते दो महीने में यह अकेले बस्तर में अर्ध सैनिक बाल के जवानों द्वारा आत्म हत्या की छठी और इस साल की 14वीं घटना है। जब केंद्र सरकार लगातार छापामारी कर बड़े नक्सल ऑपरेशन कर रही है और अबूझमाद के उन इलाकों तक सुरक्षा बल पहुंच रहे हैं, जिन्हें अभी तक 'अबूझ' कहा जाता था, जवानों में आत्महत्या की प्रवृति चिंता की बात है। दुर्भाग्य है कि जब-तब ऐसी घटनाएं होती हैं, जांच आदि के दल गठित होते हैं, लेकिन हफ्ता बीतते ही जवानों को उन्हीं परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिससे हताश उनका साथी खुदकुशी कर चुका था।

गत एक दशक के दौरान बस्तर में डेढ़ सौ से अधिक जवान आत्महत्या या फिर अपने ही साथी के क्रोध में मारे गए। कहने की आवश्यकता नहीं है कि कोई भी जवान ऐसे कदम बेहद तनाव या असुरक्षा की भावना से ग्रस्त हो कर उठाता है। आखिर वे दवाब में क्यों ना हों? ना तो उन्हें साफ पानी मिल रहा है और ना ही माकूल स्वास्थ्य सेवाएं। जान कर दुख होगा कि नक्सली इलाके में सेवा दे रहे जवानों की मलेरिया जैसी बीमारी का आंकड़ा उनके लड़ते हुए शहीद होने से कहीं ज्यादा होता है।

ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ने कोई दो दशक पहले एक जांच दल बनाया था, जिसकी रिपोर्ट जून-2004 में आई थी। इसमें घटिया सामाजिक परिवेश, प्रमोशन की कम संभावनाएं, अधिक काम, तनावग्रस्त कार्य, पर्यावरणीय बदलाव, वेतन-सुविधाएं जैसे मसलों पर कई सिफारिशें की गईं थीं। इनमें संगठन स्तर पर 37 सिफारिशें, निजी स्तर पर आठ और सरकारी स्तर पर तीन सिफारिशें थीं। इनमें छुट्टी देने की नीति में सुधार, जवानों से नियमित वार्तालाप, शिकायत निवारण को मजबूत बनाना, मनोरंजन व खेल के अवसर उपलब्ध करवाने जैसे सुझाव थे। इन पर कागजी अमल भी हुआ, लेकिन जैसे-जैसे देश में उपद्रव ग्रस्त इलाका बढ़ता जा रहा है अर्ध सैनिक बलों व फौज के काम का दायरे में विस्तार हो रहा है।

दुनिया की सबसे खूबसूरत जगहों में से है बस्तर, हरियाली, झरने, पशु-पक्षी और इंसान भी सभी नैसर्गिक वातावरण में उन्मुक्त। भले ही अखबार की सुर्खियां डराएं कि बस्तर में बारूद की गंध आती है, लेकिन हकीकत तो यह है कि किसी भी बाहरी पर्यटक के लिए कभी भी कोई खतरा नहीं है। पूरी रात जगदलपुर से रायपुर तक आने वाली सड़क वाहनों से आबाद रहती है। यहां टकराव है तो बंदूकों का, नक्सलवाद ने यहां गहरी जड़ें जमा ली हैं। जब स्थानीय पुलिस उनके सामने असहाय दिखी तो केंद्रीय सुरक्षा बलों को यहां झोंक दिया गया। विडंबना है कि उनके लिए ना तो माकूल भोजन-पानी है और ना ही स्वास्थ्य सेवाएं, ना ही सड़कें और ना ही संचार। यह किसी से छिपा नहीं है कि स्थानीय पुलिस की फर्जी व शोषण की कार्यवाहियों के चलते दूरस्थ अंचलों के ग्रामीण खाकी वर्दी पर भरोसा करते नहीं हैं। अधिकांश मामलों में स्थानीय पुलिस की गलत हरकतों का खामियाजा केंद्रीय बलों को झेलना पड़ता है। बेहद घने जंगलों में लगतार सर्चिंग व पेट्रोलिंग का कार्य बेहद तनावभरा है, यहां दुश्मन अदृश्य है, हर दूसरे इंसान पर शक होता है, चाहे वह छोटा बच्चा हो या फिर फटेहाल ग्रामीण। पूरी तरह बस अविश्वास, अनजान भय और अंधी गली में मंजिल की तलाश। इस पर भी हाथ बंधे हुए, जिसकी डोर सियासती आकाओं के हाथों मैं। लगातार इस तरह का दबाव कई बार जवानों के लिए जानलेवा हो रहा है।

बस्तर का भूजल बहुत दूषित है, उसमें लोहे की मात्रा अत्यधिक है और इसी के चलते गरमी शुरू होते ही आम लोगों के साथ-साथ जवान भी उल्टी-दस्त का शिकार होते हैं। यदा-कदा कैंप में टैंकर से पानी सप्लाई होती भी है, लेकिन वह किसी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से शोधित हो कर नहीं आता है। कहते हैं कि जवान पानी की हर घूंट के साथ डायरिया, पीलिया व टाईफाईड के जीवाणु पीता है। बेहद उमस, तेज गरमी वाला यहां का मौसम कई बार असहनीय होता है और इसमें उपजते हैं बड़े वाले मच्छर जोकि हर साल कई जवानों की असामयिक मौत का कारण बनते हैं। हालांकि जवानों को कड़ा निर्देश है कि वे मच्छरदानी लगा कर सोऐं, लेकिन रात की गरमी और घने जंगलों में चौकसी के चलते यह संभव नहीं हो पाता। यहां तक कि बस्तर का मलेरिया अब पारंपरिक कुनैन से ठीक नहीं होता है।

जवान पानी की हर घूंट के साथ डायरिया, पीलिया व टाईफाईड के जीवाणु पीता है। बेहद उमस, तेज गरमी वाला यहां का मौसम कई बार असहनीय होता है और इसमें उपजते हैं बड़े वाले मच्छर जोकि हर साल कई जवानों की असामयिक मौत का कारण बनते हैं।

मोबाइल नेटवर्क का कमजोर होना भी जवानों के तनाव व मौत का कारण बना हुआ है। सनद रहे कि बस्तर का क्षेत्रफल केरल राज्य से ज्यादा है। यहां बेहद घने जंगल हैं और उसकी तुलना में मोबाइल के टावर बेहद कम हैं। आंचलिक क्षेत्रों में नक्सली टॉवर टिकने नहीं देते तो कस्बाई इलाकों में बिजली ठीक ना मिलने से टॉवर कमजोर रहते हैं। बेहद तनाव की जिंदगी जीने वाला जवान कभी चाहे कि अपने घर वालों का हालचाल जान लें तो भी वह बड़े तनाव का मसला होता है। कई बार यह भी देखने में आया कि सिग्नल कमजोर मिलने पर जवान फोन पर बात करने कैंप से कुछ बाहर निकला और नक्सलियों ने उनका शिकार कर दिया। कई कैंप में जवान ऊंचे एंटिना पर अपना फोन टांग देते हैं व उसमें लंबे तार के साथ 'इयर फोन' लगा कर बात करने का प्रयास करते हैं। सीआरपीएफ की रपट में यह माना गया है कि लंबे समय तक तनाव, असुरक्षा व एकांत के माहौल ने जवानों में दिल के रोग बढ़ाए हैं। वहीं घर वालों का सुख-दुख ना जान पाने की दर्द भी उनको भीतर ही भीतर तोड़ता रहता है। तिस पर वहां मनोरंजन के कोई साधन हैं नहीं और ना ही जवान के पास उसके लिए समय है।

यह भी चिंता का विषय है कि सीआरपीएफ व अन्य सुरक्षा बलों में नौकरी छोड़ने वालों की संख्या में 450 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अफसर स्तर पर बहुत कम लोग हैं। साफ दिख रहा है कि जवानों के काम करने के हालात सुधारे बगैर बस्तर के सामने आने वाली सुरक्षा चुनौतियों से सटीक लहजे में निबटना कठिन होता जा रहा है। अब जवान पहले से ज्यादा पढ़ा-लिखा आ रहा है, वह पहले से ज्यादा संवेदनशील और सूचनाओं से परिपूर्ण है; ऐसे में उसके साथ काम करने में अधिक जगरूकता व सतर्कता की जरूरत है। नियमित अवकाश, अफसर से बेहतर संवाद, सुदूर नियुक्त जवान के परिवार की स्थानीय परेशानियों के निराकरण के लिए स्थानीय प्रशासन की प्राथमिकता व तत्परता, जवानों के मनोरजंन के अवसर, उनके लिए पानी, चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं को पूरा करना आदि ऐसे कदम हैं जो जवानों में अनुशासन व कार्य प्रतिबद्धता, देनो को बनाए रख सकते हैं।

यही नहीं, जब तक सीआरपीएफ के जवान को दुश्मन से लड़ते हुए मारे जाने पर सेना की तरह शहीद का दर्जा व सम्मान नहीं मिलता, उनका मनोबल बनाए रखना कठिन होगा। महज साफ पानी, मच्छर से निबटने के उपाय, जवानों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कुछ ऐसे उपाय हैं जो कि सरकार नहीं तो समाज अपने स्तर पर अपने जवानों के लिए मुहैया करवा सकता है, ताकि जवान एकाग्र चित्त से देश के दुश्मनों से जूझ सकें।

पाठकवाणी

खराब होती हवा की गुणवत्ता

चाहे स्वच्छता का मामला हो या पेड़ पौधे लगाने का, चाहे दीपावली पर प्रदूषण या ध्वनि प्रदूषण कम करने का मामला हो, इंदौर हमेशा जन चेतना की नहीं राह दिखने में पीछे नहीं रहता। यह इंदौर वासियों व शासन प्रशासन की जिद ही कहा जाएगी कि वह हर सकारात्मक पहलू को न केवल बड़ी शिद्दत व जज्बे के साथ ग्रहण करता है, बल्कि उसके परिणाम को भी जमीन पर दिखाता है । इस बार दीपावली पर इंदौर वासियों ने नई राह दिखाते हुए पिछले साल की तुलना में 32 प्रतिशत कम प्रदूषण तथा ध्वनि प्रदूषण भी 15 प्रतिशत घटा दिया है। खबर के मुताबिक पिछले साल दीपावली पर औसत एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स) 186 था, जबकि इस बार औसत एक्यूआई 127 दर्ज हुआ है। मध्य प्रदेश के 7 बड़े शहरों में इंदौर की आबोहवा सबसे बेहतर रही है। दिल्ली की हवा इतनी प्रदूषित हो चुकी है कि एक्यूआई 400 पर पहुंच गया व 69 प्रतिशत लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। पर्यावरण को प्रदूषण हम ही करते हैं तो यह हमारा जिम्मा हो जाता है कि इसे हम कम करने का प्रयास करें। इंदौर ने पहले ही स्वच्छता के मामले में पूरे देश में झंडे गाड़ रखे हैं। अब वह प्रदूषण के मामले में भी इस नक्शे कदम पर चल रहा है। इंदौर वासियों के इस प्रेरणादायक काम से प्रदेश के ही नहीं देशभर के लोगों को सीख ग्रहण करनी चाहिए।

-हेमा हरि उपाध्याय 'अक्षत', उज्जैन

कुछ खास

मैंने आज तक नहीं सुना कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कैबिनेट में पास किया हो कि डीजीप का कार्यकाल दो साल का होगा और राज्य सरकार उसे नियुक्त करेगी। दरअसल अमित शाह अपना डीजीपी और योगी आदित्यनाथ अपना डीजीपी रखना चाहते हैं। झगड़ा इसे लेकर है।

-संजय सिंह, आप सांसद

आज का ट्वीट

''कुछ तो मर्यादा रखिये पीएम साहब। आप देश के प्रधानमंत्री भी हैं। भैंस छीन लेंगे, जमीन छीन लेंगे, मंगलसूत्र छीन लेंगे। और अब... बेटी छीन लेंगे तक आ गए।''

-कुंवर दानिश अली

साइबरवर्ल्ड

बिहार को अब गांधी नहीं चाहिए

बिहार की सरकार ने गांधी को नहीं, सत्य, अहिंसा, सौहार्द्र के मूल्यों को छोड़ा है। जीवित गांधी को रोकने की बहुत कोशिश हुई। नहीं रोक पाए। गोली मारी। गांधी फिर भी नहीं रुका। अपने संदेश की मशाल लिए लगातार दिखता रहा। प्रकाश की संभावना को नष्ट कर देना अपराध की संभावना का रास्ता बनाता है। गांधी प्रकाश है। असत्य, हिंसा और घृणा का अंधकार इस प्रकाश के रहते बढ़ नहीं पाएगा। लेकिन गांधी है कि मर नहीं रहा है, सामाजिक-मानवीय अपराध के सारे रास्तों पर शांति, अहिंसा, सत्य, विवेक, भाईचारा की मशाल लिए खड़ा हो जाता है। गांधी की छाया भी उन्हें आगे बढ़ने से रोक देती है। इसीलिए नफरत और जुगुप्सा से लबरेज तत्व अपनी तिलमिलाहट गांधी की छाया पर ही गोलियां चलाकर निकालते हैं। लेकिन गांधी के प्रति तमाम तिलमिलाहटों के बावजूद, उसे मिटाने की तमाम कोशिशों के बावजूद गांधी न तो दिलों से और न ही सरकारी औपचारिकताओं से मिटाए जा सके थे। इसलिए कि दुनिया में भारत के प्रति आदर और श्रद्धा का यदि कोई कारण है तो वह यह है कि यह बुद्ध और गांधी की धरती है। इसीलिए इस देश के लिए स्वतंत्रता का जितना महत्व है, गणतांत्रिक होने का जितना महत्व है, उतना ही महत्व गांधी के होने का रहा-स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गाँधी जयंती-तीन राष्ट्रीय दिवस। अब ऐसा नहीं रहा। जिस बिहार ने गांधी को गांधी बनाया, उसी बिहार की सरकार गांधी को मिटाने के षड्यंत्र का सरगना बन गई है। बिहार के शिक्षा विभाग की अवकाश-तालिका में गांधी जयंती की छुट्टी रद्द कर दी गई है। गांधी को किनारा लगाने के षड्यंत्र को उस चुप्पी से रिलेट कीजिए जो एक केंद्रीय मंत्री के द्वारा खुलेआम सांप्रदायिक यात्रा निकाले जाने के बावजूद छायी हुई है, खुलेआम दंगा की अपील के बावजूद कायम है, तलवार-त्रिशूल जमा करने की हिंसक तैयारी की सलाह के बावजूद मौजूद है। ये हिंसक और नफरती कार्रवाइयां गांधी की गैरमौजूदगी में ही संभव है। गांधी अगर रहेगा तो चुप नहीं रहने देगा। बिहार के बच्चों को अब गांधी नहीं, तलवार-त्रिशूल चाहिए। गांधी जयंती के अवकाश को समाप्त करने का यही मकसद है।

-अनिल कुमार रॉय की फेसबुक वॉल से

अमृतवाणी

मां का प्रेम

जापान में आए एक भयंकर भूकंप की सच्ची घटना है। भूकंप के बाद, जैसे ही सब शांत हो गया, बचाव दल के सदस्य एक खंडहर में पहुंचे तो देखा कि एक स्त्री का शरीर पड़ा है। उसका शरीर ऐसे झुका हुआ, था मानो प्रार्थना की मुद्रा में हो। उसने शरीर आगे की ओर झुकाकर दोनों हाथ किसी वस्तु से टिका रखे थे। खंडहर के किसी भारी अंश ने उसकी कमर व सिर को बुरी तरह घायल कर दिया था। काफी मुश्किल से बचाव दल का लीडर खंडहर में एक तंग जगह से घुसकर उस स्त्री तक पहुंच गया। उसे आशा थी कि वह शायद जीवित हो। लेकिन उसका शरीर बिल्कुल ठंडा और अकड़ा था। टीम के सदस्य किसी दूसरे मकान की ओर निकल गए। लेकिन लीडर के मन की आवाज ने उसे वापस उसी मृत स्त्री के पास लौटा दिया। वह घुटनों के बल बैठकर मृत स्त्री के नीचे की खाली जगह से कुछ ढूंढने का प्रयास करने लगा। अचानक, वह चिल्ला उठा, एक बच्चा.... यहां एक बच्चा है। पूरी टीम वापस आई। उसके सदस्य महिला के आसपास के मलबे को हटाने लगे। एक तीन माह का बालक, एक सुंदर कंबल में लिपटा, स्त्री के मृत शरीर के नीचे पड़ा था। साफ है, उस मां ने अपने बच्चे को बचाने के लिए अपने प्राण गंवा दिए थे। जब महिला का मकान गिर रहा था, उसने अपने शरीर को ढाल बनाकर बच्चे को बचा लिया था। जब टीम लीडर ने उस बच्चे को उठाया तो वह शांत सो रहा था। डाक्टरों ने फौरन बच्चे की जांच की। कंबल उतारा तो देखा उसके अंदर एक सेलफोन था। फोन के स्क्रीन पर एक संदेश था, 'अगर तुम बच गए तो याद रखना तुम्हारी मां तुम्हें बहुत प्यार करती है।' सारे उपस्थित लोग उस संदेश को बारी-बारी पढ़ रहे थे। जिसने भी पढ़ा, उसकी आंखें छलछला उठीं।

तीखी नजर

बेबस जिंदगी का लाइव सर्टिफिकेट

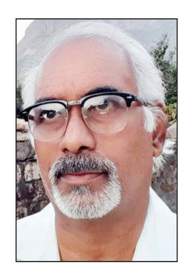

सुनील जैन राही

कंपकपाते हाथों से ऊपर की लाइन पर हस्ताक्षर हो गए। बेटा चिल्लाया-पूरा फार्म फिर से भरना पड़ेगा। बैंक में सबकी निगाहें झम्मन की ओर घूम गईं। झम्मन की आंखों में निरीह भाव तैर गए। अपनी बेबसी पर पर्दा डालते हुए कहा-मुझे कम सुनाई देता है, इसलिए बेटा जोर से बोलता है। निरीह मुस्कान भी चेहरे के भाव संभाल नहीं सकी। चिल्लाने और जोर से बोलने में क्या फर्क होता है है, सभी समझ रहे थे। सुबह जब बेटे ने आदेश दिया तैयार हो जाओ, प्रेसबंद कपड़े टेबल पर रखे हैं, तभी झम्मन समझ गए नवम्बर का महीना आ गया। घर में सभी मुस्तैद थे। नाश्ते से लेकर तेल तक टेबल पर रखा था। चप्पलों पालिश थी, चश्मा से डिटोल की खुशबू आ रही थी। आफिस से मिला पेन टेबल पर रखा था। साल में एक बार ही जाना होता है। पहले की तरह नहीं, अटैची उठाई और चल दिए।

एक दिन चाय के दौरान समोसे का आनन्द ले रहे थे। माहौल शांत था। झम्मन ने रमेश जी से कहा-अरे यार रमेश तुम तो कह रहे थे, ये उमेश बड़ा ही .... लगता है? क्यों उमेश क्या तुम वैसे ही हो जैसा रमेश कह रहा है? उमेश की रावणी मुद्रा हो गई। तलवारें खिंच जाए उससे पहले सभी ने ठहाका लगाया। रमेश जी और उमेश जी झम्मन की चाल समझ गए। झम्मन का खिलदंडपना समझ में न आए तो लटठ चल जाएं। झम्मन की रेंज काफी लम्बी थी। उस रेंज में कोई भी आ जाता। एक दिन रेखा जी पार्टी वियर पहनकर ऑफिस आ गईं। फिर क्या था, झम्मन की पारखी नजर। अरे साड़ी तो नानूभाई की दूकान की लग रही है। साड़ी की तारीफ सोमा जी के सामने की और सोमा जी ने ऊंह किया और वाशरूम की निकल गईं। चिंगारी काम कर गई थी। दूसरे दिन सोमा जी की बारी थी। तारीफ का उद्देश्य साफ था-पांच हजार की साड़ी पर अगर पांच सौ खर्च नहीं करवाये तो लानत है झम्मन पर। असर साफ दिखाई दिया। रेखा जसी ने हल्की मुस्कान के साथ साड़ी को सेलिब्रेट कर दिया। चाय-समोसे के साथ ढोकले भी आ गए। जब साहब की टेबल पर सजी प्लेट पहुंची तो चपरासी से पूछा लिया-आज किसकी तारीफ कर दी झम्मन ने?

अगर आग न भड़के तो लानत है, ऐसी चिंगारी पर। दूसरे दिन सोमा जी को कुछ तो ज्यादा करना था। गाड़ी से उतरते समय मनियाराम की मिठाई का डिब्बा हाथ में चमक रहा था। चाय समोसे डकारने के बाद रमेश जी ने झम्मन को छेड़ दिया-महिला पर पावन दृष्टिपात होगा या फिर...यानी अब किसका सर ओखली में जाएगा। बात अधूरी रह गई, लेकिन सच थी, जीने के लिए हंसना जरूरी है। झम्मन हंसने और हंसाने के लिए कभी पीछे नहीं रहते।

झम्मन के बिदाई समारोह में ठहाके ऐसे गूंजे जैसे गब्बर सिंह की हंसी। शायद वह आखिरी हंसी थी। उसके बाद कभी-कभार कोई मित्र आ गया तो औपचारिकतावश मुस्करा लिए। हंसना अपने लिए नहीं होता था, दूसरों के लिए मुस्कराना पड़ता था। अगर जोर से ठहाका लगा दिया तो कहीं नाती-पोते डिस्टर्ब न हो जाएं। पार्क में खोखली हंसी हंसने में कभी विश्वास नहीं रहा।

नजरिया

वायु प्रदूषण से मौतों का सिलसिला

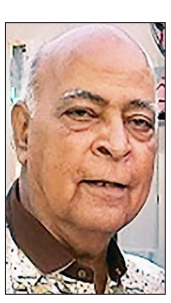

अशोक भाटिया

देश में वायु प्रदूषण की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। यह प्रदूषण कितना जानलेवा और खतरनाक हो सकता है इसका खुलासा एक ताजा अध्ययन में हुआ है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देश के 10 शहरों-अहमदाबाद, बंगलूरू, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, शिमला और वाराणसी में होने वालीं हर 100 में से 7 मौत के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है। इस बात का खुलासा 'द लांसेट प्लेनेटरी हेल्थ' पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में हुआ है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के 10 शहरों में हर साल लगभग 33,000 मौते वायु प्रदूषण के कारण हो रही है, जो भारत की नेशनल क्लीन एयर लिमिट से काफी नीचे है। भारत के स्वच्छ वायु मानदंड वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रति क्यूबिक मीटर हवा में 15 माइक्रोग्राम के दिशानिर्देश से काफी अधिक हैं।

एक अध्ययन में पाया गया है कि खराब वायु गुणवत्ता के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है और आपके शरीर को ठीक होने में कुछ दिन लग सकते हैं। वायु प्रदूषण का एक प्रकार कारखानों, बिजली संयंत्रों और कार के निकास से निकलने वाले महीन कण (2.5 माइक्रोमीटर व्यास या उससे कम) हैं। दूसरा महत्वपूर्ण प्रकार ओजोन है, जो शहरी धुंध का मुख्य घटक है। जब आप उच्च स्तर के महीन कणों या ओजोन में सांस लेते हैं, तो आपके फेफड़े चिड़चिड़े हो सकते हैं। बाहरी वायु प्रदूषण को अस्थमा, दिल के दौरे, स्ट्रोक और कैंसर से जोड़ा गया है। अध्ययनों से पता चला है कि वायु प्रदूषण के लंबे समय तक संपर्क में रहने और समय से पहले मृत्यु के बीच संबंध है। सार्वजनिक नीतियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य जगहों पर वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है। विशेषज्ञ समय-समय पर वायु प्रदूषण के स्तर और मृत्यु और बीमारी की दरों के वैज्ञानिक विश्लेषण की जांच करते हैं ताकि वायु गुणवत्ता मानकों का पुनर्मूल्यांकन किया जा सके।

जब सूक्ष्म कणों या ओजोन से वायु प्रदूषण रुक-रुक कर बढ़ता है, तो दो दिन की अवधि में मौतों में काफी वृद्धि होती है। प्रति क्यूबिक मीटर में 10 माइक्रोग्राम सूक्ष्म कणों या 10 पार्ट प्रति बिलियन ओजोन की प्रत्येक रुक-रुक कर, वृद्धिशील वृद्धि मौतों में वृद्धि से जुड़ी थी।

हार्वर्ड टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में डॉ. फ्रांसेस्का डोमिनिकी के नेतृत्व में एक शोध दल ने वायु प्रदूषण के अल्पकालिक जोखिम से वृद्धों में मृत्यु के जोखिम का अनुमान लगाने का प्रयास किया। टीम ने यह भी जांच की कि क्या आबादी के कुछ उपसमूह विशेष रूप से असुरक्षित हो सकते हैं। इस अध्ययन को ठव्क्रू के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायर्नमेंटल हेल्थ साइंसेज द्वारा समर्थित किया गया था। टीम ने वायु प्रदूषण पूर्वानुमान मॉडल और कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके 39,000 से अधिक ज़िप कोडों के लिए दैनिक वायु प्रदूषण के स्तर का अनुमान लगाया, यहां तक कि देश के निगरानी रहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी। फिर उन्होंने 2000 से 2012 तक के मृत्यु रिकॉर्ड के आधार पर 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के 22 मिलियन वयस्कों के लिए मृत्यु के दिनों के आसपास प्रदूषण के स्तर को देखा। मृत्यु के दिनों (22 मिलियन मौतों के लिए) के वायु प्रदूषण के स्तर की तुलना अन्य दिनों (76 मिलियन नियंत्रण दिनों) के दौरान प्रदूषण के स्तर से की गई।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जब सूक्ष्म कणों या ओजोन से वायु प्रदूषण रुक-रुक कर बढ़ता है, तो दो दिन की अवधि में मौतों में काफी वृद्धि होती है। प्रति क्यूबिक मीटर में 10 माइक्रोग्राम सूक्ष्म कणों या 10 पार्ट प्रति बिलियन ओजोन की प्रत्येक रुक-रुक कर, वृद्धिशील वृद्धि मौतों में वृद्धि से जुड़ी थी। बड़े डेटासेट ने शोध दल को आयु, लिंग, नस्ल, आयु और आय स्तर के आधार पर प्रभावों का अध्ययन करने में भी सक्षम बनाया। वायु प्रदूषण से होने वाली मृत्यु के सबसे अधिक जोखिम वाले लोग 85 वर्ष से अधिक उम्र के, महिला, अश्वेत या आर्थिक रूप से वंचित थे। डोमिनिकी कहते हैं, यह प्रदूषण के अल्पकालिक जोखिम और मृत्यु दर का अब तक का सबसे व्यापक अध्ययन है। हमने पाया कि वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ मृत्यु दर लगभग रैखिक रूप से बढ़ती है। वायु प्रदूषण का कोई भी स्तर, चाहे कितना भी कम क्यों न हो, मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। विशेषज्ञ वायु प्रदूषण के अध्ययन के परिणामों का उपयोग यह आकलन करने के लिए कर सकते हैं कि क्या वायु गुणवत्ता मानक सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पर्याप्त हैं।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई कि बात करें तो मुंबई में गत दिनों अचानक मौसम ने करवट ली थी तब धूल के गुबार के साथ चली तेज हवा ने मुंबई वासियों को खासा परेशान किया था। मुंबई के उपनगर ठाणे, अबंरनाथ, बदलापुर, कल्याण और उल्लासनगर में करीब 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। धूल भरी आंधी और बारिश से दिन में ही अंधेरा सा होने लगा था। मुंबई एयरपोर्ट पर ऑपरेशन अगले आदेश तक बंद कर दिया गया था। कई नेशनल और इंटरनेशनल फ्लाइट्स डायवर्ट की गई हैं थी। लोगों को भी घरों में रहने की हिदायद दी गई है थी। अमूमन मुंबई में प्रदूषण का स्तर लंबे समय तक बिगड़ा नहीं रह सकता क्योकि समुद्र की हवा चलने से प्रदूषण खत्म हो जाता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो रहा था। मुंबई में बढ़ते प्रदूषण के पीछे क्लाइमेट चेंज भी एक वजह हो सकता है। 'स्क्रॉल' की रिपोर्ट के मुताबिक, समुद्र के ऊपर तापमान में असामान्य गिरावट ने मुंबई में तटीय हवाओं की गति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। क्योंकि अरब सागर में कम हवा चलने के कारण प्रदूषक तत्वों का फैलाव नहीं हो सका। इससे एयर पॉल्यूशन की स्थिति और खराब हो गई।

सार संक्षेप

क्रिकेटर सुरेश रैना ने किए कैंची धाम के दर्शन

नैनीताल : भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुरेश रैना मंगलवार को कैंची धाम पहुंचे और बाबा नीम करौरी महाराज के दर्शन किए। प्राप्त जानकारी के अनुसार रैना मंगलवार सुबह कैंची धाम पहुंचे और उन्होंने कैंची धाम में नीब करौरी महाराज के दर्शन किए। उन्होंने पूजा अर्चना की और ध्यान कक्ष में बैठ कर कुछ देर ध्यान लगाया। साथ ही बाबा की शिला पर फूल माला चढ़ाई। मंदिर प्रबंधक भयू साह और अन्य पदाधिकारियों की ओर से उनका स्वागत किया गया। वह यहां कुछ देर ठहरे। इस दौरान उन्होंने मंदिर पदाधिकारियों से बातचीत की। रवाना होने से पहले रैना ने कहा कि उन्हें आज नीम करौरी महाराज के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। इससे उन्हें बड़ी शांति मिली। गौरतलब है कि नीम करौरी महाराज के दर्शन के लिये इन दिनों श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ रही है। बाबा के दर्शन करने वालों में बड़ी-बड़ी हस्तियां भी शामिल हैं। नीम करौरी महाराज के दर्शन करने वालों में अभी तक देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, उप्र के मंत्री दारा सिंह, सपा नेता डिंपल यादव, क्रिकेटर विराट कोहली एवं उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा, क्रिकेटर उमेश यादव, ऋषभ पंत, लक्ष्य सेन, अभिनेता एवं सांसद रवि किशन, अभिनेता राजपाल यादव आदि लोग शामिल हैं।

एचआईएल के लिए नई वेबसाइट लांच और कार्यक्रम की हुई घोषणा

नई दिल्ली : हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के 2024-2025 संस्करण के लिए मंगलवार को एक समर्पित लीग वेबसाइट का शुभारंभ किया गया तथा बहुप्रतीक्षित सीजन के कार्यक्रम की घोषणा की गई। एचआईएल की नई वेबसाइट 'हॉकीइंडियालीगडॉटकॉम' के जरिए दुनिया भर के प्रशंसकों तक लीग की ताजा खबरे, मैचों के कार्यक्रम, पूरी टीम की सूची और एक्सक्लूसिव वीडियो कंटेंट की पहुंच आसान होगी। इस वेबसाइट को एक आकर्षक और इमर्सिव अनुभव देने के लिए तैयार किया गया है। वेबसाइट एचआईएल से जुड़ी सभी चीजें उपलब्ध होगी जो कि प्रशंसकों और खिलाड़ियों को पहले से कहीं अधिक हॉकी के करीब लाएंगी। खिलाड़ियों की व्यापक नीलामी के बाद, आठ पुरुष और चार महिला टीमें इस प्रतियोगिता के लिए तैयार हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा और सबसे बेहतरीन एचआईएल सीजन होने वाला है। पुरुषों की लीग 28 दिसंबर को राउरकेला में शुरू होगी, इसके मैच दो चरणों में होंगे और एक फरवरी 2025 को अंतिम मुकाबला होगा। पहला चरण 28 दिसंबर से 18 जनवरी तक चलेगा। पहले चरण में सभी आठ टीमें एक-दूसरे के खिलाफ एक बार खेलेंगी। 19 जनवरी से शुरू होने वाले दूसरे चरण में टीमों को दो पूल में विभाजित किया जाएगा। पूल ए में दिल्ली एसजी पाइपर्स, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स, सूरमा हॉकी क्लब, वेदांत कलिंगा लांसर्स तथा पूल बी में गोनासिका, हैदराबाद तूफान, तमिलनाडु ड्रैगन्स, यूपी रुद्रस है। शीर्ष चार टीमों के बीच 31 जनवरी को सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं महिला टीमें 12 जनवरी को रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में लीग की शुरुआत करेगी। प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ दो बार खेलेगी। प्रतिस्पर्धी पूल चरण के बाद, शीर्ष दो टीमों के बीच 26 जनवरी को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

लॉन टेनिस चैंपियनशिप में राठी ने जीता स्वर्ण पदक

सोनीपता : केन्या में आयोजित इंटरनेशनल लॉन टेनिस चैंपियनशिप में लिटल एंजल्स स्कूल सोनीपत के होनहार खिलाड़ी अर्जुन राठी ने प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में अर्जुन पंडित को 6-0, 6-3 के सेट स्कोर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता में देश-विदेश से 32 खिलाड़ियों ने भाग लिया। अर्जुन राठी की इंटरनेशनल स्तर पर यह तीसरी जीत है। अर्जुन राठी के अभिभावक इससे बहुत खुश थे। उन्होंने इस जीत का श्रेय विद्यालय प्रशासन को देते हुये कहा कि विद्यालय द्वारा प्रदान की गई खेल सुविधाओं के कारण आज अर्जुन इन ऊंचाइयों पर पहुंचा है। विद्यालय के अध्यक्ष तरसेम कुमार गर्ग, सचिव डॉ विशाल गर्ग और विद्यालय की प्रधानाचार्य आशा गोयल ने अर्जुन राठी को बधाई दी और उनको भविष्य में भी बेहतर खेल प्रदर्शन के लिये प्रेरित किया।

स्टार फुटबॉल नेमार फिर हुए चोटिल

रियाद : ब्राजील के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी नेमार एशियाई चैंपियंस लीग एलीट वर्ग के मैच में सऊदी अरब के क्लब अल हिलाल के लिए खेलते हुए 86वें मिनट में चोटिल हो गये और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को मैच के दौरान पेनल्टी एरिया में गेंद पर कब्जा करने के लिए पांव फैलाने से नेमार की मांसपेशियों में खिचाव आने की बात सामने आयी है। इस मैच में अल हिलाल ने ईरान के क्लब एस्टेघलाल को 3-0 से हराया। ब्राजील स्ट्राइकर नेमार ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर कहा कि मुझे बहुत तेज ऐंठन जैसा महसूस हुआ। मैं कुछ टेस्ट करवाने जा रहा हूं और मुझे उम्मीद है कि यह बहुत गंभीर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि एक साल के बाद ऐसा होना सामान्य है। चिकित्सकों ने मुझे पहले ही चेताया था, इसलिए मुझे सावधान रहना होगा और अधिक मिनट खेलना होगा। उल्लेखनीय है कि चोट के कारण नेमार ने 12 महीनों के बाद हाल में प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी की थी।

ओलंपिक-2036 की मेजबानी के लिए भारतीय दावेदारी पेश

मंजूरी मिली तो अहमदाबाद में होंगे गेम्स, पहले 2 एशियन, 1 कॉमनवेल्थ गेम्स होस्ट किए

नई दिल्ली,वार्ता : भारत ने ओलंपिक गेम्स-2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश कर दी है। इसके तहत इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईएओ) ने इंटरनेशनल ओलंपिक काउंसिल (आईओसी) को लेटर लिखा है। गेम्स अहमदाबाद के सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हो सकते हैं। पेरिस ओलंपिक की क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान मनु भाकर और हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने तिरंगा थामा था।

केंद्रीय खेल मंत्रालय में मौजूद सूत्रों ने पुष्टि की है कि भारत सरकार ने एक अक्टूबर को लेटर ऑफ इंटेंट के जरिए आईओसी से गेम्स का आयोजन कराने की इच्छा जाहिर की है। यदि भारत ओलंपिक गेम्स की मेजबानी हासिल कर लेता है, तो यह पहला

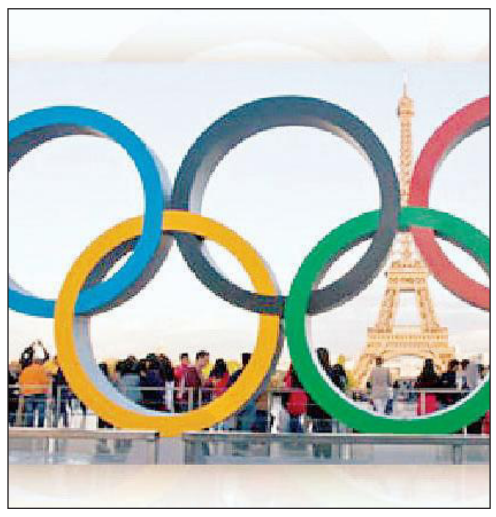

भारत सरकार ने एक अक्टूबर को लेटर ऑफ इंटेंट के जरिए आईओसी से गेम्स का आयोजन कराने की इच्छा जाहिर की

मौका होगा, जब यहां ओलिंपिक गेम्स का आयोजन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत ओलंपिक गेम्स-2036 की मेजबानी करेगा। 3 महीने पहले पेरिस में आयोजित ओलंपिक गेम्स में इंडियन प्लेयर्स ने एक सिल्वर समेत 6 मेडल जीते थे। 2032 तक के ओलंपिक मेजबान तय हो चुके हैं। 2032 की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर को दी गई है। जबकि 2028 के ओलंपिक लॉस एंजिलिस में होने हैं। भारत अब तक 3 मल्टी स्पोर्ट्स गेम्स की मेजबानी कर चुका है। देश ने आखिरी बार 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की थी। इससे पहले भारत में 1982 और 1951 के एशियन गेम्स भी कराए जा चुके हैं।

फिर शुरु हो सकता है एफ्रो एशिया कप

नई दिल्ली, वार्ता : एशिया इलेवन और अफ्रीका इलेवन के बीच खेली जाने वाली सफेद गेंद की श्रृंखला को फिर से शुरु करने को लेकर अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) की बैठक में सकारात्मक चर्चा हुई। एसीए की शनिवार को हुई वार्षिक आम बैठक में छह पदाधिकारियों की अंतिम कमेटी का गठन किया जिसका मुख्य उद्देश्य एसीए के ढांचे को नया रूप देना और महाद्वीप में खिलाड़ियों के लिए अवसर बढ़ाना है। एसीए द्वारा गठित की गई अंतरिम कमेटी का एक उद्देश्य एफ्रो-एशिया कप जैसे टूर्नामेंट को शुरू करने के लिए एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) से संपर्क साधना भी है। इससे पहले अब तक यह टूर्नामेंट केवल दो बार ही हुआ है।

टेस्ट में रोहित-धौनी से बेहतर कप्तान थे कोहली

36 साल के हुए विराट, घर में कभी सीरीज नहीं हारे, ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में दी मात

● नई दिल्ली,

रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धौनी भारत को आईसीसी ट्रॉफी दिलाने वाले कप्तान हैं। दूसरी ओर विराट कोहली हैं। वे कभी कप्तान के तौर पर आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीत सके। हालांकि, जब चर्चा टेस्ट क्रिकेट की होती है तो बतौर लीडर वे धौनी और रोहित दोनों से मीलों आगे नजर आते हैं। मंगलवार को विराट 36 साल के हो गए हैं।

धौनी और रोहित दोनों की कप्तानी में भारत को घर में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी। रोहित की कप्तानी में तो टीम इंडिया को अभी-अभी न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप भी झेलना पड़ा है। कोहली की कप्तानी में ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने भारत की जमीन पर 11 टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी की। भारत ने सभी 11 सीरीज अपने नाम कीं। कोहली ने 2015 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली बार घरेलू मैदान पर कप्तानी की थी। अश्विन और जडेजा के सपोर्ट और कोहली की अटैकिंग फील्ड स्ट्रैटजी से भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज 3-0 से जीती। यहां से कोहली की कप्तानी में टीम ने घर सभी टेस्ट सीरीज जीतीं। कोहली की कप्तानी में विदेशी टीमें भारत में टेस्ट ड्रॉ कराने को भी अचीवमेंट मानती थीं। उनकी कप्तानी में भारत ने 7 साल में महज 2 टेस्ट गंवाए, एक 2017 में ऑस्ट्रेलिया से और दूसरा 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ। कोहली की कप्तानी में भारत में 5 टेस्ट ड्रॉ रहे, जिनमें ज्यादातर बार मौसम ने विदेशी टीमों का साथ दिया। घरेलू मैदान पर कोहली ने क्लीन स्वीप तो दूर, कभी सीरीज हार भी नहीं झेली। इसके उलट, कोहली ने न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका,

वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के खिलाफ घर में क्लीन स्वीप किया। न्यूजीलैंड को तो उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने 2 टेस्ट सीरीज हराई थीं। फुल टाइम कप्तान बनने के बाद कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में चौथा टेस्ट ड्रॉ करा लिया। भारत ने 2-0 से सीरीज गंवाई। यहां के बाद सीधे 2018 में कोहली की कप्तानी में भारत ने सीना देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट खेला, जहां भारत ने 7 टेस्ट जीते। इस बीच भारत ने एशिया और वेस्टइंडीज में बाकी टेस्ट खेले। कोहली ने अपनी कप्तानी में बांग्लादेश, श्रीलंका और वेस्टइंडीज में 13 टेस्ट खेले और 9 में जीत हासिल की। यहां टीम ने महज 1 मैच गंवाया, जबकि 3 टेस्ट ड्रॉ रहे, तीनों में बारिश ने भारत का काम बिगाड़ा। इनमें 2 क्लीन स्वीप भी शामिल हैं। कोहली ने सीना देशों में भी टीम इंडिया को 2 टेस्ट सीरीज जिताईं। इतना ही नहीं, इंग्लैंड में एक सीरीज 2-2 से ड्रॉ भी खेली। यहां तक कि मजबूत दक्षिण अफ्रीका में 2 टेस्ट भी जीते। कोहली सीना देशों में सबसे ज्यादा 7 टेस्ट जीतने वाले एशियन कैप्टन हैं। कोहली ने 2018 में भारत को पहली बार ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जिताई थी। ऑस्ट्रेलिया में ही 5 साल पहले कोहली ने अपना टेस्ट कप्तानी करियर शुरू किया था। 2021 में कोहली की ही तैयार की गई टीम इंडिया ने रहाणे की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज जीती। कोहली निजी कारणों से सीरीज का 1 ही टेस्ट खेल सके थे। 2021 में कोहली इंग्लैंड को भी टेस्ट सीरीज हराने के करीब पहुंच गए थे। 5 टेस्ट की सीरीज के शुरूआती 4 मैचों में भारत 2-1 से आगे था। पांचवां टेस्ट कोरोना महामारी के कारण 2022 में कराया गया, लेकिन तब कोहली कप्तानी छोड़ चुके थे। जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में भारत ने पांचवां टेस्ट गंवाया और सीरीज 2-2 से ड्रॉ हो गई। कोहली की टेस्ट कप्तानी इसलिए भी बहुत बड़ी है, क्योंकि उन्होंने भारत को विदेश में टेस्ट और सीरीज जीतना सिखाया। उनसे पहले टीम इंडिया अगर सीना में एक टेस्ट भी जीतती थी तो उसे अचीवमेंट माना जाता था। ऑस्ट्रेलिया में पहली बार सीरीज जीतने से पहले भी भारत ने 8 सीरीज गंवाई थीं। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया का सबसे बुरा हाल भी न्यूजीलैंड ने ही किया था। न्यूजीलैंड ने 2021 में भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हराया। उससे पहले 2020 में टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हीं के घर में 2-0 से भी हार गई थी। कोहली के कप्तानी करियर में भारत ने इसके अलावा किसी और टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना नहीं किया।

शाकिब के एक्शन की होगी जांच

● लंदन,

काउंटी चैंपियनशिप में सरी के लिए खेलने के दौरान अंपायर्स ने शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को लेकर दी गई रिपोर्ट के बाद ईसीबी ने बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब से अपने गेंदबाजी एक्शन की जांच करवाने के लिए कहा है।

हालांकि शाकिब को खेलने से नहीं रोका गया है लेकिन यह पता चला है कि शाकिब के एक्शन की जांच कराने के लिए बातचीत चल रही है। यह जांच अगले कुछ सप्ताह में हो सकती हैं। शाकिब के दो दशक लंबे करियर में यह पहली बार है जब उनका गेंदबाजी एक्शन किसी तरह की जांच का विषय बना है। इस दौरान शाकिब ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 447 मैचों में 712 विकेट लिए हैं, जिसमें 71 टेस्ट में 246 विकेट शामिल हैं। सितंबर में टॉन्टन में सोमरसेट के खिलाफ खिताबी मुकाबले में 37 वर्षीय शाकिब ने नौ विकेट चटकाए थे। 2010-11 के बाद शाकिब पहली बार काउंटी चैंपियनशिप में खेल रहे थे। इंग्लैंड के आठ खिलाड़ियों के राष्ट्रीय टीम में होने के कारण, विल जैक्स और डैन लॉरेंस जैसे दो प्रमुख स्पिनरों की

अनुपस्थिति में शाकिब ने सरी के साथ कम समय का करार किया था। हालांकि शाकिब सोमरसेट को 111 रनों से जीत हासिल करने से नहीं रोक सके और सरी लगातार अपना तीसरा चैंपियनशिप खिताब जीतने में सफल नहीं हो पाया। उस मैच में शाकिब ने 63 ओवर से अधिक की गेंदबाजी की थी लेकिन एक बार भी उनकी गेंदबाजी के दौरान थ्रो करने का हवाला देकर किसी गेंद को नो बॉल करार नहीं दिया गया था। अब यह बात निकलकर सामने आई है कि मैदानी अंपायर्स ने उनके गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध पाया था।

आईपीएल मेगा ऑक्शन 24-25 नवंबर को

सऊदी अरब में नीलामी पंत, केएल राहुल और श्रेयस पर बड़ी बोली लगने की उम्मीद

मुंबई, : आईपीएल का मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दाह में होगा। ऑक्शन के लिए 1574 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। पिछले साल मिनी ऑक्शन दुबई में हुआ था, अब मेगा ऑक्शन सऊदी अरब में होने वाला है।

दिल्ली कैपिटल्स से रिलीज किए गए ऋषभ पंत, लखनऊ सुपर जायंट्स के पूर्व कप्तान केएल राहुल और चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर बड़ी बोली लगने की उम्मीद है। पंत आखिरी बार 2016, राहुल 2018 और श्रेयस 2022 आईपीएल से पहले ऑक्शन में उतरे थे। आईपीएल कमेटी ने मेगा

ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों को रिटेन करने की तारीख 31 अक्टूबर 2024 रखी थी। 10 टीमों ने 46 प्लेयर्स को रिटेन किया। जिसके बाद 204 प्लेयर्स की जगह खाली हो गई। इन जगहों के लिए 1000 से ज्यादा खिलाड़ी नीलामी में उतरेंगे। आईपीएल ऑक्शन लगातार दूसरे साल विदेश में होने जा रहा है। बीसीसीआई ने बताया कि ऑक्शन के लिए 1574 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। जिनमें 1165 भारतीय और 409 विदेशी हैं। इनमें एसोसिएट देशों के 30 खिलाड़ी भी शामिल हैं। विदेशी टीमों में साउथ अफ्रीका के सबसे ज्यादा 91 और ऑस्ट्रेलिया के 76 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। आईपीएल कमेटी ने इस बार टीमों को प्लेयर्स खरीदने के लिए 120 करोड़ रुपये का पर्स दिया है। 2 ही प्लेयर रिटेन करने के कारण पंजाब किंग्स के पास सबसे ज्यादा 110.50 करोड़ रुपये का पर्स बचा है। बाकी सभी टीमों का पर्स 85 करोड़ रुपये से कम है। राजस्थान रॉयल्स ने 6 खिलाड़ी रिटेन करने के लिए 79 करोड़ रुपये खर्च किए, इसलिए उसके पास सबसे कम 41 करोड़ रुपये बाकी हैं। हैदराबाद और मुंबई ने 5-5 इंटरनेशनल प्लेयर रिटेन किए, इसलिए उनके पास 45 करोड़ रुपए बाकी हैं। क्ढछ का मेगा ऑक्शन 4 साल में एक बार होता है। इस बीच हर साल मिनी ऑक्शन होते हैं। पिछले साल दुबई में मिनी ऑक्शन ही हुआ था।

बॉक्सर इमेन खलीफ के पुरुष होने का दावा

रिपोर्ट में खुलासा- मुक्केबाज में पुरुषों के अंग, ओलंपिक गोल्ड वापस लेने की मांग उठी

● अल्जीरिया,

अल्जीरिया की ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता बॉक्सर इमेन खलीफ के पुरुष होने की बात सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि फ्रांस में मेडिकल टीम ने 2023 में कहा था- खलीफ में पुरुषों के अंग मौजूद हैं।

फ्रांस की मेडिकल रिपोर्ट लीक हो जाने के बाद खलीफ से ओलंपिक गोल्ड वापस लेने की मांग उठने लगी है। उन्होंने इसी साल पेरिस में बॉक्सिंग का गोल्ड जीता था। भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर ओलंपिक कमेटी से बॉक्सर का मेडल छीनने की मांग की है। जून 2023 में फ्रांस में विमेंस वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप हुई थी, तब खलीफ समेत सभी बॉक्सर्स की मेडिकल रिपोर्ट के लिए सैंपल लिए गए थे। सैंपल को पेरिस के क्रेमलिन-बिसेट्रे हॉस्पिटल और अल्जीरिया के मोहम्मद लामिन डेबागिन हॉस्पिटल के एक्सपर्ट डॉक्टर्स ने चेक किया था। सैंपल चेक करने के बाद डॉक्टर्स ने कहा था कि खलीफ में क्रोमोसोम्स हैं, यह

क्रोमोसोम्स पुरुषों में ही होते हैं। खलीफ में महिलाओं का प्राइवेट पार्ट भी नहीं पाया गया। रिपोर्ट में सामने आया कि खलीफ में पुरुषों के प्राइवेट पार्ट्स भी हैं, हालांकि उनका साइज बाकी पुरुषों के मुकाबले छोटा है। पुरुष अंग होने के बाद इमेन को कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने नहीं दिया गया था। इमेन खलीफ ने इसी साल पेरिस ओलंपिक गेम्स की महिला 66 किग्रा कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता था। ओलंपिक के दौरान इटली की एंजेला कैरिनी ने उनके खिलाफ इसलिए खेलने से मना कर दिया था, क्योंकि खलीफ के हाथों की पावर जितना पंच उन्हें पूरे करियर में नहीं पड़ा था। एंजेला ने 46 सेकेंड बाद ही मुकाबला छोड़ दिया। मुकाबला छोड़ते हुए वह रिंग में ही बिलखते हुए रोने लगी थीं। ओलंपिक गेम्स के दौरान इमेन को कई बार ट्रोलर्स का सामना करना पड़ा। एक अन्य महिला बॉक्सर ने मैच जीतने के बाद अपने हाथों से क्रोमोसोम्स का साइन बनाकर इमेन का विरोध किया था। इमेन को सोशल मीडिया पर भी ट्रोलर्स का सामना करना पड़ा। ट्रोलर्स से परेशान होकर इमेन ने 11 अगस्त को ओलंपिक कमेटी से इस बात की शिकायत भी दर्ज कराई थी। खलीफ को डिफेंड करते हुए ओलिंपिक कमेटी ने कहा था कि टूर्नामेंट से पहले सभी बॉक्सर्स की मेडिकल रिपोर्ट ली गई थी। खलीफ में महिला होने के सबूत ही मिले थे। खलीफ ने पेरिस में पूरा किया था बचपन का सपना ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने के बाद खलीफ ने कहा था कि मैं 8 साल की उम्र से ओलंपिक चैंपियन बनने और गोल्ड मेडल जीतने का सपना देख रही हूं। यह अब जाकर पूरा हुआ। इस मेडल के साथ मैं पूरी दुनिया से कहना चाहती हूं कि मैं भी बाकी औरतों की तरह ही हूं।

महिला क्रिकेट में रुकेगी सोशल मीडिया ट्रोलिंग

दुबई : महिला क्रिकेटर्स की सोशल मीडिया ट्रोलिंग और उनपर होने वाले गलत कॉमेंट्स रोकने की आईसीसी ने तैयारी कर ली है। गोबबल ऐप की मदद से अब प्लेयर्स पर होने वाले गलत कॉमेंट्स ऑटोमैटिक डिलीट हो जाएंगे। जिन कॉमेंट्स में आपत्तिजनक शब्द होंगे, वह प्लेयर्स और टीम के सोशल मीडिया अकाउंट पर हाइड कर दिए जाएंगे। आईसीसी ने महिला क्रिकेटर्स से लगातार मिल रहीं शिकायतों के बाद पिछले महीने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में अकटूल का ट्रायल किया था। अक की मदद से गलत कॉमेंट्स के साथ बॉट्स के विज्ञापन और गैरजरूरी कॉन्टेंट भी प्लेयर्स की सोशल मीडिया प्रोफाइल से हटा दिया। वर्ल्ड कप में ट्रायल के दौरान आईसीसी को पता चला कि क्रिकेटर्स और टीमों की सोशल मीडिया प्रोफाइल पर हर पांचवां कॉमेंट आपत्तिजनक था। ऑनलाइन ट्रोलिंग और अपशब्द रोकने के लिए आईसीसी ने गोबबल टेक कंपनी की मदद से ट्रायल किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)